ಶುಭ್ ಲಾಭ್

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

DAILY

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मन की बात बहुत सार्थक और अनूठी: विजयेन्द्र @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | सोमवार, 24 फरवरी, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-7 | अंक-54

अमेरिका के भारत विरोधी षडयंत्र में शामिल कांग्रेस मुश्किल में

अमेरिकी फंडिंग की गहराई से हो रही जांच : जयशंकर

नई दिल्ली, 23 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के निवर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडेन के कार्यकाल में यूएसएड द्वारा भारत विरोध षडयंत्रों को हवा देने और लोकसभा चुनाव को मोदी विर-ोधी मोड़ देने के लिए दी गई भारी फंडिंग की भारत सरकार गहराई से जांच करा रही है। विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने कहा कि सरकार मामले की गहराई से जांच कर रही है और जल्द ही तथ्यों को सार्वजनिक किया जाएगा। विदेश मंत्री की इस घोषणा से विपक्ष खास कर कांग्रेस में सनसनी मची हुई है। क्योंकि कांग्रेस पार्टी और उसके शीर्ष नेता अमेरिकी धनपशु जॉर्ज सोरोस, पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन प्रशासन के अधिकारी डोनाल्ड लू और अन्य भारत विरोधी तत्वों के साथ मिल कर भारत विरोधी गतिविधियों में सक्रिय थे। अब कांग्रेस को लगने लगा है कि अमेरिकी एजेंसी यूएसएड द्वारा भारत में 21 मिलियन डॉलर की चुनावी फंडिंग को लेकर उनकी कलई खुलने वाली है। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने दिल्ली यूनिवर्सिटी लिट्रेचर फेस्टिवल में कहा कि यूएसएड को काम करने की अनुमति गुड फेथ यानी सद्भावना के तहत दी गई थी, लेकिन अब अमेरिका से संकेत मिल रहे हैं कि इसमें किसी विशेष नैरेटिव और भारत विरोधी एजेंडा को बढ़ावा देने का प्रयास किया गया। जयशंकर ने कहा, मुझे

अमेरिकी फंडिंग से जुड़े तथ्य जल्द सार्वजनिक किए जाएंगे

चुनाव प्रभावित करने के लिए मिला था 21 मिलियन डॉलर

लगता है कि ट्रंप प्रशासन के कुछ लोगों ने कुछ जानकारी सार्वजनिक की है, जो निश्चित रूप से चिंताजनक है। इससे यह संकेत मिलता है कि कुछ गतिविधियां किसी विशेष उद्देश्य के तहत की जा रही हैं, ताकि एक खास नैरेटिव या विचारधारा को बढ़ावा दिया जा सके। उन्होंने कहा कि सरकार इस मामले की सक्रिय रूप से जांच कर रही है। एक सरकार के रूप में हम इस मामले को देख रहे हैं, क्योंकि ऐसी संस्थाओं के लिए अपनी गतिविधियों की रिपोर्ट देना आवश्यक होता है। मेरा मानना है कि जल्द ही तथ्य सामने आएंगे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने भी इस मुद्दे पर कहा कि विभिन्न एजेंसियां इसकी गहराई से जांच कर रही हैं और आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। सरकार ने इस फंडिंग को बेहद चिंताजनक बताया और भरोसा दिलाया कि सच्चाई जल्द सामने आएगी।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस फंडिंग को लेकर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका को भारत के चुनावों में हस्तक्षेप करने की जरूरत क्यों पड़ी? ट्रंप ने इस रकम को किकबैक स्कीम करार दिया। 20 फरवरी को मियामी में एक कार्यक्रम के दौरान डोनाल्ड ट्रंप ने यूएसएड की 21 मिलियन डॉलर की फंडिंग पर सवाल उठाते हुए संदेह जताया था कि यह फंडिंग मोदी के ▶10पर

बागेश्वर धाम में कैंसर अस्पताल की नींव रखते हुए पीएम मोदी ने कहा

कुछ नेता विदेशी ताकतों से मिलकर देश धर्म को कमजोर कर रहे

छतरपुर, 23 फरवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के छतरपुर स्थित बागेश्वर धाम में आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कैंसर अस्पताल की नींव रखी। इस मौके पर उन्होंने जनमानस को संबोधित करते हुए इस बात पर गहरी चिंता जाहिर की कि देश के कुछ नेता विदेशी ताकतों के साथ मिल कर देश और धर्म को क्षति पहुंचा रहे हैं और कमजोर कर रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने देश की एकता और संस्कृति पर जोर किया। प्रधानमंत्री बागेश्वर धाम के पीठाधीश आचार्य धीरेंद्र शास्त्री की तारीफ की और उनकी मां से भी मिले। पीएम मोदी ने धीरेंद्र शास्त्री की बारात में आने का वादा भी किया।

पीएम मोदी ने बुंदेलखंडी भाषा में अपने भाषण की शुरुआत की। मोदी ने कहा कि

➪ **समाज को बांटना और एकता को तोड़ना ही उनका मकसद है**

➪ **हिंदू आस्था से नफरत करने वाले ये लोग छद्म भेष में रहते हैं**

बहुत ही कम दिनों में मुझे दूसरी बार वीरों की इस धरती बुंदेलखंड आने का सौभाग्य मिला है। इस बार तो बालाजी का बुलावा आया है। ये हनुमान जी की कृपा है कि आस्था का ये केंद्र अब आरोग्य का केंद्र भी बनने जा रहा है। अभी मैंने यहां श्री बागेश्वर धाम मेडिकल साइंस एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट का भूमिपूजन किया है। ये संस्थान दस एकड़ में बनेगा। पहले चरण में ही 100 बेड की सुविधा होगी। मैं इस काम के लिए धीरेंद्र शास्त्री को बधाई देता हूं। प्रधानमंत्री ने कहा, नेताओं का एक वर्ग ऐसा है जो धर्म का मखौल उड़ाता है, उपहास उड़ाता है, लोगों को तोड़ने में जुटा है। और बहुत बार विदेशी ताकतें भी इन लोगों का साथ देकर देश और धर्म को कमजोर करने की कोशिश करती दिखती हैं। हिंदू आस्था से नफरत करने वाले ये लोग सदियों से किसी न किसी भेष में रहते रहे हैं। गुलामी की मानसिकता से घिरे हुए लोग हमारे मठ, मान्यताओं और मंदिरों पर, संत, संस्कृति और सिद्धांतों पर हमला करते रहते हैं। ये लोग हमारे पर्व, परंपरा और प्रथाओं को गाली देते हैं। जो संस्कृति स्वभाव से ही प्रगतिशील है उस पर ये कीचड़ उछालने की हिम्मत दिखाते हैं। ▶10पर

हीराबेन मोदी के नाम पर होगा अस्पताल का वार्ड : धीरेंद्र शास्त्री

छतरपुर, 23 फरवरी (एजेंसियां)। बागेश्वर धाम के पीठाधीश आचार्य धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने कैंसर अस्पताल के शिलान्यास कार्यक्रम में यह घोषणा की कि इस अस्पताल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मां श्रीमती हीराबेन मोदी के नाम से एक वॉर्ड होगा। इस दौरान धीरेंद्र शास्त्री ने पीएम मोदी को बालाजी की प्रतिमा भेंट की। पीएम मोदी के अलावा मध्य प्रदेश के सीएम मोहन यादव भी इस कार्यक्रम में मौजूद थे। कैंसर हॉस्पिटल के शिलान्यास के दौरान धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री ने पीएम मोदी को एक खास गिफ्ट दिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बागेश्वर धाम सरकार ने कहा- अस्पताल दो से तीन साल में पूरा करेंगे। उन्होंने कहा कि इसे मेडिकल कॉलेज बनाने ▶10पर

केंद्र ने विकास कार्यों के लिए मिले अमेरिकी धन का ब्यौरा दिया

7 परियोजनाओं के लिए मिले थे 75 करोड़

नई दिल्ली, 23 फरवरी (एजेंसियां)। भारत सरकार के वित्त मंत्रालय ने कहा है कि वित्तीय वर्ष 2023-24 में अमेरिकी एजेंसी यूएसएड ने भारत की सात परियोजनाओं के लिए 75 करोड़ अमेरिकी डॉलर की फंडिंग की थी। लेकिन इसमें से कोई भी परियोजना चुनाव या मतदान बढ़ाने से जुड़ी नहीं है। एजेंसी ने कृषि और खाद्य सुरक्षा कार्यक्रम, जल, सफाई एवं स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और स्वास्थ्य से जुड़ी परियोजनाओं के लिए फंडिंग की। अमेरिकी अंतरराष्ट्रीय विकास एजेंसी (यूएसएआईडी) फंडिंग विवाद के बीच वित्त

इसमें एक भी प्रोजेक्ट चुनाव से जुड़ा नहीं : वित्त मंत्रालय

मंत्रालय ने बड़ा खुलासा किया है। वित्त मंत्रालय ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट में कहा है कि वित्तीय वर्ष 2023-24 में अमेरिकी एजेंसी ने 75 करोड़ अमेरिकी डॉलर की सात परियोजनाओं की फंडिंग की। लेकिन इसमें से कोई भी परियोजना चुनाव या मतदान बढ़ाने से जुड़ी नहीं है।

वित्त मंत्रालय ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट में कहा कि मौजूदा समय में भारत सरकार के साथ साझेद-ारी के तहत अमेरिकी अंतरराष्ट्रीय विकास एजेंसी (यूएसएआईडी) ने सात परियोजनाओं के लिए 75 करोड़ अमेरिकी डॉलर की फंडिंग की है। जबकि वित्तीय वर्ष 2023-24 की सात परियोजनाओं के तहत एजेंसी द्वारा कुल 97 मिलियन अमरीकी डालर (लगभग 825 करोड़ रुपए) का दायित्व बनाया गया है।

वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग ने रिपोर्ट में परियोजनाओं की जानकारी भी दी है। इसके तहत अमेरिकी एजेंसी ने कृषि और खाद्य सुरक्षा कार्यक्रम, जल, सफाई एवं स्वास्थ्य, नवीकरणीय ऊर्जा, आपदा प्रबंधन ▶10पर

इटली की पीएम जॉर्जिया मेलोनी ने वामपंथियों को जमकर लताड़ा

ट्रंप-मोदी मिलें तो लोकतंत्र पर खतरा, शातिर लिबरल पर चुप्पी

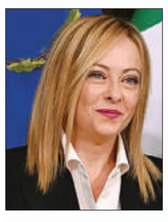

वाशिंगटन, 23 फरवरी (एजेंसियां)। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने शनिवार को वामपंथियों की उनके दोहरे मानदंडों के लिए कड़ी आलोचना की। मेलोनी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जैसे नेताओं का भी जिक्र किया। वाशिंगटन में कंजर्वेटिव पॉलिटिकल एक्शन कॉन्फ्रेंस (सीपीएसी) में इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने ट्रंप और अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की जमकर तारीफ की। जॉर्जिया मेलोनी ने कहा कि कि वामपंथी लगातार निराश होते जा रहे हैं और ट्रंप की जीत के बाद उनकी हताशा उन्माद में बदल गई है। उन्होंने कहा, वामपंथी घबराए हुए हैं और ट्रंप की जीत के साथ, उनकी चिड़चिड़ाहट उन्माद में बदल गई है। न केवल इसलिए क्योंकि रूढ़िवादी जीत रहे हैं, बल्कि इसलिए क्योंकि रूढ़िवादी अब वैश्विक स्तर पर सहयोग कर रहे हैं। मेलोनी ने कहा, जब बिल क्लिंटन और टोनी ब्लेयर ने 90 के दशक में वैश्विक वामपंथी लिबरल नेटवर्क बनाया, तो उन्हें राजनेता कहा गया। आज जब ट्रंप, मेलोनी और मोदी बोलते हैं, तो उन्हें लोकतंत्र के लिए खतरा कहा ▶10पर

ब्यावर कांड के बाद विधानसभा अध्यक्ष ने किया खुलासा

अजमेर से सालभर में गायब हो गई 251 हिंदू लड़कियां

अजमेर, 23 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के अजमेर में 1990 के दशक में एक सेक्स स्कैंडल सामने आया था। इसने पूरे देश को हिला कर रख दिया था। अजमेर दरगाह से जुड़े नेताओं ने हिंदू बच्चियों को फंसा कर उनका यौन शोषण किया था। ऐसा ही एक और कांड वापस अजमेर के पास के इलाके ब्यावर से 2025 में सामने आया जिसमें अनपढ़ मुस्लिम लड़कों ने गैंग बनाकर एक प्राइवेट स्कूल में पढ़ने वाली हिंदू बच्चियों को फंसाया। इस बीच अजमेर से 250 से अधिक बच्चियों के गायब होने की बात राजस्थान विधानसभा के स्पीकर ने कही है।

राजस्थान विधानसभा के स्पीकर ने वासुदेव देवनानी ने ब्यावर के मुस्लिम गैंग के कांड को चिंताजनक बताया है। उन्होंने इसी के साथ कहा है कि अजमेर में 200-250 बच्चे गायब हुए हैं। उन्होंने कहा है कि इनमें अधिकांश लड़कियां हैं। उन्होंने इस पर चिंता जताई है। इससे जुड़ा आँकड़ा हाल ही में राजस्थान विधानसभा में सामने आया है। राज्य सरकार ने एक जवाब में बताया है कि बीते एक वर्ष में 7339 बच्चे गायब हुए हैं। राज्य सरकार के अनुसार, गायब होने वालों में अधिकांश लड़कियां हैं।

अजमेर जिले की मानव तस्करी यूनिट के प्रभारी अशोक विश्नोई ने बताया है कि बीते एक साल में 310 बच्चों के गायब होने की रिपोर्ट दर्ज करवाई गई है। इनमें से 251 लड़कियां थीं। ▶10पर

कांग्रेस नेता शशि थरूर के बयान से आलाकमान सतर्क

कांग्रेस को भाजपा से सीख लेनी चाहिए

नई दिल्ली, 23 फरवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं सांसद शशि थरूर ने अपनी पार्टी को लेकर बड़ी बात कही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को भाजपा से संगठनात्मक सीख लेनी चाहिए। कांग्रेस को सिर्फ अपने पुराने वोटरों के भरोसे नहीं रहना चाहिए, बल्कि नए लोगों को जोड़ना होगा। केरल में लेफ्ट सरकार की तारीफ करने पर पार्टी में उनकी आलोचना हुई थी, लेकिन थरूर ने साफ किया कि वो देश और राज्य के भले के लिए अपनी राय खुलकर रखते हैं। उनका कहना है कि तिरुवनंतपुरम से चार बार सांसद चुने जाने से पता चलता है कि लोग उनकी बात को पसंद करते हैं, भले ही वो कांग्रेस के खिलाफ वोट देने वाले हों। ▶10पर

विदेशी फंडिंग पाने वाले 152 एनजीओ की जांच शुरू

विदेश से धन लेकर धर्मांतरण में शामिल हैं एनजीओ

रायपुर, 23 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने शिक्षा-स्वास्थ्य के नाम पर धर्मांतरण के खेल में शामिल गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) की जांच के आदेश दिए हैं। जांच एजेंसियों के निशाने पर ऐसे एनज-ीओ हैं, जिनकी विदेशों से फंडिंग होती है। छत्तीसगढ़ में कुल 153 संस्थाएं हैं, जो विदेशों से फंडिंग लेने के लिए विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम (फेरा) के तहत पंजीकृत हैं। इनकी वित्तीय पड़ताल शुरू हो गई है। प्रदेश में फेरा के अंतर्गत पंजीकृत कुल 153 एनजीओ में इनमें से 52 ने खुद को ईसाई समुदाय से जुड़ा हुआ बताया है। दरअसल, स्वास्थ्य, शिक्षा और अन्य ▶10पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 88,940/-
(प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 99,099/-
(प्रति किलोग्राम)

मौसम विजयवाड़ा

अधिकतम : 36^{0}

न्यूनतम : 23^{0}

कांग्रेस राज में आर्थिक संकट की ओर बढ़ता तेलंगाना

कर्ज लेने का रिकॉर्ड तोड़ रही है तेलंगाना की सरकार

हैदराबाद, 23 फरवरी (एजेंसियां)। तेलंगाना बहुत तेजी से आर्थिक संकट की ओर बढ़ रहा है। जिस तेलंगाना के पास हमेशा राजस्व अधिक रहा करता था, वह हजारों करोड़ के राजस्व घाटे में चला गया है। तेलंगाना में कांग्रेस सरकार आने के बाद आर्थिक कुप्रबंधन लगातार बढ़ रहा है। राज्य पर कर्ज का बोझ भी बढ़ रहा है। तेलंगाना की रेवंत रेड्डी की सरकार अब रोजमर्रा के काम के लिए भी कर्ज लेने लगी है। कांग्रेस सरकार के आते ही तेलंगाना भी हिमाचल प्रदेश के रास्ते चल पड़ा है। यह हाल तब है जब कांग्रेस ने अपने कई चुनावी वादे पूरे नहीं किए हैं।

भारतीय रिजर्व बैंक की एक रिपोर्ट के अनुसार, तेलंगाना पर 2023 में 3 लाख 52 हजार करोड़ कर्ज था। मार्च, 2024 तक यह कर्ज बढ़ कर 3

38 हजार करोड़ की अतिरिक्त गारंटियों का भी बोझ

लाख 89 हजार करोड़ हो चुका था। तेलंगाना में कुछ ही महीने में हजारों करोड़ की वृद्धि हुई है। तेलंगाना की कांग्रेस सरकार नए कर्ज लेने में भी अपने रिकॉर्ड तोड़ रही है। तेलंगाना पर सिर्फ यही कर्ज का बोझ नहीं है, बल्कि उस पर 38 हजार करोड़ की अतिरिक्त गारंटियों का भी बोझ है। इनकी भी अदायगी सरकार को करनी है।

तेलंगाना कांग्रेस राज में किस कदर कर्ज के कुचक्र में फंस गया है, इसका एक बड़ा उदाहरण वित्त वर्ष 2024-25 का ही रिकॉर्ड है। रिपोर्ट्स बताती हैं कि राज्य सरकार जनवरी, 2025 तक 58 हजार करोड़ से अधिक नया कर्ज ले चुकी है। जबकि असल में इसे अप्रैल 2024-मार्च 2025 के बीच कुल 49 हजार करोड़ का कर्ज लेना था। यानि साल पूरा होने के तीन महीने के पहले ही उसने लगभग 10 हजार करोड़ का अतिरिक्त कर्ज ले लिया। अनुमान है कि वित्त वर्ष 2025 पूरा होते-होते राज्य का कर्ज 4 लाख करोड़ को पार कर जाएगा। तेलंगाना की बिगड़ती आर्थिक हालत का एक और बड़ा परिचायक उसका राजस्व घाटा है। ▶10पर

मुफ्त की रेवड़ियों से निकला तेलंगाना सरकार का दम

हैदराबा, 23 फरवरी (एजेंसियां)। तेलंगाना में बजट सत्र से पहले पैसे की तंगी हो रही है। पहले 297 करोड़ का फायदा होने वाला था, लेकिन जनवरी तक 26,050 करोड़ का घाटा हो गया। सरकार की जेब खाली हो रही है। तीन बड़ी योजनाओं के शुरू होने से ये और भी बढ़ेगा। पहली योजना रायतू भरोसा है। इसमें किसानों को हर साल प्रति एकड़ 12,000 मिलेंगे। दूसरी योजना इंदिराम्मा आत्मीय भरोसा है। इसमें भूमिहीन मजदूरों को 12,000 सालाना मिलेंगे। तीसरी योजना इंदिराम्मा इंदुलू है। ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

साइबर सुरक्षा पर जानकारीपूर्ण सत्र का आयोजन

विभिन्न मुद्दों पर हुई चर्चा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। डिजिटल गिरफ्तारी, साइबर धोखाधड़ी और वित्तीय धोखाधड़ी के बढ़ते खतरे के बारे में जागरूकता बढ़ाने के प्रयास में, जीतो बेंगलूरु साउथ ने हाल ही में डिजिटल गिरफ्तारी, साइबर धोखाधड़ी और वित्तीय धोखाधड़ी का मुकाबला करने के लिए एक जानकारीपूर्ण सत्र का आयोजन किया।

इस कार्यक्रम में 100 सदस्यों ने भाग लिया, जिसमें विजय हडगली, केएसपीएस, एसीपी साइबर अर्थव्यवस्था बेंगलूरु साउथ और कमल राजनीकांत वोरा, यूएस सीपीए, सुरक्षा नियंत्रण सलाहकार, जीएसके ने विशेष जानकारी दी। सत्र की शुरुआत नवरकर मंत्र के पाठ से हुई। इसके बाद जीतो सदस्यों और वक्ताओं द्वारा दीप प्रज्वलन किया गया। जीतो बेंगलूरु साउथ के चेयरमैन रंजीत सोलंकी ने इस जानकारीपूर्ण और समयबद्ध कार्यक्रम में सभी सदस्यों और प्रतिनिधियों का स्वागत किया। उन्होंने ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का उपयोग करते समय सावधानी बरतने और साइबर धोखाधड़ी के खतरे के बारे में वरिष्ठ परिवार के सदस्यों को शिक्षित करने के महत्व पर जोर दिया। जेपीएफ के उपाध्यक्ष हितेश गिरिया ने जेपीएफ में शामिल होने, इसके विजन, मिशन और जेपीएफ सदस्य बनने के लाभों पर अपने विचार साझा किए। वक्ता विजय हडगली, केएसपीएस, एसीपी साइबर अर्थव्यवस्था बेंगलूरु साउथ ने ऑनलाइन होने पर व्यक्तियों को सावधान रहने की आवश्यकता पर जोर दिया, यह कहते हुए कि साइबर सुरक्षा एक सामूहिक जिम्मेदारी है, और यह आवश्यक है कि व्यक्ति साइबर खतरों से बचाव के लिए आवश्यक सावधानियां बरतें। उन्होंने ऑनलाइन सावधानी बरतने के महत्व पर प्रकाश डाला और साइबर खतरों से बचाव के लिए मूल्यवान सुझाव दिए। सत्र में ओटीपी धोखाधड़ी, कभी भी एसएमएस या व्हाट्सऐप पर प्राप्त एक-टाइम पासवर्ड (ओटीपी) साझा न करें।

संदिग्ध डाउनलोड से बचें, अनधिकृत स्रोतों से एपीके फाइलों को डाउनलोड करने से बचें। फिशिंग ईमेल से सावधान रहें। कभी भी व्यक्तिगत या वित्तीय जानकारी मांगने वाले संदिग्ध ईमेल का जवाब न दें या उन्हें खोलें। कूरियर धोखाधड़ी और मेलू खाते से बचें। व्यक्ति राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा वेबसाइट पर किसी भी वित्तीय धोखाधड़ी की तुरंत रिपोर्ट कर सकते हैं और 30 मिनट के भीतर कार्रवाई की जाएगी, जिसके परिणामस्वरूप धोखेबाज के बैंक खाते को फ्रीज कर दिया जाएगा, समेत अन्य बिन्दुओं पर जानकारी दी गई। जीएसके में सुरक्षा नियंत्रण सलाहकार कमल राजनीकांत वोरा, यूएस सीपीए ने जोर दिया कि ऑनलाइन सुरक्षित रहने के लिए जागरूकता, शिक्षा और सर्वोत्तम प्रथाओं का संयोजन आवश्यक है। अपनी ऑनलाइन गतिविधियों के प्रति सावधानी बरतकर और आवश्यक सावधानियां बरतकर, हम साइबर धोखाधड़ी और धोखाधड़ी के शिकार होने के जोखिम को काफी कम कर सकते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि कैसे कई बड़ी कंपनियां वित्तीय धोखाधड़ी, फिशिंग ईमेल और अन्य साइबर खतरों का शिकार हुई हैं। सत्र का समापन एक प्रश्नोत्तर सत्र के साथ हुआ, जिसमें कई प्रतिभागियों के संदेह पूरी संतुष्टि के साथ दूर किए गए। सत्र को उपस्थित लोगों ने अच्छी तरह से प्राप्त किया, जिन्होंने सत्र के दौरान साझा किए गए विशेषज्ञ अंतर्दृष्टि और व्यावहारिक सुझावों की सराहना की। कार्यक्रम में जीतो बेंगलूरु साउथ के उपाध्यक्ष महेंद्र जियानी और महेन्द्र रांका, सह कोषाध्यक्ष महावीर दांतेवाडिया, प्रबंधन समिति के सदस्य चेतन बोहरा, जेपीएफ संयोजक रौनक गुलेचा और जेपीएफ प्रबंधन समिति के सदस्य भी उपस्थित थे। इस कार्यक्रम की मेजबानी विकास मेहता ने की। जीतो एक प्रमुख संगठन है जिसका उद्देश्य उद्यमिता, नवाचार और समुदाय विकास को बढ़ावा देना है। शिक्षा और जागरूकता पर मजबूत ध्यान केंद्रित करते हुए, जीतो नियमित रूप से साइबर सुरक्षा सहित विभिन्न विषयों पर जानकारीपूर्ण सत्र और कार्यक्रम आयोजित करता है।

साध्वीवृंद के दर्शन वंदन का लिया लाभ

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। आचार्य श्री महाश्रमण जी की सुशिष्या साध्वी पुण्ययशा जी का विहार राजाराजेश्वरी नगर बेंगलूरु की ओर गतिमान है। श्रावक समाज पूर्ण जागरूकता के साथ विहार व्यवस्था में संलग्न है। साध्वीवृन्द हुब्बल्ली तक पहुंच गए हैं।

शुक्रवार को सभाध्यक्ष राकेश छाजेड़ ने सभा के पूर्वाध्यक्ष कमलसिंह दुगड़, वर्तमान उपाध्यक्ष सरोज आर बैद, तेयुप के अध्यक्ष बिकाश छाजेड़, महिला मंडल की उपाध्यक्ष मंजु बोथरा के साथ विहार की सुखसाता पूछने एवं आगे के यात्रा-योजना की जानकारी का आदान-प्रदान करने हेतु हुब्बल्ली का दौरा किया एवं रास्ते की सेवा एवं व्यवस्था की सार-संभाल की। हुब्बल्ली के सभाध्यक्ष पारसमल भंसाली से आगे के रास्ते संबंधित जानकारी प्राप्त की एवं श्रावक समाज द्वारा प्रदत्त सेवा हेतु आभार व्यक्त किया। धर्मेन्द्र बोथरा की विहार-सेवा की भावना की अनुमोदना की एवं आभार व्यक्त किया। गदग में विराजित मुनि पुलकित कुमार जी के दर्शन किए एवं विहार की सुखसाता की पृच्छा की। आगामी 30 अप्रैल को अक्षय तृतीया का पारणा महोत्सव राजाराजेश्वरी नगर में आयोजित करने की अनुमति देने हेतु कृतज्ञता ज्ञापित की।

दांपत्य जीवन की छोटी-छोटी खुशियों पर आधारित कपल प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जीतो महिला विंग बेंगलूरु नॉर्थ द्वारा खुशियों का सफर दांपत्य जीवन की छोटी-छोटी खुशियां - कपल प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन सिटरन होटल में किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत नमस्कार महामंत्र से हुई, जिसके पश्चात दीप प्रज्वलन किया गया। इस अवसर पर अध्यक्षा लक्ष्मी बाफना ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता, नेशनल ट्रेनर एस. कमल कटारिया का परिचय सह-संयोजिका मोना कटारिया ने दिया। कमल ने विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से यह समझाया कि दांपत्य जीवन को खुशहाल और आनंदमय कैसे बनाया जाए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि विवाह में प्यार के साथ-साथ विश्वास और आपसी भरोसा भी अत्यंत महत्वपूर्ण होता है।

कार्यक्रम के दौरान कोटक महिंद्रा बैंक द्वारा आगामी योजन-ाओं की जानकारी दी गई, जिससे भविष्य को आर्थिक रूप से सुदृढ़ बनाया जा सके। जीतो नॉर्थ के अध्यक्ष विमल कटारिया ने बताया कि दांपत्य जीवन में सामंजस्य बनाए रखना आवश्यक है, क्योंकि सुखी दांपत्य जीवन से ही व्यक्ति हर क्षेत्र में उन्नति कर सकता है। जेएलडब्ल्यू के महिला कन्वेनर नेमिचंद ने भी इस विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किए।

इस कार्यक्रम की संयोजिका सुमन वेदमुथा और सुनील वेदमुथा ने कहा कि दांपत्य जीवन गाड़ी के दो पहियों की तरह होता है, जो विश्वास, त्याग, समर्पण और पारस्परिक प्रेम से सुचारु रूप से चलता है।

कार्यक्रम में पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया, जिसका संचालन बिंदु नाहर ने किया। इस प्रतियोगिता में जज की भूमिका भाविका कोठारी और मधु कटारिया ने निभाई। प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित किया गया, जिसमें प्रथम स्थान मीना बरलोटा, द्वितीय स्थान शिल्पा दक और तृतीय स्थान सविता सियाल ने प्राप्त किया। इसके अलावा, मेगी मेहता, नीतू जैन, शिखा तातेड़ और हेमा चिंडालिया को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किए गए। इस कार्यक्रम में एपेक्स कन्वीनर बिंदु रायसोनी , सुनीता गांधी व मोनिका पिरगल की विशेष उपस्थिति रही। साथ ही, सुमन रांका, मीना बडेरा, तनुजा मेहता, मीना मेहता, अलका और संगीता, साधना, नंदा, यूथ विंग संयोजक प्रमित बाफना, कार्यसमिति सदस्य सुनील लोढ़ा सहित अन्य कमेटी सदस्य भी उपस्थित थे। महामंत्री रक्षा छाजेड़ ने कार्यक्रम का संचालन व अंत में आभार ज्ञापित किया।

परमेश्वर के इस्तीफे की बात से विभिन्न राजनीतिक व्याख्याएं शुरू

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य के गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर का यह बयान कि यदि उनके निर्वाचन क्षेत्र के मतदाता अपना मन बना लें और एक शब्द में कहें कि, मैं कल ही मंत्री पद से इस्तीफा दे दूंगा और आपके साथ रहूंगा, राजनीतिक आलोचना के घेरे में आ गया है। कोराटागेरे के राजीव भवन में ब्लॉक कांग्रेस द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में बोलते हुए परमेश्वर ने कहा काश, मुझे आपके साथ और अधिक समय मिलता।

लेकिन उन्होंने कहा कि उनके पास समय नहीं है। कार्यक्षेत्र में लोगों को कुछ निराशा हो सकती है। आपको ऐसा लग सकता है कि आप इसे प्राप्त नहीं कर सकते, आप पंचायत में नहीं आ सकते, आप मुझसे बात नहीं कर सकते। मेरी भी ऐसी ही कई भावनाएं हैं। मुझे लगता है कि मुझे मैदान में कार्यक्रमों में भाग लेना चाहिए था, किसी नाटक में गाना चाहिए था और किसी मेले में जाना चाहिए था। लेकिन उन्होंने कहा कि उनके पास समय नहीं है। उन्होंने कहा कि यदि आप सब मन बना लें और कहें तो मैं कल ही इस्तीफा दे दूंगा और पुनः आपके बीच आ जाऊंगा। कार्यकर्ताओं ने तुरंत जवाब दिया, नहीं, नहीं, आप अभी मुख्यमंत्री बनेंगे। कुछ लोगों ने खड़े होकर मांग की है कि वह इस्तीफा न दें। इस पर परमेश्वर क्रोधित हो गए और बोले मैं सबकी राजधानी जानता हूं। उन्होंने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा मैं नहीं जानता कि आप कौन हैं और आपने अपनी मूंछें कितनी मोड़ रखी हैं। इससे ऐसा माहौल निर्मित हुआ जो परमेश्वर के प्रति समर्थन व्यक्त करने वालों के लिए भी अत्यधिक उत्साहपूर्ण था। व्यापक आरोप लगाए गए हैं कि मंत्री परमेश्वर, जो कोराटागेरे निर्वाचन क्षेत्र से चुने गए हैं, निर्वाचन क्षेत्र के लोगों की समस्याओं का समाधान नहीं कर रहे हैं। तालुका में भ्रष्टाचार सीमा पार कर चुका है। प्रशासनिक व्यवस्था भी अव्यवस्थित है। प्राधिकारियों का दबाव बहुत अधिक है। इस बात की आल-ोचना हो रही है कि कुछ समर्थक मैदान में दिखावा कर रहे हैं। इससे क्षेत्र के लोगों में आक्रोश फैल गया है।

इससे पहले परमेश्वर इसी तरह के व्यवहार के कारण 2013 का चुनाव हार गये थे। परमेश्वर, जो उस समय केपीसीसी अध्यक्ष थे और मुख्यमंत्री पद की दौड़ में थे, को अपनी हार के कारण गंभीर राजनीतिक झटका लगा और वे अपना अवसर खो बैठे। फिर, 2018 के चुनावों में, उन्होंने निर्वाचन क्षेत्र में ऐसे घूमकर जीत हासिल की जैसे किसी के पैर में पहिया बंधा हो, हर किसी से आत्मविश्वास के साथ बात की और यह उम्मीद जगाई कि वह राज्य के षड्यंत्रों की परवाह किए बिना मुख्यमंत्री बनेंगे। इसी प्रकार का अभियान 2023 में आयोजित किया गया। इस बात की व्यापक आलोचना हो रही है कि परमेश्वर अपने निर्वाचन क्षेत्र के उन लोगों पर उचित ध्यान नहीं देते हैं जो उनके कार्यालय और घर आते हैं। उन लोगों पर ध्यान देते हैं जो विधायक और मंत्री के रूप में सत्ता का आनंद लेते हैं। परमेश्वर गृह मंत्री के रूप में असफल रहे हैं। राज्य में आपराधिक घटनाओं की एक श्रृंखला लोगों की शांति को भंग कर रही है। गुंडों का संकट गंभीर है। पुलिस विभाग को उचित दिशा-निर्देश देने और स्थिति को नियंत्रित करने के बजाय, गृह मंत्री यह शेखी बघारते हुए जवाब दे रहे हैं कि स्थानीय पुलिस निर्णय लेगी और किसी भी घटना के मामले में सब कुछ संभाल लेगी। इस बात की व्यापक आलोचना हो रही है कि गृह मंत्री की उदासीनता कानून-व्यवस्था की गिरावट का कारण है। ऐसी स्थिति में परमेश्वर के इस्तीफे की बात से विभिन्न राजनीतिक व्याख्याएं होने लगी हैं। उपमुख्यमंत्री पद पर नजर रखने वाले परमेश्वर दलित विधायकों और मंत्रियों की अलग बैठक के जरिए राजनीतिक प्रभुत्व हासिल करने की कोशिश कर रहे थे। हाईकमान ने इस पर रोक लगा दी है। दिल्ली दौरे के बावजूद हाईकमान ने परमेश्वर को कोई रियायत नहीं दी। चर्चाएं हैं कि इसी वजह से उन्होंने इस्तीफे के नाम पर आलाकमान को संदेश भेजा है।

धर्मस्थल की पदयात्रा पर निकले दो श्रद्धालुओं की दुर्घटना में मौत

शिवमोग्गा/शुभ लाभ ब्यूरो। धर्मस्थल की पदयात्रा पर निकले दो पैदल यात्रियों को रविवार की सुबह हासन के निकट राष्ट्रीय राजमार्ग 75 पर एक निजी बस ने कुचल दिया। मांड्या जिले के के.आर. पेट तालुक के 60 वर्षीय सुरेश और 50 वर्षीय कुमार उन सैकड़ों श्रद्धालुओं में शामिल थे जो 26 फरवरी को शिवरात्रि में भाग लेने के लिए दक्षिण कन्नड़ के धर्मस्थल की पदयात्रा पर निकले थे। घटना के बाद उनकी मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया। दुर्घटना की सूचना मिलने पर शांतिग्राम पुलिस मौके पर पहुंची। उन्होंने घायलों को हासन के एक अस्पताल में भर्ती कराया। राज्य के विभिन्न हिस्सों से श्रद्धालु हर साल शिवरात्रि से पहले धर्मस्थल की पदयात्रा निकालते हैं।

फर्जी ईडी अधिकारियों द्वारा लूट मामले में एक अन्य गिरफ्तार

बंटवाल/शुभ लाभ ब्यूरो। एक चौंकाने वाले मामले में, फर्जी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) अधिकारियों ने विट्टल के बोलंथूर में एक व्यवसायी के घर पर छापा मारा और लाखों रुपये लेकर फरार हो गए। पुलिस ने अब एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है, जिससे कुल आठ आरोपी हो गए हैं।

नवीनतम संदिग्ध, केरल के कन्नूर का अब्दुल नसीर (52) ने स्थानीय आरोपी सिराजुद्दीन और मास्टरमाइंड एएसआई के बीच कड़ी के रूप में काम करके कथित तौर पर छापेमारी में मदद की। सिंगारी बीड़ी फैक्ट्री में अपने नियोक्ता से निराश सिराजुद्दीन ने नौकरी छोड़ दी थी और बदला लेने के लिए झूठी ईडी शिकायत दर्ज करने की धमकी दी थी। नसीर पर पूरी फर्जी छापेमारी का आयोजन करने का आरोप है, पुलिस ने अपराध को अंजाम देने में उसकी अहम भूमिका का खुलासा किया है।

इससे पहले, पुलिस ने पूर्व एएसआई शफीर बाबू (48), इकबाल (38), सिराजुद्दीन नरश (37), अंसार (27), अनिल फर्नांडीस (49), सचिन टी.एस. (29) और शबीन एस. (27) सहित कई लोगों को गिरफ्तार किया था।

भाजपा विधायक शिवराम हेब्बार ने गारंटी योजनाओं का किया बचाव

पार्टी के अंदरूनी गुटों की आलोचना की

कारवार/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक राज्य के भाजपा विधायक और पूर्व मंत्री शिवराम हेब्बार ने कांग्रेस सरकार की विवादास्पद गारंटी योजनाओं का बचाव करते हुए कहा कि ये योजनाएं समतामूलक समाज बनाने के लिए आवश्यक हैं। इन योजन-ाओं के कारण राज्य दिवालिया हो रहा है, इस बारे में अपनी ही पार्टी के भीतर से कड़ी आलोचना के बावजूद हेब्बार ने इन योजनाओं की अनिवार्यता पर जोर दिया। सिरसी कस्बे में पत्रकारों से बात करते हुए विधायक हेब्बार ने कहा गारंटी योजनाओं ने शुरू में विकास कार्यों को प्रभावित किया था, लेकिन अब सब कुछ सही दिशा में आगे बढ़ रहा है। समतामूलक समाज का निर्माण होना चाहिए और इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए ऐसी योजनाओं को लागू करना अपरिहार्य है। उन्होंने स्थानीय भाजपा नेताओं की आलोचनाओं का भी जवाब दिया और सवाल किया अगर भाजपा नेता गारंटी की आलोचना कर रहे हैं, तो पार्टी ने महाराष्ट्र और दिल्ली में क्या किया? गारंटी योजनाओं पर अपनी टिप्पणियों के अलावा, हेब्बार ने भाजपा की कर्नाटक इकाई के भीतर चल रही गुटबाजी को भी संबोधित किया। उन्होंने कहा मैं यह समझने में असमर्थ हूं कि पार्टी कितने गुटों में विभाजित है। मैं अभी भी गिन रहा हूं। मौजूदा व्यवस्था के कारण, मैं खुद को पार्टी के मामलों से दूर रख रहा हूं।

हेब्बार ने आगे कहा कि आने वाले दिनों में यह स्पष्ट हो जाएगा कि किसका रुख सही था। उन्होंने दावा किया जब मैंने और यशवंतपुर से भाजपा विधायक एस. टी. सोमशेखर ने पार्टी से खुद को अलग करने का फैसला किया, तो प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र और वरिष्ठ विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल ने कहा कि यह गलत है। जिन्होंने कहा कि हमने गलत रास्ता चुना, वे अब गलतियां कर रहे हैं। उन्होंने प्रदेश अध्यक्ष पद को लेकर उठे विवाद पर कोई भी बयान देने से परहेज किया और कहा मैं चुप हूं और विवाद खड़ा नहीं करना चाहता। जब मुझे उचित लगेगा, मैं विवादास्पद मामलों पर बात करूंगा। उत्तर कन्नड़ जिले के येल्लापुर निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले शिवराम हेब्बार 2019 में कांग्रेस छोड़ने के बाद भाजपा में शामिल हुए और भाजपा की पिछली सरकार के दौरान श्रम मंत्री के रूप में कार्य किया। वर्तमान में, हेब्बार और विधायक सोमशेखर कांग्रेस से जुड़े हुए हैं, सोमशेखर ने उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार को अपना गॉडफादर भी बताया है।

राज्य में कानून व्यवस्था पूरी तरह से बिगड़ी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मन की बात बहुत सार्थक और अनूठी: विजयेन्द्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई. विजयेन्द्र ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मन की बात बहुत सार्थक और अनूठी है। उन्होंने पार्टी के बेंगलूरु दक्षिण जिला अध्यक्ष और विधायक सीके राममूर्ति से उनके जयनगर स्थित आवास पर मुलाकात की। वहां विजयेन्द्र ने प्रधानमंत्री का मन की बात कार्यक्रम देखा। बाद में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों पर प्रकाश डालने के लिए प्रधानमंत्री के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा ऐसा कोई हरा पत्ता नहीं है जिसे बकरी न छू सके। उन्होंने कृत्रिम बुद्धिमत्ता और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के बारे में बात की। 8 मार्च को महिला दिवस के उत्सव की पृष्ठभूमि में, सफल महिलाओं पर प्रकाश डाला गया है। उन्होंने वन्यजीव संरक्षण के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि उन्होंने खेल के क्षेत्र में युवाओं की उपलब्धियों के बारे में एक प्रेरक भाषण दिया। अब परीक्षा का समय है। सभी परीक्षार्थियों को सलाह दी है कि वे बिना तनाव के परीक्षा दें। उन्होंने कहा कि यह एक अनूठा कार्यक्रम है। उन्होंने कर्नाटक के बारे में दो बातें बताईं। उन्होंने पेशेवर एथलीटों के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि उन्होंने सो-लीगारा समुदाय को बाघ संरक्षण के बारे में याद दिलाया। इस कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष, पूर्व बीबीएमपी सदस्य, जिला पदाधिकारी और पार्टी नेताओं ने भाग लिया। उन्होंने बेलगावी सीमा पर कंडक्टर पर हमले और बस सेवाओं के निलंबन के बारे में पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए कहा कि इस भूमि के पानी, भोजन और हवा का उपभोग करते हुए कन्नड़ के खिलाफ बोलना और राज्य के खिलाफ साजिश करना अस्वीकार्य है। अपनी धरती पर रहते हुए कन्नड़ लोगों की महिमा को धूमिल करना अक्षम्य है। मैंने कई कन्नड़ समर्थक कार्यकर्ताओं के बयानों पर गौर किया है। कन्नड़ लोगों को इसके खिलाफ आवाज उठानी चाहिए। उन्होंने मांग की कि सरकार उन लोगों पर कार्रवाई करे जो साजिश रच रहे हैं। कांग्रेस विधायक के समर्थक की हत्या के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि इस राज्य में कानून व्यवस्था पूरी तरह से बिगड़ चुकी है। उन्होंने कहा कि इस हत्या के लिए राज्य सरकार जिम्मेदार है।

उदयगिरि घटना के मद्देनजर सोमवार को मैसूरु चलो का आयोजन किया जाएगा। मैं मैसूर जा रहा हूँ। कानून व्यवस्था के मामले में राज्य सरकार पूरी तरह विफल रही है। उन्होंने उदयगिरी की घटना पर आपत्ति जताते हुए कहा कि कांग्रेस सरकार उन लोगों को बचा रही है जिन्होंने पुलिस थाने में घुसकर उत्पात मचाया था। डकैती और हत्याएं हो रही हैं। बेंगलूरु सुरक्षित नहीं है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार को इस सबकी जिम्मेदारी लेनी चाहिए। मैंने गृह मंत्री का बयान नोट कर लिया है। यह मूर्खता की पराकाष्ठा है। प्रदेश की जनता ने आपको कानून-व्यवस्था बनाए रखने और विकास करने का आशीर्वाद दिया है। उन्होंने कहा कि अगर वह ऐसा किए बिना कोई बयान देंगे तो इससे देशद्रोहियों और हत्यारों को ताकत मिलेगी।

मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने आरटीसी कंडक्टर के खिलाफ पॉक्सो मामले को बताया फर्जी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य के परिवहन मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने राज्य सड़क परिवहन निगम (आरटीसी) के एक कंडक्टर का जोरदार बचाव किया है, जिस पर पॉक्सो अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है।

उन्होंने मामले को फर्जी बताया और उन लोगों को निर्वासित करने की मांग की, जिन्होंने उस पर हमला किया था। यह विवाद तब शुरू हुआ, जब एक नाबालिग लड़की सहित यात्रियों के एक समूह ने कथित तौर पर कंडक्टर पर हमला किया, क्योंकि उसने उनसे कन्नड़ में बात करने के लिए कहा था। हालांकि कंडक्टर ने बाद में हमले के संबंध में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, लेकिन नाबालिग लड़की ने उस पर दुर्व्यवहार का आरोप लगाया, जिसके कारण यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया। इस घटना ने कर्नाटक और महाराष्ट्र के सीमावर्ती जिलों में तनाव बढ़ा दिया है। यहां पत्रकारों से वार्ता में रेड्डी ने कहा कि कंडक्टर के खिलाफ लगाए गए आरोप मनगढ़ंत हैं। उन्होंने कहा घटना के बाद, उन्होंने कंडक्टर के खिलाफ पॉक्सो शिकायत दर्ज कराई। यह पूरी तरह से फर्जी मामला है। भूमि, जल और भाषा के मुद्दों पर वैमनस्य पैदा करने की कोशिश करने वालों को राज्य से निर्वासित किया जाना चाहिए। उन्होंने सीमावर्ती क्षेत्रों में भाषा विवाद की हाल की घटनाओं की ओर भी इशारा किया। उन्होंने कहा चित्रदुर्ग में महाराष्ट्र आरटीसी बसों पर कन्नड़ झंडे लगाए गए थे। इसी तरह, जब हमारी बसें महाराष्ट्र जाती हैं, तो उन्हें काला रंग दिया जाता है। इस तरह की हरकतों को बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए और जिम्मेदार लोगों को निष्कासित किया जाना चाहिए। रेड्डी ने कहा कि उन्होंने गृह मंत्री जी परमेश्वर, बेलगावी पुलिस आयुक्त, पुलिस अधीक्षक और केएसआरटीसी के प्रबंध निदेशक के साथ इस मामले पर चर्चा की है। पॉक्सो मामला निर-ाधार है और इसे महत्व नहीं दिया जाना चाहिए। मैं यह सुनिश्चित करूंगा कि कंडक्टर के खिलाफ कोई अनुशासनात्मक कार्रवाई न की जाए। स्थानीय संगठन उसके समर्थन में सामने आए हैं, जिससे उसे नैतिक बल मिलेगा। इस घटना के बाद बेलगावी में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए हैं, कन्नड़ कार्यकर्ताओं ने बेलगावी-बागलकोट मार्ग को अवरुद्ध कर दिया है और कंडक्टर पर हमला करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने महिलाओं सहित कई प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया और उन्हें अज्ञात स्थान पर ले गई। अशांति पर प्रतिक्रिया देते हुए रेड्डी ने दोहराया कि कर्नाटक में रहने वालों को कन्नड़ सीखना चाहिए। उन्होंने कहा लोग अपनी मातृभाषा मराठी बोलने के लिए स्वतंत्र हैं, लेकिन कर्नाटक में उन्हें कन्नड़ भी बोलना चाहिए। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों से ऐसी घटनाओं की निंदा करने का आग्रह किया।

बेंगलूरु में कांग्रेस नेता की हत्या, दोस्त घायल

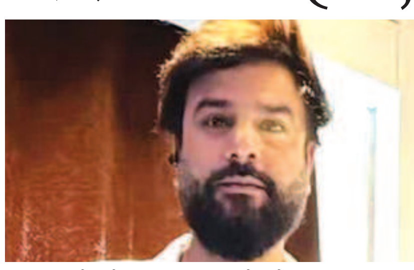

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अशोकनगर के गरुड़ मॉल के पास शनिवार देर रात एक कांग्रेस नेता की बेरहमी से हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान हैदर अली के रूप में हुई है। रिपोर्ट के अनुसार, हैदर अली देर रात एक लाइव बैंड कार्यक्रम में भाग लेने के बाद अपने एक दोस्त के साथ बाइक पर घर लौट रहा था, तभी उस पर हमलावरों ने हमला कर दिया। हमलावरों ने उस पर हमला किया और फिर मौके से भाग गए। सूचना मिलने पर अशोकनगर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और हैदर अली को खून से लथपथ पाया। उसे तुरंत बॉरिंग अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। हत्या की खबर के बाद हैदर अली के समर्थक बॉरिंग अस्पताल में एकत्र हुए और विरोध में कुल्हाड़ी और अन्य हथियार लेकर प्रदर्शन किया। उन्होंने गुस्से में अस्पताल के गेट पर धावा बोलने का भी प्रयास किया। हालांकि, अशोकनगर पुलिस ने स्थिति को नियंत्रण में कर लिया। अशोकनगर थाने में मामला दर्ज कर लिया गया है और हत्या में शामिल संदिग्धों की तलाश की जा रही है। हमले के समय हैदर अली के साथ मौजूद उसका दोस्त भी घायल हो गया और उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अनेपल्या निवासी हैदर अली कथित तौर पर कांग्रेस विधायक एन ए हारिस का करीबी था और उसने चुनाव के दौरान उनके लिए सक्रिय रूप से प्रचार किया था। सेंट्रल डिवीजन के डीसीपी एच टी शेखर ने पुष्टि की कि हत्या रात करीब 1:30 बजे हुई, जब हैदर अली अपने घर जा रहा था। अधिकारी ने स्पष्ट किया हमलावरों ने उस पर हमला करने से पहले एक कार से उसके वाहन को रोक दिया। हालांकि, हैदर अली कोई राजनीतिक नेता नहीं था। उसका बड़ा भाई एक सामाजिक कार्यकर्ता है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, हैदर अली अशोकनगर पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में एक बदमाश था। उसके खिलाफ विभिन्न थानों में 11 आपराधिक मामले दर्ज थे, जिनमें हत्या के प्रयास और हमले के आरोप शामिल हैं। पुलिस सूत्रों से पता चला है कि हैदर अली 2014 से ही आपराधिक गतिविधियों में शामिल था, लेकिन 2022 से वह अपराध से दूर था। हालांकि, उसने अपने इलाके में अपना प्रभाव बनाए रखा। हत्यारों का पता लगाने और उन्हें गिरफ्तार करने के लिए एक विशेष टीम का गठन किया गया है।

कर्नाटक में भाजपा का विद्रोह, लगातार अंदरूनी कलह, शीर्ष नेतृत्व के लिए बन रहा सिरदर्द

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। महाराष्ट्र चुनाव खत्म हो गए हैं, हरियाणा में भी सरकार आ गई है और दिल्ली में भी सरकार बन गई है। लेकिन कर्नाटक, जो वर्षों से समस्याओं से ग्रस्त है, केवल भाजपा की असहमति का ही सामना कर रहा है। भाजपा नेता, जो उस समय चीजों को सुधारने के लिए अनिच्छुक थे, जब बसनगौड़ा पाटिल आवाज उठा रहे थे, अब कर्नाटक में असंतोष की समस्या का सामना पहाड़ की तरह कर रहे हैं। या फिर वह हर चीज का ध्यानपूर्वक अवलोकन कर रहे हैं और समय तथा संदर्भ के आधार पर प्रविष्टि दिया जाएगा? लेकिन पार्टी कार्यकर्ताओं के लिए सवाल यह है कि ऐसा कब होगा? भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विजयेंद्र ने कहा कि भाजपा के मतभेद सुलझ जाने चाहिए थे और अब तक सब कुछ सुचारू रूप से चल रहा होना चाहिए था। उन्होंने कहा था कि 20 फरवरी तक सभी समस्याओं का समाधान कर दिया जाएगा। लेकिन तारीख को दो दिन बीत चुके हैं। 20 फरवरी को केंद्रीय कृषि मंत्री और भाजपा नेता शिवराज सिंह चौहान चुनाव प्रक्रिया की शुरुआत करने के लिए बेंगलूरु आने वाले थे। हालाँकि, उनका दौरा बार-बार स्थगित होता रहा है। दूसरी ओर, यतनाल गुट की अलग बैठक फिर से शुरू हो गई है। एक बार फिर सभी लोग पुनः कुमार बंगारप्पा के बेंगलूरु स्थित निवास पर एकत्र हुए। बैठक समाप्त होने के बाद भी विजयेन्द्र पर हमला जारी रहा। मैसूरु के चामुंडेश्वरी मंदिर में यतनाल ने दर्शन किए। उनकी उपस्थिति में नारे लगाए गए, ''विजेंद्र और येदियुरप्पा की जय हो। दूसरी ओर, लंबित जिला अध्यक्ष चयन प्रक्रिया में विजयेंद्र ने मोर्चा संभाल लिया है। उनके खिलाफ एक और आरोप यह है कि विजयेंद्र ने यतनाल की अनुपस्थिति में विजयपुरा अध्यक्ष पद की प्रक्रिया संचालित की। भाजपा कार्यालय ने स्पष्ट किया है कि राज्य चुनाव की कमान संभाल चुके शिवराज सिंह एक दो दिन में बेंगलूरु आ सकते हैं। हालाँकि, राज्य का कोई भी नेता तारीख के बारे में निश्चित नहीं है। क्योंकि शिवराज सिंह चुनाव से पहले प्रदेश भाजपा नेताओं की राय ली जाती हैं। फिलहाल तो यही कहा जा रहा है कि विजयेंद्र निश्चित रूप से दोबारा अध्यक्ष चुने जाएंगे। तटस्थ रहने वाले नेताओं का मानना है कि अगर नेता भी यही चाहें तो यतनाल गुट के भीतर असंतोष कम नहीं हो सकता है। हालांकि कर्नाटक भाजपा की आंतरिक कलह हंसी का पात्र बनती जा रही है, लेकिन कार्यकर्ताओं और स्थानीय नेताओं के बीच यह संदेह बना हुआ है कि भाजपा आलाकमान इसमें हस्तक्षेप क्यों नहीं कर रहा है। कई लोग इस बात पर आश्चर्य व्यक्त कर रहे हैं कि क्या इसके पीछे उच्च अधिकारियों द्वारा कोई जानबूझकर की गई कार्रवाई है। क्योंकि, जब भाजपा नेताओं की चेतावनियों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं हो रही है तो कर्नाटक के मुद्दे को महत्व क्यों नहीं दिया जा रहा है? क्या यह रुख हो सकता है कि ''देखते हैं असहमति कितनी बढ़ती है? क्या अमित शाह फिलहाल चुप हैं, हालांकि वह यह सुनिश्चित करने के लिए हर चीज पर नजर रख रहे हैं कि सब कुछ एकतरफा न हो जाए? ऐसे कई सवालों के जवाब दिए जाने की जरूरत है।

बस कंडक्टर पर हमला मामला

अंतरराज्यीय बस यातायात स्थगित, सीमा पर तनाव

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो। बेलगावी तालुका के बालेकुंडरी में मराठी गुंडों द्वारा कर्नाटक सरकार के बस कंडक्टर पर हमला करने के बाद सीमा पर स्थिति तनावपूर्ण हो गई है। कन्नड़ समर्थक संगठनों ने महाराष्ट्र परिवहन की एक बस और ड्राइवर पर काली स्याही पोत दी। जवाब में मराठी लोगों ने कर्नाटक की बसों पर स्याही पोत दी। स्थिति के गंभीर होने के कारण, एहतियात के तौर पर महाराष्ट्र ने कर्नाटक राज्य के लिए बस सेवाएं निलंबित कर दी हैं।

महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री प्रताप सरनायक ने घोषणा की है कि कर्नाटक में महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम की बस पर हमले के बाद राज्य ने कर्नाटक के लिए अपनी बस सेवाएं निलंबित कर दी हैं। एमएसआरटीसी के प्रवक्ता अभिजीत भोसले ने कहा महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम की बसों में यात्रा करने वाले यात्रियों और कर्मचारियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए कोल्हापुर से कर्नाटक तक सभी राज्य परिवहन बसों का संचालन अनिश्चित काल के लिए रद्द कर दिया गया है। शुक्रवार की रात को कन्नड़ समर्थक कार्यकर्ताओं ने चित्रदुर्ग के पास बेंगलूरु से मुंबई जा रही एमएसआरटीसी की बस को रोक लिया और विरोध स्वरूप उस पर काला रंग पोत दिया। मंत्री ने आरोप लगाया है कि बस चालक भास्कर जाधव पर हमला किया गया और उसके चेहरे पर काली स्याही पोत दी गई। उन्होंने कहा कि जब तक कर्नाटक सरकार की ओर से इस घटना के संबंध में स्पष्टीकरण नहीं आ जाता, तब तक कर्नाटक के लिए बस सेवाएं बहाल नहीं होंगी। कथित हमले के संबंध में फिलहाल कर्नाटक में पुलिस मामला दर्ज कर लिया गया है। अभी तक यह स्पष्ट नहीं है कि चित्रदुर्ग में बस पर हमला बेल-गावी जिला मुख्यालय के बाहरी इलाके में कर्नाटक राज्य परिवहन निगम की बस के कंडक्टर पर हुए हमले का प्रतिशोध था या नहीं। पुलिस के निर्देशानुसार बस यातायात को केवल कर्नाटक सीमा तक ही अनुमति दी जा रही है। परिवहन एजेंसी के अधिकारियों ने बताया कि स्थिति का आकलन करने के बाद महाराष्ट्र के लिए बस सेवाएं फिर से शुरू की जाएंगी। महाराष्ट्र परिवहन की 30 बसें प्रतिदिन कोल्हापुर के रास्ते राज्य में प्रवेश करती थीं। शनिवार को केवल 20 बसें ही पहुंचीं। पिछले शुक्रवार को दोपहर करीब 12.30 बजे एक युवक और युवती बेलगावी सीबीटी से सुलेबावी के लिए जा रही बस में यात्रा कर रहे थे। जब कंडक्टर ने उससे टिकट लाने को कहा तो युवक ने मराठी में जवाब दिया।

जिसके बाद कंडक्टर ने कहा मैं मराठी नहीं समझता, कन्नड़ में बोलो। इस कारण से, युवक और युवती दोनों ही महादेवा पर भड़क गए। डीसीपी रोहन जगदीश ने घटना का ब्यौरा देते हुए बताया कि जैसे ही बस सुलेबावी गांव में पहुंची, चार युवकों को बुलाया गया और उन्होंने कंडक्टर पर हमला कर दिया।

पुलिस ने बताया कि बेलगावी में एक कंडक्टर पर हमला करने के आरोप में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। कंडक्टर के खिलाफ यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत भी मामला दर्ज किया गया है।

बीबीएमपी चुनाव मई में होंगे: मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। परिवहन मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने कहा कि बीबीएमपी चुनाव अगले साल मई में होने चाहिए, चाहे कोई भी इसे पसंद करे। बनशंकरी मंदिर में सामूहिक विवाह में भाग लेने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि सितंबर 2020 से बीबीएमपी चुनाव नहीं हुए हैं। पिछली भाजपा सरकार और 2015 से हमारी सरकार द्वारा चुनावों में देरी की गई है। हालाँकि, उन्होंने कहा कि उनकी इच्छा जल्द से जल्द चुनाव कराने की है। ग्रेटर बेंगलूरु अथॉरिटी के गठन के कारण चुनाव में देरी हुई है। चाहे हम चाहें या न चाहें, चुनाव मई में होने ही चाहिए। अन्यथा सुप्रीम कोर्ट स्वयं हमें आदेश जारी कर सकता है।

गरीबों के कल्याण के लिए लागू की गई गारंटी योजना को नहीं रोका जाएगा: कृषि मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य के कृषि मंत्री एन. चेल-ुवरायस्वामी ने कहा कि गरीबों के कल्याण के लिए लागू की गई गारंटी योजना को किसी भी कारण से बंद नहीं किया जाएगा। जेडीएस और भाजपा की बात नहीं सुनी जानी चाहिए। शनिवार शाम को कोप्पा झील का दौरा करने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि पात्र महिला लाभार्थियों को 2 महीने से गृहलक्ष्मी योजना के तहत पैसा नहीं मिला है। लेकिन योजना के तहत पैसा जल्द से जल्द उनके खातों में जमा कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में बदलने सहित कई विकास कार्य चरणबद्ध तरीके से किए जाएंगे। कोप्पा झील से नहरों तक पानी का उचित प्रवाह सुनिश्चित करने के लिए नहरों और नालों के निर्माण सहित विकास के लिए सिंचाई विभाग को लगभग 100 करोड़ रुपये जारी किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि सुचारू यातायात की सुविधा के लिए एनएसएल शुगर फैक्ट्री से कोप्पा तक दोहरी सड़क का निर्माण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कोप्पा को नगर पंचायत बनाने के संबंध में अधिकारियों से चर्चा चल रही है तथा आने वाले दिनों में इस संबंध में आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। इससे पहले महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर ने घोषणा की थी कि गृह लक्ष्मी योजना के लाभार्थियों के लिए निधि एक सप्ताह के भीतर उनके बैंक खातों में जमा कर दी जाएगी। बेलगावी में अपने गृह कार्यालय में बोलते हुए, मंत्री ने कहा कि निधि तालुक पंचायतों के माध्यम से लाभार्थियों के बैंक खातों में जारी की जाएगी। उन्होंने आश्वासन दिया राशि वितरित करने में थोड़ी देरी हुई क्योंकि मैं सड़क दुर्घटना के कारण आराम कर रही थी। हालांकि, मैंने पहले ही अधिकारियों को निर्देश दे दिए हैं, और जल्द ही निधि जमा कर दी जाएगी। अब तक, निधि बेंगलूरु में केंद्रीय कार्यालय के माध्यम से वितरित की जा रही थी। हालांकि, विकेंद्रीकरण प्रयास के हिस्से के रूप में, सरकार ने तालुक पंचायतों के माध्यम से निधि जारी करने का फैसला किया है, जिसे बाद में विभाग में बाल विकास परियोजना अधिकारियों (सीडीपीओ) के खातों में स्थानांतरित कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा मैंने निर्देश दिया है कि एक सप्ताह के भीतर धनराशि जारी कर दी जाए। विपक्ष पर निशाना साधते हुए हेब्बालकर ने भाजपा की आलोचना की। उन्होंने कहा विपक्ष केवल बात करना जानता है। उन्होंने दावा किया कि गारंटी योजनाएं सरकार को दिवालिया बना देंगी, लेकिन बाद में अन्य राज्यों में चुनाव जीतने के लिए उन्हीं योजनाओं की नकल की। भुगतान में देरी से कई क्षेत्रों में लाभार्थियों में व्यापक असंतोष पैदा हो गया था, जिससे विपक्षी नेताओं की चर्चा और आलोचना हुई, जिन्होंने इस मुद्दे का इस्तेमाल सरकार पर हमला करने के लिए किया।

छत्तीसगढ़ के कुख्यात नक्सली हिड़मा के गांव पूवर्ती में आजादी के बाद पहली बार हुआ मतदान

जगदलपुर, 23 फरवरी (एजेंसियां)।

छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री और गृहमंत्री विजय शर्मा ने रविवार को कहा कि पूवर्ती गांव में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव ऐतिहासिक माना जा रहा है, क्योंकि यह गांव आजादी के बाद से अब तक किसी भी चुनाव का हिस्सा नहीं रहा। पूवर्ती और केरलापेंदा सहित 10 गांव में पहली बार बना मतदान केंद्र बने हैं। आज त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव का अंतिम चरण है।

आज जगदलपुर में पत्रकारों बातचीत में उपमुख्यमंत्री और गृहमंत्री शर्मा ने कहा कि पूवर्ती गांव में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव होना ऐतिहासिक है, क्योंकि यह गांव अब तक किसी भी चुनाव का हिस्सा नहीं रहा। हिड़मा जैसे कुख्यात नक्सली का घर होने के बावजूद इस गांव के लोग आजादी के बाद पहली बार अपने वोट के अधिकार का पूरे उत्साह से इस्तेमाल कर रहे हैं। पूवर्ती गांव के ग्रामीणों ने इस चुनाव में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया, जो न केवल उनके लोकतांत्रिक अधिकार की विजय है, बल्कि यह नक्सलवादके खिलाफ उनके संघर्ष का भी प्रतीक है।

सुकमा जिले के नक्सल प्रभावित कोंटा ब्लॉक में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में मतदाताओं का अभूतपूर्व उत्साह यह साबित करता है कि अब इन इलाकों में नक्सलवाद का असर कम हो चुका है और लोग अपने भविष्य के लिए संजीदगी से मतदान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में यहां सुरक्षा बलों और स्थानीय प्रशासन के संयुक्त प्रयासों ने नक्सलियों के प्रभाव को कम किया है, जिससे ग्रामीणों में अब बदलाव की बयार महसूस हो रही है। उन्होंने कहा कि इस चुनाव ने यह साफ कर दिया कि जब प्रशासन और स्थानीय नेतृत्व ईमानदारी से काम करते हैं, तो नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में भी लोकतंत्र की जड़ें मजबूत हो सकती हैं।

छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले के सबसे कुख्यात नक्सली हिडमा के गांव पूवर्ती और केरलापेंदा सहित 10 गांव में आजादी के बाद पहली बार गांव की सरकार के लिये यहां के ग्रामीणों ने अपने गांव में मतदान कर आज त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के अंतिम चरण में इतिहास रच रहे हैं। पूवर्ती में मतदान का आयोजन नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में लोकतंत्र की मजबूती का प्रतीक है। सुरक्षा बलों की कड़ी निगरानी के बीच ग्रामीण उत्साह से वोट डाल रहे हैं। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है, जो इसकी तस्दीक करता है। बस्तर संभाग के नक्सल प्रभावित इलाकों में चल रहे इस मतदान ने क्षेत्र में शांति और विकास की नई उम्मीद जगाई है। पहली बार इस गांव में मतदान हो रहा है, जहां पहले कभी मतदान केंद्र नहीं बना था। नक्सल प्रभावित सुकमा जिले के जनपद पंचायत कोंटा अंतर्गत 128 मतदान केंद्र बनाये गए हैं, जिसमें सुरक्षा की दृष्टि से 51 संवेदनशील मतदान केंद्र और 77 अति संवेदनशील मतदान केन्द्र बनाये गए हैं। इनमें 59 मतदान केन्द्रों को स्थानांतरित किया गया है। इसके अलावा महिलाओं के लिए 15 पिंक बूथ भी बनाए गए हैं। कोंटा विकास खंडों में 64 हजार 580 मतदाता पंजीकृत हैं। इनमें पुरुष मतदाता 30 हजार 743 और महिला मतदाता 33 हजार 837 शामिल हैं।

युद्ध के तीन साल

रूसी सैनिक यूक्रेन में राष्ट्रीय हितों की कर रहे रक्षा : पुतिन

मॉस्को, 23 फरवरी (एजेंसियां)। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने रविवार को कहा कि यूक्रेन में उनके सशस्त्र बल राष्ट्रीय हितों की रक्षा कर रहे हैं। उन्होंने बदलती विश्व व्यवस्था में देश की सेना को मजबूत करने का संकल्प लिया।

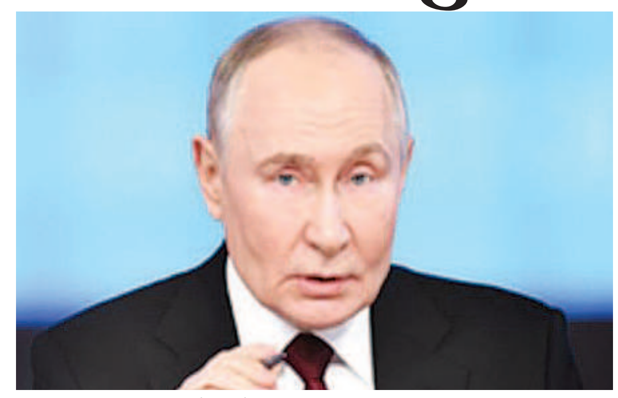

पुतिन का यह बयान ऐसे समय में आया जब यूक्रेन युद्ध के तीन साल पूरे होने वाले हैं। 24 फरवरी, 2022 तो मॉस्को ने कीव पर पूर्ण पैमाने का आक्रमण किया था।

रूस के डिफेंडर्स ऑफ द फादरलैंड डे पर क्रेमलिन द्वारा जारी एक वीडियो में पुतिन ने कहा, आज, अपने जीवन को जोखिम में डालकर, साहस के साथ, वे (सैनिक) अपनी मातृभूमि, राष्ट्रीय हितों और रूस के भविष्य की रक्षा कर रहे हैं।

देश के प्रमुख दैनिक 'द मॉस्को टाइम्स' की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने कहा, रूस की सुरक्षा और संप्रभुता की गारंटी के लिए, हम सेना और नौसेना की लड़ाकू क्षमताओं में सुधार करना जारी रखेंगे।

इससे पहले रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव और राष्ट्रपति के सहायक यूरी उशाकोव ने इस सप्ताह रियाद में यूएस प्रतिनिधिमंडल के साथ वार्ता की, जिसमें अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार माइकल वाल्ट्ज और मध्य पूर्व के लिए अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ शामिल थे। इस वार्ता का उद्देश्य रूस-यूक्रेन संघर्ष को सुलझाने के लिए बातचीत करना और अपने संबंधों को बेहतर बनाना था।

विज्ञप्ति के अनुसार, रूसी पक्ष ने संघर्ष के मूल कारणों को समाप्त करने, स्थायी एवं सतत शांति प्राप्त करने के लिए उचित परिस्थितियां बनाने, क्षेत्र के सभी देशों की सुरक्षा और वैध हितों को सुनिश्चित करने के महत्व पर बल दिया।

निकट भविष्य में नियुक्त किए जाने वाले विशेष दूतों के माध्यम से इस क्षेत्र में संयुक्त कार्य जारी रखने के लिए एक समझौता हुआ। हाल ही में मीडिया से बात करते हुए राष्ट्रपति पुतिन ने कहा, रियाद में रूस और अमेरिका के बीच हुई बातचीत रूस-अमेरिका संबंधों को बहाल करने और दोनों देशों के बीच विश्वास का निर्माण करने की दिशा में एक कदम था। उन्होंने आगे कहा कि रूस और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच विश्वास बढ़ाए बिना यूक्रेनी संकट सहित कई मुद्दों को हल करना असंभव है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यूक्रेन में संघर्ष का समाधान रूस की प्राथमिकता है।

अवैध मजार को लेकर नासिक में बवाल

हिंदू संगठनों के प्रदर्शन की घोषणा, इलाके में कर्फ्यू

नासिक, 23 फरवरी (एजेंसियां)।

महाराष्ट्र के नासिक जिले में स्थित द्वारका के काठे गली इलाके में एक दरगाह के निर्माण को लेकर विवाद हो गया है। हिंदू संगठनों का आरोप है कि यह ढांचा अवैध है और इसे अतिक्रमण करके बनाया गया है। वहीं, इलाके की एक अवैध ढांचे को हटाने के लिए पहुंची नगर निगम का जमकर विरोध किया गया। इसके बाद पुलिस ने बवाल को देखते हुए इलाके में कर्फ्यू लगा दिया है।

इस अवैध ढांचे को लेकर सकल हिंदू समाज की मांग की है कि इसे तोड़कर उस जगह पर बजरंग बली का मंदिर बनाया जाए। इसको लेकर हिंदू कार्यकर्ताओं ने शनिवार 22 फरवरी बड़े विरोध प्रदर्शन का प्लान बनाया था। इसकी भनक लगते ही मौके पर भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। इसके साथ ही इलाके में कर्फ्यू

लगा दिया गया है। दरअसल, काठे गली से नागजी चौक की ओर जाने वाली सड़क पर एक कथित अवैध धार्मिक स्थल के निर्माण का हिंदू संगठनों ने विरोध किया है। हिंदूवादी संगठनों ने कसम खाई है कि जब तक इस अवैध धार्मिक ढांचे को हटा नहीं दिया जाता, तब तक वे अपना आंदोलन जारी रखेंगे। कहा जा रहा है कि विरोध प्रदर्शन को रोकने के लिए पुलिस ने कुछ साधु-संतों को भी गिरफ्तार किया है।

साधु-संतों की गिरफ्तारी से हिंदू समुदाय और भड़क गया। पुलिस ने किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए शुक्रवार 21 फरवरी की रात से ही उस तरफ जाने वाली कई सड़कों को बंद कर दिया। आवाजाही को रोकने के लिए जगह-जगह बैरिकेड्स लगा दिए गए। पुलिस उपायुक्त ने मुंबई नाका और भद्रकारी पुलिस सीमा के अंतर्गत की सड़कें भी बंद करा दीं।

यह मामला पिछले 25 वर्षों से चल रहा है। हिंदू संगठनों का कहना है कि नासिक नगर निगम ने अवैध धार्मिक स्थल को नहीं हटाया है। इसलिए प्रदर्शन जारी रहेगा। उधर, प्रदर्शन शुरू होने के पहले ही नगर निगम प्रशासन ने काठे गली इलाके में अनधिकृत धार्मिक स्थलों को हटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। दरगाह के पास अतिक्रमण को हटाया गया है, लेकिन हिंदू समुदाय पूरे दरगाह को हटाने की मांग कर रहा है। भाजपा विधायक देवयानी फरांडे ने घटनास्थल का दौरा करने की कोशिश की। हालांकि, पुलिस ने उन्हें पहले ही रोक दिया। विधायक देवयानी ने आरोप लगाया है, नासिक में इस समय अनाधिकृत दरगाह का अतिक्रमण हटाने का काम चल रहा है। पूरी दरगाह पर अतिक्रमण है और नगर निगम को इसे हटा देना चाहिए। यह सब नगर निगम की ला-परवाही के कारण बढ़ रहा है।

भारत अंतरिक्ष के क्षेत्र में नीत नई उंचाईयों को छू रहा: मोदी

नई दिल्ली, 23 फरवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि पिछले महीने देश भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के सौवें राकेट लांच का साक्ष्य बना है जो केवल एक नंबर नहीं है बल्कि अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में नीत नई उंचाईयों को छूने के हमारे संकल्प का पता चलता है।

श्री मोदी ने अपने 'मन की बात' मासिक कार्यक्रम में आज कहा कि पिछले महीने देश इसरो के सौवें राकेट लांच का साक्ष्य बना है जो केवल एक नंबर नहीं है बल्कि स्पेस विज्ञान के क्षेत्र में नीत नई उंचाईयों को छूने के हमारे संकल्प का भी पता चलता है। हमारे स्पेस जर्नी की शुरुआत बहुत ही सामान्य तरीके से हुई थी। इसमें कदम कदम पर चुनौतियां थी लेकिन हमारे वैज्ञानिक विजय प्राप्त करते हुए आगे बढते ही गये। समय के साथ अंतरिक्ष की इस उड़ान में हमारी सफलता की सूची लंबी होती चली गई।

उन्होंने कहा कि लांच व्हीकल का निर्माण हो, चंद्रयान की सफलता हो, मंगलयान हो, आदित्य एल-1 या फिर एक ही राकेट से एक ही बार में 104 सेटेलाइट को अंतरिक्ष भेजने का अभूतपूर्व मिशन हो। इसरो की सफलता का दायरा काफी बड़ा रहा है। बीते दस सालों में ही करीब 460 सेटेलाइट लांच की गई है और इसमें दूसरे देशों की भी बहुत सारी सेटेलाइट शामिल है।

उन्होंने कहा कि हाल के वर्षों की एक बड़ी बात ये भी रही है कि अंतरिक्ष वैज्ञानिकों की हमारी टीम में नारी-शक्ति की भागीदारी लगातार बढ़ रही है। मुझे यह देखकर भी बहुत खुशी होती है कि आज अंतरिक्ष क्षेत्र हमारे युवाओं के लिए बहुत पसंदीदा बन गया है। कुछ साल पहले तक किसने सोचा होगा कि इस क्षेत्र में स्टार्ट अप और निजी क्षेत्र की अंतरिक्ष कंपनियों की संख्या सैकड़ों में हो जाएगी। हमारे जो युवा जीवन में कुछ थ्रिलिंग और रोमांचक करना चाहते हैं उनके लिए अंतरिक्ष क्षेत्र एक बेहतरीन विकल्प बन रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आने वाले कुछ ही दिनों में हम राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाने जा रहे हैं। हमारे बच्चों का, युवाओं का विज्ञान में रुचि और जुनून होना बहुत मायने रखता है। इसे लेकर मेरे पास एक आडिया है जिसे आप वन डे एज ए साइंटिस्ट कह सकते हैं यानि आप अपना एक दिन एक वैज्ञानिक के रूप में बिताकर देखें। आप अपनी सुविधा के अनुसार, अपनी मर्जी के अनुसार, कोई भी दिन चुन सकते हैं। उस दिन आप किसी शोध प्रयोगशाला, तारामंडल या फिर अंतरिक्ष केंद्र जैसी जगहों पर जरूर जाएँ। इससे विज्ञान को लेकर आपकी जिज्ञासा और बढ़ेगी।

उन्होंने कहा कि अंतरिक्ष और विज्ञान की तरह एक और क्षेत्र है जिसमें भारत तेजी से अपनी मजबूत पहचान बना रहा है - ये क्षेत्र है एआई यानि ऑर्टिफिशियल इंटेलिजेंस। हाल ही में मैं एआई के एक बड़े सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए पेरिस गया था। वहाँ दुनिया ने इस क्षेत्र में भारत की प्रगति की खूब सराहना की।

हमारे देश के लोग आज एआई का उपयोग किस-किस तरह से कर रहे हैं, इसके उदाहरण भी हमें देखने को मिल रहे हैं। अब जैसे तेलंगाना में आदिलाबाद के सरकारी स्कूल के एक टीचर थोडासम कैलाश हैं। उन्होंने एआई टूल्स की मदद से कोलामी भाषा में गाना लिखकर कमाल कर दिया है। वे एआई का उपयोग कोलामी के अलावा भी कई और भाषाओं में गीत तैयार करने के लिए कर रहे हैं।

अंतरिक्ष क्षेत्र हो या फिर एआई, हमारे युवाओं की बढ़ती भागीदारी एक नई क्रांति को जन्म दे रही है। नई-नई तकनीक को अपनाने और आजमाने में भारत के लोग किसी से पीछे नहीं हैं।

जनसंख्या असंतुलन, अवैध मदरसों-मजारों और अवैध कब्जे पर विपक्ष खामोश

देहरादून, 23 फरवरी (एजेंसियां)। राज्य में करीब पांच सौ अवैध मदरसों, तीन सौ अवैध मजारों और सरकारी जमीन पर अवैध बसावट पर विपक्षी कांग्रेस एक बार फिर खामोश रही। विधानसभा सत्र के दौरान इन मुद्दों को छूने या सदन में उठाने का साहस कांग्रेस ने नहीं किया और इसके पीछे बड़ी वजह तुष्टिकरण की राजनीति है। वोट बैंक के लोभ में तुष्टिकरण की राजनीति करने वाली कांग्रेस पार्टी ने राज्य में बेसिक शिक्षा को लेकर सवाल तो उठाया लेकिन अवैध रूप से चल रहे मदरसों पर एक शब्द भी नहीं बोला।

उत्तराखंड में इन अवैध मदरसों की संख्या पांच सौ के करीब बताई जाती है। इन मदरसों में बाहरी राज्यों के बच्चे पढ़ रहे हैं, जोकि कल स्थायी निवासी होने का दावा करेंगे या कर चुके हैं। डेमोग्राफी चेंज के इस मुद्दे पर विपक्ष की खामोशी कई सवाल खड़े करती है। वर्तमान में तीन सौ से अधिक अवैध मजारें अभी राज्य में और भी है, जिनपर फिलहाल विपक्ष चुप है। देवभूमि राज्य का सांस्कृतिक स्वरूप बना रहे इस ओर भाजपा सरकार तो कदम उठा रही है किंतु कांग्रेस खामोश हो जाती है स्वाभाविक है कि उसे चिंता अपने वोट बैंक की रही है। इसी तरह सरकारी भूमि पर , खनन निकासी नदियों पर और शहरों के बरसाती नालों आदि पर बाहर से आए लोगों ने कब्जा कर भू माफिया के संरक्षण में अवैध बस्तियां बसा ली हैं।

इन अवैध कब्जों को हटाने के लिए कांग्रेस ने कभी भी सदन में आवाज नहीं उठाई, भू कानून की मांग करने वाले संगठन भी इस मुद्दे पर चुप हैं। नदियों से अतिक्रमण हटाने का मुद्दा एनजीटी में भी चल रहा है। ये बस्तियां कांग्रेस शासन काल में वोट बैंक के लालच में बसाई गईं और कांग्रेस ने इनके नियमितीकरण करने का वायदा भी किया, किंतु भाजपा सरकार ने इस पर अघोषित रोक लगाई। इनमें ज्यादातर कब्जे मुजफ्फरनगर,सहारनपुर ,मेरठ, बिजनौर जिले से आए खास वर्ग के लोगों के हैं, जोकि राज्य की डेमोग्राफी को बदल रहे हैं।

ऐसे तमाम मुद्दों पर कांग्रेस ने कभी विरोध नहीं किया बल्कि तुष्टिकरण की राजनीति के फायदे की वजह से चुप्पी साध ली है। भाजपा सरकार ने सख्त भू कानून लाने का काम तो किया है, लेकिन इसमें से हरिद्वार और उधम सिंह नगर जिले को छोड़ दिया। यहां बाहरी लोग आकर अवैध कब्जे कर सरकार को चुनौती दे रहे हैं। सालों में यहीं से ये लोग पहाड़ों की तरफ बढ़ते रहे हैं,जिन्होंने देवभूमि में सांस्कृतिक ,सामाजिक समस्याएं पैदा की हैं। यह सत्र विधान सभा अध्यक्ष के द्वारा विधायकों को अनुशासन में रहने के लिए तल्ख टिप्पणियां के लिए भी याद रखा जाएगा।

एआई डाउनलोड्स में चीन और अमेरिका से भी आगे निकला भारत : वित्त मंत्री

कोट्टायम, 23 फरवरी (एजेंसियां)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भारत में इनोवेशन की तेज गति और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को अपनाने में देश की स्थिति पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारत एआई डाउनलोड्स में चीन और अमेरिका से भी आगे निकला गया है।

वित्त मंत्री ने आईआईआईटी कोट्टायम के दीक्षांत समारोह में अपने संबोधन में माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्य नडेला के उस बयान जिक्र किया, जिसमें उन्होंने भारत को एआई के उपयोग की राजधानी बताया था।केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह एक बहुत बड़ा बयान है क्योंकि इसका मतलब है कि हम सिर्फ एआई के बारे में बात नहीं कर रहे हैं या केवल एआई में शोध नहीं कर रहे हैं, बल्कि हम इसे बड़े पैमाने पर लागू कर रहे हैं।भारत द्वारा तेजी से एआई को अपनाने को लेकर वित्त मंत्री ने कहा कि 2024 में देश में एआई से जुड़े हुए 3 अरब ऐप डाउनलोड हुए थे। यह आंकड़ा अमेरिका के 1.5 अरब और चीन के 1.3 अरब से काफी अधिक है।वित्त मंत्री ने आगे कहा कि हम न केवल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को अपनाने में अग्रणी हैं बल्कि हम यह भी आकार दे रहे हैं कि एआई को कैसे नियंत्रित किया जाए।उन्होंने कहा कि पेरिस में हाल ही में एआई एक्शन समिट में (जिसकी भारत ने फ्रांस के साथ सह-अध्यक्षता की थी) प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि एआई सिर्फ एक राष्ट्रीय मुद्दा नहीं बल्कि एक वैश्विक जिम्मेदारी है। हमें एक ऐसे एआई की जरूरत है जो नैतिक, समावेशी और भरोसेमंद हो।उन्होंने आगे बताया कि ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स में भारत की रैंक 2015 में 81वें स्थान से बढ़कर 2024 में 39वें स्थान पर पहुंच गई है। इसके अलावा वित्त मंत्री ने कहा कि भारत का पेटेंट-टू-जीडीपी रेश्यो 2013 में 144 से बढ़कर 2023 में 381 हो गया है। यह दिखाता है कि देश में बीते दस वर्षों में पेटेंट की संख्या में काफी बढ़ोतरी हुई है।

कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह का फर्जीवाड़ा उजागर

राष्ट्र विरोधी हरकत की खुली पोल तो फर्जी पोस्ट डिलीट

नई दिल्ली, 23 फरवरी (एजेंसियां)।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने शनिवार 22 फरवरी को एक वीडियो शेयर किया, जिसमें दावा किया गया कि अमेरिका ने अपनी कंपनियों को भारतीय कस्टमर केयर कर्मचारियों को नौकरी देने से रोक दिया है। वीडियो में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को भारत और भारतीयों के खिलाफ कथित तौर पर अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करते दिखाया गया।

दिग्विजय ने इस वीडियो को शेयर करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्री एस जयशंकर से जवाब मांगा। लेकिन बाद में पता चला कि यह वीडियो असली नहीं, बल्कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से बनाया गया एक फर्जी वीडियो था। दिग्विजय सिंह ने अपने फर्जीवाड़े की पोल खुलते ही अपना पोस्ट डिलीट कर दिया।

दिग्विजय ने अपने पोस्ट में लिखा था, माननीय श्री नरेंद्र मोदी जी, हमारे प्रधानमंत्री, जरा देखिए आपके प्यारे दोस्त डोनाल्ड ट्रंप भारत और भारतीयों के बारे में क्या सोचते हैं। क्या आप इस पर कुछ कहेंगे? अगर नहीं, तो क्या आपके विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर को इस पर विरोध नहीं जताना चाहिए कि अमेरिकी राष्ट्रपति ने भारत को दुनिया का सबसे जहरीला देश कहा! दिग्विजय सिंह ने इस पोस्ट में कांग्रेस, राहुल गांधी, सुप्रिया श्रीनेत और पवन खेड़ा को भी टैग किया था। जांच में पता चला कि उक्त वीडियो फर्जी था जिसे एआई के जरे बनाया गया था।

इस घटना पर लोगों ने सोशल मीडिया पर खूब प्रतिक्रिया दी। मनीष रजौरा ने लिखा, कांग्रेस के बड़े नेताओं की बुद्धि का यही स्तर है, तभी ये विपक्ष में हैं। भारत को बेहतर विपक्ष चाहिए। अंकुर सिंह ने कहा, कांग्रेस अब एआई से बने फर्जी वीडियो से भारत को बदनाम कर रही है, सिर्फ इसलिए कि भारत राहुल गांधी को वोट नहीं देता। शर्मनाक! डॉ. अमित सरवाल ने लिखा, दिग्विजय का फर्जी वीडियो शेयर करना कोई हैरानी की बात नहीं, उनकी अक्ल पर तरस आता है। दिग्विजय सिंह ने पोस्ट डिलीट तो कर दिया, लेकिन इसके लिए न तो कोई सफाई दी और न ही माफी मांगी। इससे भी कांग्रेस नेताओं का मौलिक चरित्र दुनिया के सामने एक बार फिर जाहिर हुआ।

मुख्यमंत्री ने यूनिकॉर्न कॉन्क्लेव को किया संबोधित

जॉब क्रिएटर बनने पर फोकस करें युवाः सीएम योगी

आगरा, 23 फरवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उत्तर प्रदेश में निवेश को बढ़ावा देने व निवेश प्रस्तावों को धरातल पर उतारने की योजना पर मंथन करने रविवार को आगरा पहुंचे। दुनिया में अपने नवाचार से डिजिटल अर्थव्यवस्था में लोहा मनवा चुके 100 यूनिकॉर्न रविवार को ताजनगरी में जुटे। होटल अमर विलास में आयोजित यूनिकॉर्न कंपनीज के कॉन्क्लेव को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश के युवा जॉब क्रिएटर बनने पर फोकस करें। पहले यूपी में अवसर नहीं थे, लेकिन प्रतियोगी छात्रों ने आइडिया पर काम किया है। जो पहले टेक्नोलॉजी में आगे थे, वह स्टार्टअप में भी आगे हैं। योगी ने तारीफ करते हुए कहा कि ग्रोथ इंजन के तौर पर युवाओं ने प्रेरणा के रूप में काम किया है। हर क्षेत्र में बहुत बड़ी उपलब्धि हासिल की जा सकती है। मुख्यमंत्री ने बताया कि 2019 में बुंदेलखंड प्रवास के दौरान पांच महिलाएं मेरे पास आईं। उन्होंने नौकरी की मांग की, किसी ने बताया कि वे पांचवीं पास हैं। इस पर राज्य सरकार ने पहल की। मिल्क प्रोड्यूसर का गठन किया गया, उनकी ट्रेनिंग कराई, फिर कार्य प्रारंभ कराया गया। आप आश्चर्य करेंगे कि उनका टर्नओवर 1500 करोड़ का है और इससे 42 हजार महिलाएं जुड़ी हैं। उससे भी अच्छा कार्य आगरा की मिल्क प्रोड्यूसर कर रही हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यूपी केवल कृषि ही नहीं, बल्कि सनातन-ज्ञान और परंपरा की भी भूमि है। यूपी में निवेश को बढ़ावा देने को लेकर यहां कॉन्क्लेव का आयोजन किया गया है। इसमें देशभर के यूनिकॉर्न कंपनी के लोग विचारों का आदान-प्रदान कर रहे हैं। कोई भी यूनिकॉर्न कंपनी बिना निवेशकों के आगे नहीं बढ़ती है। उन्होंने कहा कि विचारों की परंपरा प्राचीन काल से है। वाल्मीकि रामायण का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि इसके लोकप्रिय होने का कारण महर्षि वाल्मीकि की व्यावहारिक समझ थी। रामायण की रचना से पहले उनके मन में श्लोक आ रहा था। वे नारद जी के पास गए, तब नारद जी ने भगवान श्रीराम को आधार रखने की सलाह दी। महर्षि ने ऐसा करके ही रामायण की रचना की। अगर विचारों का आदान-प्रदान नहीं होता तो रामायण नहीं रची जाती। आप लोगों के विचारों का आदान-प्रदान एक नई रामायण की आधारशिला जैसी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी वाला राज्य बनाने के प्रयास चल रहे हैं। स्टार्टअप की संस्कृति को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नया आयाम दिया है। पहले सिस्टम के प्रति विश्वास नहीं था, लेकिन अब विश्वास पैदा हुआ। पीएम ने स्टार्टअप इंडिया, स्टैंडअप इंडिया, मेक इन इंडिया की भावना को आगे बढ़ाया। अब देश में इस दिशा में बहुत अच्छे कदम उठाए गए हैं। भारत सरकार ने इस मुद्दे पर हमेशा लोगों को प्रोत्साहित किया है। आप में से भी बहुत से लोगों ने स्टार्टअप इंडिया से बहुत कुछ सीखा होगा। मोदी ने जो उस समय युवाओं के बारे में कहा था कि हमारा युवा अब जॉब सीकर नहीं, जाब क्रिएटर बनेगा। स्टार्टअप इंडिया दुनिया में पहचान बना चुका है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे देश में अनेक यूनिकॉर्न हैं। उत्तर प्रदेश ने भी काफी कदम उठाए गए हैं। यूपी में 14 हजार से अधिक स्टार्टअप हैं। सात हजार ऐसे हैं, जो महिलाओं के हैं। इन्होंने जीवन के अलग- अलग फील्ड में कुछ नया करके दिखाया है। उप्र जैसे राज्य में फिजिक्स वाला यूनिकॉर्न बन गया। तीन वर्ष पहले मुलाकात हुई थी, तब मैंने पूछा था।

अवसर पहले भी थे, लेकिन देखते ही देखते यूपी के प्रतियोगी छात्रों ने इसे हाथोंहाथ लिया। जहां लोग तकनीकी के बारे में कम जानते हैं, वहां भी लोग फिजिक्स वाले को जानते हैं। यह दिखाता है कि इनोवेटिव आइडियाज के साथ तकनीक जुड़ती है तो परिणाम आते हैं।

मुख्यमंत्री ने महाकुंभ का उदाहरण देते हुए कहा कि खोया-पाया के माध्यम से हमारे युवाओं ने 28000 लोगों को घर वालों से मिलाया है। डिजिटल खोया पाया केंद्र पर परिवारों से मिलाए गए। जबकि कांग्रेस अध्यक्ष कहते हैं कि हजारों लोग मारे गए। उनकी दृष्टि ऐसी है। महाकुंभ में 25 से 30 लाख लोग की क्षमता है, लेकिन वहां करोड़ों लोग पहुंचे।

हमने बसें, ट्रेन चलाईं, उन्हें वापस भेजा, प्रवास की सुविधा दी। इसके बाद उनके साथ संवाद स्थापित किया। परिवार वालों से बात करके सभी को उनके घरों सुरक्षित भेजा। यह तकनीकी का ही परिणाम है। यदि तकनीक नहीं होती तो शायद न हो पाता। मुख्यमंत्री ने बताया कि एक व्यक्ति प्रयागराज में अपने घर से संगम स्नान करने निकले थे। अचानक रात में घटना घटित होती है। वे काफी दिन तक घर नहीं पहुंचे तो लोगों ने समझ लिया कि उनकी मृत्यु हो गई। तेरहवीं की व्यवस्था कर ली। उसी दिन वह ई-रिक्शा से घर पहुंच गए और बताया कि कुंभ में भंडारा में खाना खाकर रहते रहे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि महाकुंभ में जाकर ही वहां का अनुमान लगाया जा सकता है। ऐसे ही स्टार्टअप है। हम लोगों ने इलेक्ट्रिक बसें सभी शहरों में स्टार्ट कीं। गोरखपुर में पांच से 40 बसें की गईं। अब प्रदेश के शहरों के आसपास के गांवों के लिए भी बसें चलाई जा रही हैं। इलेक्ट्रिक बस बनाने वालों के लिए हमने अनुदान देने की पॉलिसी बनाई है। इसमें कई प्रस्ताव भी हमारे पास आए हैं। अकेले यूपी को डेढ़ लाख बसें चाहिए। जो भी आएगा उसके सामने यूपी का इतना बड़ा मार्केट है। यहां बहुत डिमांड और नई- नई संभावनाएं हैं।

सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश खाद्यान्न, गन्ना उत्पादन में पहले स्थान पर है। जितना हम उत्पादन कर रहे हैं, उससे तीन गुना कर सकते हैं। थोड़ा और प्रोत्साहित करेंगे तो यह बढ़ जाएगा। अभी हमारे किसानों को अच्छा बीज मिलने में कठिनाई है। वेयर हाउस की कमी है। यह सभी चीजें मिल जाएं, फूड प्रोसे-सिंग और निर्यात से जोड़ दें तो तीन गुना स्थिति बढ़ जाएगी। मुझे गोरखपुर में खेती भी देखनी होती है। भंडारा कराना होता है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री बनने के बाद ध्यान देना कम हो गया था, जिससे उत्पादन कम हो गया। मैंने फिर देखना शुरू किया तो इस बार उत्पादन बढ़ गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि चिकित्सा के क्षेत्र में भी हम आगे बढ़ रहे हैं। टेली कंसल्टेशन शुरू कर दिया।वर्चुअल कोचिंग चल सकती है तो टेली कंसल्टेशन के माध्यम से हम स्वास्थ्य की सलाह भी दे सकते हैं। सीएम ने कोविड काल का जिक्र किया और उस समय स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में कहा कि हमने एक हजार से बढ़ाकर पांच लाख टेस्ट प्रतिदिन की क्षमता विकसित की। हमारे 36 जनपदों में आईसीयू का एक भी बेड नहीं था, लेकिन अब हालत देख लें। उन्होंने युवाओं को प्रेरित किया कि जीवन के अलग-अलग क्षेत्र में हम बहुत कार्य कर सकते हैं।

रेल विस्तार के लिए ढहाई गई मेरठ की जहांगीर मस्जिद

गोरखपुर में अवैध मस्जिद को 15 दिन का अल्टीमेटम

लखनऊ, 23 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में दो मस्जिदों को हटाने को लेकर प्रशासन की कार्रवाई चर्चा में है। मेरठ के दिल्ली रोड पर स्थित जहांगीर खां मस्जिद को शुक्रवार देर रात रैपिड रेल और सड़क चौड़ीकरण परियोजना के तहत गिरा दिया गया। यह कार्रवाई प्रशासन और मस्जिद प्रबंधन समिति की सहमति से हुई। वहीं, गोरखपुर में घोष कंपनी चौराहे पर नगर निगम की जमीन पर बनी एक मस्जिद को अवैध निर्माण घोषित कर 15 दिन में खुद हटाने का अल्टीमेटम दिया गया है। प्रशासन का कहना है कि बिना स्वीकृत नक्शे के मस्जिद बनाई गई थी।

उत्तर प्रदेश के मेरठ में दिल्ली रोड स्थित जहांगीर खां मस्जिद को शुक्रवार (21 फरवरी 2025) देर रात प्रशासन ने हटा दिया। यह कार्रवाई रैपिड रेल और सड़क चौड़ीकरण परियोजना के चलते की गई, क्योंकि मस्जिद निर्माण में बाधा बन रही थी। मस्जिद प्रबंधन समिति और प्रशासन के बीच सहमति बनने के बाद यह कार्रवाई हुई।

इससे पहले एनसीआरटीसी अधिकारी और प्रशासन कई दिनों तक मस्जिद हटाने को लेकर बातचीत कर रहे थे। मस्जिद समिति ने खुद इसे हटाने से इनकार कर दिया, जिसके बाद प्रशासन ने रात 1:30 बजे बुलडोजर से इसे गिरा दिया। कार्रवाई के दौरान हरे पर्दे लगाए गए ताकि माहौल शांतिपूर्ण बना रहे। रात में इस कार्रवाई को इसलिए अंजाम दिया गया ताकि कोई अप्रिय स्थिति न हो और यातायात प्रभावित न हो। मस्जिद से धार्मिक और कीमती सामान पहले ही हटा लिया गया था। प्रशासन का कहना है कि पूरी प्रक्रिया सहमति से हुई और अब रैपिड रेल और सड़क चौड़ीकरण का कार्य तेज़ी से आगे बढ़ाया जाएगा।

गोरखपुर के घोष कंपनी चौराहे पर नगर निगम की जमीन पर बनी एक मस्जिद को गिराने के लिए जीडीए ने 15 दिन का अल्टीमेटम दिया है। यह मस्जिद बिना स्वीकृत नक्शे के बनाई गई थी, जिस कारण प्रशासन ने इसे अवैध घोषित कर दिया। 15 फरवरी को मुतवल्ली के बेटे शोएब अहमद को नोटिस देकर खुद निर्माण हटाने को कहा गया, अन्यथा प्रशासन इसे गिरा देगा और खर्च वसूलेगा। इससे पहले नगर निगम ने इसी जगह से 31 दुकानों और 12 आवासीय परिसरों को हटा दिया था, लेकिन मस्जिद का निर्माण विवादित बना रहा। नगर निगम ने मस्जिद निर्माण के लिए 60 वर्ग मीटर जमीन देने की पेशकश की थी, लेकिन निर्माण के दौरान नक्शा पास नहीं कराया गया, जिससे यह अवैध घोषित हुआ।

इस बीच, मस्जिद के मुतवल्ली ने जीडीए के आदेश को कमिश्नर कोर्ट में चुनौती दी है, लेकिन प्रशासन का रुख कड़ा है। पहले भी मस्जिद को नोटिस दिए गए थे, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। अब 15 दिन में निर्माण नहीं हटाने पर प्रशासन खुद कार्रवाई करेगा। नगर निगम और जीडीए इस आदेश को सख्ती से लागू करने की तैयारी में हैं।

संभल में सनातन तीर्थों का पुनरुद्धार

अतिक्रमण से मुक्त कराए गए 44 देव तीर्थ

संभल, 23 फरवरी (एजेंसियां)। भगवान कल्कि के अवतरण की भूमि बताए जा रहे संभल में एक-एक करके सनातन तीर्थ अब सामने आ रहे हैं। इसको लेकर संभल जिले के डीएम राजेंद्र पेंसिया ने बताया कि संभल महात्म्य में जिस प्रकार का वर्णन किया गया है उसके अनुसार संभल के तीन कोनों पर तीन शिव मंदिर हैं। इनके बीच में 87 देव तीर्थ और 5 महातीर्थ हैं।

संभल के जिलाधिकारी राजेंद्र पेंसिया कहते हैं कि इन सभी तीर्थों में अधिकतर पर अतिक्रमण किया गया था। 87 में से अब तक 60 देव तीर्थों को ढूंढ़ा जा चुका है, जिसमें से 44 देव तीर्थों को अतिक्रमण मुक्त कराया जा चुका है।

बाकी को ढूंढ़ कर अतिक्रमण मुक्त कराए जाने की प्रक्रिया जारी है। सभी तीर्थों का पुनरुद्धार करने के लिए एक विस्तृत डीपीआर बनाकर सरकार को भेजने जा रहे हैं। इसके अलावा वंदन योजना के अंतर्गत, नगर पालिका परिषद के 15वें वित्त के अंतर्गत व पर्यटन और धर्मार्थ विभाग के अंतर्गत जो भी बजट हमें दिया जा रहा है, उससे हम अपनी तैयारियां कर रहे हैं।

यमघंट तीर्थ, चतिष्मुख कूप समेत जितने भी कूप हैं, उन्हें शीघ्र ही पुनर्जीवित करने की कोशिशें की जा रही हैं। ऐसा इसलिए भी क्योंकि वर्षा आने वाली है और वर्षा के आगमन पर इसके जरिए जल संरक्षण होगा। क्योंकि, संभल सूखे के जोन में पड़ता है और इसका फायदा जल स्तर को होगा। हमारे इन तीर्थों को जल तीर्थ कहा जाता था ऐसे में इनका पुनरुद्धार आवश्यक है।

संभल में पर्यटन को लेकर जिलाधिकारी ने कहा कि पर्यटन के लिहाज से देखें तो बीते कुछ वक्त में संभल में पर्यटकों और तीर्थयात्रियों की संख्या बढ़ी है। बाहर से तो लोग यहां के तीर्थों के बारे में जानने के लिए आ ही रहे हैं, लेकिन इसके साथ ही यहां के लोकल लोग भी इन जगहों पर पहुंच रहे हैं।

आस्था के महापर्व महाकुंभ में उमड़ रहा श्रद्धालुओं का सैलाब

नामचीन हस्तियों ने किया संगम स्नान

महाकुंभ नगर, 23 फरवरी (एजेंसियां)। महाकुंभ 2025 में श्रद्धा और भक्ति का महासंगम देखने को मिल रहा है। करोड़ों श्रद्धालु त्रिवेणी संगम में आस्था की डुबकी लगा रहे हैं। देश के बड़े नेता, संत-महात्मा और गणमान्य व्यक्ति भी इस महापर्व में शामिल हो रहे हैं। इसी क्रम में रविवार को उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) गुरमीत सिंह,

ओड़ीशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण मांझी, भाजपा नेता संबित पात्रा और सूफी सिंगर कैलाश खेर ने पुण्य डुबकी लगाई। करोड़ों श्रद्धालुओं के संगम स्नान आने के साथ ही यहां चैंपियंस ट्रॉफी में पाकिस्तान पर भारत की जीत के लिए विशेष पूजा का भी आयोजन किया गया।

उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) गुरमीत सिंह ने कुंभ के आयोजनों की सराहना की। उन्होंने कहा, मैं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और सभी अधिकारियों को बेहतरीन व्यवस्थाओं के लिए बधाई देता हूं। यह क्षण शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता, इसे केवल महसूस किया जा सकता है। ओड़ीशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण मांझी भी प्रयागराज पहुंचे। उन्होंने कहा, मैं अपने परिवार के साथ यहां आया हूं। व्यवस्थाएं बहुत अच्छी हैं। मैं उत्तर प्रदेश सरकार को धन्यवाद देता हूं। लाखों श्रद्धालु पवित्र स्नान के लिए आ रहे हैं।

भाजपा नेता संबित पात्रा ने त्रिवेणी संगम में डुबकी लगाई और कहा, यह पुण्य का क्षण है। मैं आज पुरी से प्रयागराज पहुंचा हूं।

यहां की व्यवस्थाएं बहुत अच्छी हैं। भक्ति संगीत के प्रसिद्ध गायक कैलाश खेर ने संगम में आस्था की डुबकी लगाई। उन्होंने कहा, भारत श्रद्धा की भूमि है। लोग भारी बैग लेकर यहां आ रहे हैं, लेकिन उनके दिल श्रद्धा से भरे हुए हैं। प्रयागराज में भारतीय क्रिकेट टीम की जीत के लिए विशेष पूजा और आरती का आयोजन किया गया। रविवार को दुबई में भारत और पाकिस्तान के बीच आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का हाई-वोल्टेज मुकाबला खेला जा रहा है।

संगम में डिजिटल डुबकी लगवा कर कमा रहा शख्स

महाकुंभ नगर, 23 फरवरी (एजेंसियां)। प्रयागराज में दुनिया के सबसे बड़े धार्मिक समागम महाकुंभ मेले में लाखों श्रद्धालु पवित्र स्नान कर चुके हैं। वहीं, लाखों लोगों की इच्छा है कि वे 144 साल बाद आए इस दुर्लभ योग वाले महाकुंभ में स्नान करें। हालांकि, अत्यधिक भीड़ के कारण ट्रेन, फ्लाइट या बस में आसानी से टिकट नहीं मिल रही है। सड़कों पर भीषण जाम लगा हुआ है। इस कारण अपनी गाड़ी से भी जाना मुश्किल है। वहीं, कई लोग ऐसे भी हैं जो स्वास्थ्य या अन्य कारणों से महाकुंभ जाने में असमर्थ हैं। ऐसे लोग महाकुंभ नहीं जा पाने पर अफसोस कर रहे हैं। हालांकि, उन्हें अफसोस करने की जरूरत नहीं है। इस आध्यात्मिक महोत्सव में व्यक्तिगत रूप से शामिल न हो पाने वालों के लिए ऑनलाइन एक अनूठा जुगाड़ सामने आया है।

इंटरनेट पर वायरल हो रहे एक वीडियो में, एक शख्स डिजिटल स्नान (पवित्र डुबकी) सेवा दे रहा है। 1,100 रुपए के शुल्क पर, ये सेवा व्हाट्सएप के जरिए भेजे गए भक्तों की तस्वीरें इकट्ठा करती है। फिर दूरदराज के भक्तों की तस्वीर की एक प्रति पवित्र जल में विसर्जित करके उनकी आत्मा को शुद्ध करने का दावा करती है। दीपक गोयल नाम के इस शख्स ने कहा कि वो प्रयागराज से हैं और नियमित रूप से संगम जाते हैं।

उन्होंने कहा कि वो पैसे भेजने के 24 घंटे के भीतर भक्तों की तस्वीरें लेकर संगम जाते हैं और उन्हें डुबकी लगवा देते हैं।

सोशल मीडिया पर शेयर की गई डिजिटल स्नान सेवा ने सोशल मीडिया यूजर्स के बीच तेजी से लोकप्रियता हासिल की है। कई लोगों ने दीपक की आलोचना करते हुए कहा कि वो लोगों की मासूमियत और भक्ति का फायदा उठा रहा है। हालांकि, कुछ लोगों ने इस आइडिया की तारीफ की और उन्हें असली उद्यमी कहा। एक यूजर ने टिप्पणी की, तुम अंधभक्ति की आल-ोचना करते रहो, उसने अंधभक्ति में बिजनेस ढूंढ लिया। असली उद्यमी। एक अन्य ने चुटकी लेते हुए कहा, चीन के पास डीपसीक है, तो हमारे पास डीप स्नान है। एक यूजर ने कहा, भारत में गुप्त सीरीज जारी है। एक व्यक्ति ने कहा, यह व्यंग्य या कॉमेडी नहीं है। एक इंस्टाग्राम यूजर ने मजाक में कहा, वाटरप्रूफ फोन में वीडियो कॉल पर डुबकी लगा दो भाई, 10 गुना रिटर्न।दुनिया का सबसे बड़ा आध्यात्मिक और सांस्कृतिक समागम महाकुंभ मेला पौष पूर्णिमा, 13 जनवरी को शुरू हुआ और 26 फरवरी को सम्पन्न होगा। अब तक त्रिवेणी संगम पर पवित्र डुबकी लगाने वाले श्रद्धालुओं की कुल संख्या 58 करोड़ को पार कर गई है, जबकि आयोजन समाप्त होने तक यह संख्या 65 करोड़ को पार करने की उम्मीद है।

कड़वा करेले के कई फायदे

करेले के कड़वेपन की वजह से भले ही ज्यादा लोग इसे नापसंद करते हों लेकिन इसमें कई एंटीऑक्सीडेंट और विटामिन होते हैं जो हमें निरोगी बनाए रखने में खासे मददगार साबित हो सकते हैं। इसमें अधिक मात्रा में विटामिन-ए, बी और सी होते हैं। यह कैरोटीन, बीटाकैरोटीन, लूटीन, आयरन, जिंक और मैगनीशियम से भरपूर होता है। इससे चेहरे के दाग-धब्बे, मुंहासे व त्वचा रोगों में लाभ होता है।

क्या है ये हाइलेंडर सिंड्रोम

हाइलेंडर सिंड्रोम सुनने में तो बाकी अजीब बीमारियों की ही तरह लगता है, लेकिन ये सिंड्रोम बड़ा ही अजीब और विरला है। इस सिंड्रोम से पीड़ित किसी व्यक्ति की उम्र बेहद ज्यादा हो जाने के बाद भी वह किसी बच्चे जैसा ही दिखाई पड़ता है। हालांकि हाइलेंडर सिंड्रोम पर अभी भी शोध हो रहे हैं और इसके बारे में अधिक जानकारी जुटाने का प्रयास किया जा रहा है। कोरिया के ह्योमिन शिन हाइलेंडर सिंड्रोम से पीड़ित हैं।

प्राकृतिक तरीकों से करें जुकाम का उपचार

सर्दियों में नजला-जुकाम होना आम है, पर इससे निजात पाना कई बार आसान नहीं होता।

कुछ घरेलू उपचार के तरीके

सुहागे को तवे पर फुला कर बारीक पीस कर शीशी में भर लें।

नजला-जुकाम होने पर आधा ग्राम (बच्चों के लिए आधी मात्रा) गरम पानी के साथ दिन में तीन बार लें। पहले दिन से आराम आना शुरु हो जाएगा।

विशेष: सुहागे को फुलाने या खील बनाने के लिए सुहागे को बारीक कूट कर लोहे को स्वच्छ कड़ाही में या तवे पर डालें और तेज आंच में इतना पकाएं कि पिघलने के पश्चात् सूख जाए। यह धीरे-धीरे फूलने लगेगा। फूलने के बीच लोहे की छुरी से इसे उलट-पुलट करते रहें। सारा सुहागा फूलने के बाद पीस लें।

काली मिर्च और बताशा

सात काली मिर्च और सात बताशे पाव भर जल में पकाएं। चौथाई रहने पर इसे गरमागरम पी लें और सारा शरीर ढ़क कर दस मिनट तक लेट जाएं। सुबह खाली पेट और रात सोते समय दो दिन प्रयोग करें। जुकाम के अलावा खांसी, हल्की हरारत और शरीर के दर्द में भी आराम मिलता है। ज्वर सहित जुकाम होने पर सात तुलसी की पत्तियां भी काढ़ा बनाते समय डाल दें और यह काढ़ा दिन में दो बार लें।

तुलसी की चाय

ताजा तुलसी की पत्तियां 7 से 11 तक (अथवा छाया में सुखाई गई तुलसी की पत्तियों का चूर्ण एक ग्राम या चौथाई चम्मच), ताजा अदरक दो ग्राम (या सूखी सौंठ का चूर्ण आधा ग्राम), काली मिर्च (कुटी हुई) सात नग-तीनों वस्तुओं को 200 ग्राम उबलते हुए पानी में दो मिनट उबालें। फिर नीचे उतारकर दो मिनट ढ़क दें। अब छानकर इसमें उबला हुआ दूध 100 ग्राम और मिश्री या चीनी एक-दो चम्मच डालकर गरम-पी लें। पांच-दस मिनट सो जाएं। इससे सर्दी का सिर दर्द, नाक में सर्दी, जुकाम, श्वास नली में सूजन एवं दर्द (ब्रोनकाइटिस), साधारण बुखार, मलेरिया, बदहजमी आदि रोग दूर होते हैं। बच्चों को चाय में आधी मात्रा दें। दिन में दो बार आवश्यकतानुसार दो-तीन दिन लें। गले के रोगों और श्वसन प्रणाली की झिल्ली पर स्वास्थ्यकर प्रभाव डालने की तुलसी में अदभुत क्षमता है। जमा हुआ कफ ढ़ीला होकर निकल जाता है।

जुकाम में नाक बंद होना

10 ग्राम अजवायन को एक साफ कपड़े की पोटली में बांध कर तवे पर गर्म कर लें। फिर इसे बार-बार सूंघने से जुकाम में आराम होता है, बंद नाक खुल जाती है, गंदा पानी निकल जाता है व सिर का भारीपन मिट जाता है।

छाती का दर्द/पसली चलना

अजवायन एक चम्मच को 250 ग्राम पानी में उबालें, चौथाई शेष रहने पर काढ़े को छान कर रात को पीकर सो जाएं। दिन में दो बार नियमित पीने से 5-7 दिन में छाती का दर्द नष्ट होता है। यह काढ़ा दो चम्मच की मात्रा से दिन में दो बार कुछ दिन देने से पसली चलना भी ठीक होता है।

स्वास्थ्य की कुंजी है आपके हाथों में

आज की तेज रफ्तार जीवनशैली में खुद को स्वस्थ रखना बहुत जरूरी हो गया है। आप कुछ मूलभूत बातें ध्यान में रखें और समय-समय पर डॉक्टर से रूटीन चेकअप कराते रहें तो कई बीमारियों से सुरक्षित रह सकते हैं।

स्वस्थ शरीर के कुछ मूलभूत पैमाने होते हैं, जिन्हें परख कर आप अपने स्वास्थ्य की जांच कर सकते हैं और भविष्य में होने वाली किसी बड़ी बीमारी या उसके खतरे से खुद को बचाए रख सकते हैं।

कितना हो आपका वजन

किसी भी व्यक्ति का आदर्श वजन उसके मसल्स, मोटापे आदि पर निर्भर करता है। आदर्श वजन होने का अर्थ यह नहीं है कि हर स्थिति में व्यक्ति के शरीर का वजन भी एक जैसा रहे, बल्कि समय व परिस्थिति के मुताबिक वजन में परिवर्तन होते रहना स्वाभाविक है। आदर्श वजन में आपकी उम्र और लंबाई के आधार पर आपका कुछ निश्चित वजन होना चाहिए।

शोध के अनुसार

आपके आदर्श वजन के लिए अंतराराष्ट्रीय मानक बीएमआई यानी बॉडी मास इंडेक्स को माना जाता है। इसके अनुसार एक स्वस्थ व्यक्ति के लिए 23 से 30 बीएमआई तक रखा गया है। 23 से कम अंडरवेट और 30 से अधिक बीएमआई को ओवरवेट की श्रेणी में रखा गया है। अंडरवेट यानी कम वजन होने पर आपके पूरे शरीर की कार्यशैली पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। याददाश्त कम होती है। शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता क्षीण हो जाती है। ओवरवेट होने की स्थिति में मोटापा, हृदय रोग, कोलेस्ट्रॉल का बढ़ना, उच्च रक्तचाप, जोड़ों में दर्द और लिवर पर बुरा प्रभाव पड़ता है।

हीमोग्लोबिन की कमी

हमारे शरीर में हीमोग्लोबिन का सही स्तर होना बहुत जरूरी है। हीमोग्लोबिन की कमी से आप एनीमिया और कुपोषण की चपेट में आ सकते हैं। महिलाओं में हीमोग्लोबिन का स्तर 12 से 16 के बीच होना चाहिए, जबकि पुरुषों में 14 से 18 के बीच। शरीर में हीमोग्लोबिन के निर्माण का कार्य आयरन ही करता है, जो शरीर के अंगों को सुडौल और शरीर को स्वस्थ रखता है। इसलिए शरीर में आयरन संतुलित मात्र में होना चाहिए। आयरन की कमी या अधिकता दोनों ही शरीर के लिए हानिकारक साबित हो सकती हैं। हीमोग्लोबिन की कमी से थकान होना, सांस फूलना, हाथ-पैरों में सूजन आदि की समस्या होती है। इससे रोगप्रतिरोधक क्षमता कम होती है और एनीमिया हो सकता है।

कोलेस्ट्रॉल का नियंत्रण जरूरी

शरीर में अतिरिक्त चर्बी जहां नुकसान देती है, वहीं वसा की कमी के कारण कई सेल्स और हार्मोस बनने बंद भी हो सकते हैं। हमारे शरीर में दो तरह के कोलेस्ट्रॉल होते हैं, जिन्हें गुड कोलेस्ट्रॉल यानी एचडीएल और बैड कोलेस्ट्रॉल यानी एलडीएल की श्रेणी में रखा गया है। एक स्वस्थ व्यक्ति के शरीर का एलडीएल 130 से नीचे और एचडीएल महिला में 40 से ज्यादा और पुरुष में 50 से ज्यादा होना चाहिए।

रक्तचाप रहे नियंत्रित

स्वस्थ व्यक्ति का रक्तचाप नियंत्रण में रहना बहुत जरूरी है। स्वस्थ शरीर का ऊपरी रक्तचाप यानी सिस्टोलिक 130 और नीचे का रक्तचाप यानी डाइस्टोलिक 80 होना चाहिए। ये दोनों रक्तचाप कम या ज्यादा हों तो उच्च या निम्न रक्तचाप की स्थिति होती है।

ध्यान दें

उच्च रक्तचाप की स्थिति में व्यक्ति को हाइपरटेंशन, हार्ट प्रॉब्लम, किडनी रोग, नर्व सिस्टम पर बुरा असर, मस्तिष्क पर प्रतिकूल प्रभाव, आई साइट कम होना और सिरदर्द जैसी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। निम्न रक्तचाप में घबराहट, पसीना आना, कमजोरी, सिरदर्द, चक्कर आने जैसी समस्याएं दिखती हैं।

सही पॉश्चर दूर कर सकता है आपके दर्द

जो लोग कम्प्यूटर पर लगातार काम करते हैं, उन्हें अमूमन बैक पेन, कलाई या कमर के दर्द की शिकायत हो जाती है। ऐसा न हो, इसके लिए जरूरी है कि कुछ सावधानियां बरती जाएं।

कुर्सी से चिपकी रहे पीठ

कम्प्यूटर के सामने बैठते वक्त हमारी पीठ एकदम सीधी हो। खासतौर से हमारी रीढ़ की हड्डी। वह कुर्सी से पूरी तरह से चिपकी हुई हो। कुर्सी पर इस तरह से बैठें कि रीढ़ की हड्डी और कुर्सी के बीच जगह न बचे। कोशिश करें कि हिप्स तक का हिस्सा कुर्सी से चिपका हुआ हो।

स्ट्रेट गर्दन, स्ट्रेट चेहरा

हमारी गर्दन भी स्ट्रेट होनी चाहिए। कई लोग गर्दन को आगे की ओर निकाल लेते हैं, यह गलत है। गर्दन कंधों से ऊपर होनी चाहिए। कई लोग गर्दन को कंधे के बीच में धंसा लेते हैं। यह भी गलत है, इससे भी समस्या हो सकती है। इसी तरह से यह भी ध्यान रखें कि चेहरा बाहर की ओर निकला हुआ न हो। चेहरा सामान्य अवस्था में होना चाहिए। अगर चेहरा कंधों से बाहर निकला है तो गर्दन पर दबाव पड़ेगा, जो अच्छा नहीं है।

सीधी रखें अपनी कलाई

अगर आप कलाई के दर्द से बचना चाहते हैं तो कोशिश करें कि हाथ माउस या कीबोर्ड की दिशा में एकदम सीधा हो। अगर आप उसे कोहनी से मोड़कर रखेंगे तो आपकी कलाई में दर्द होने की पूरी संभावना है।

फुटरेस्ट पर रखें पैर

ये भी कोशिश करें कि आपकी कुर्सी के आगे फुट सपोर्ट या सपोर्टिंग स्टूल हो, जिस पर आप पैरों को फैला कर रख सकें। पैरों को 90 डिग्री के कोण पर रखते हुए काम करने से पैरों में दर्द हो सकता है।

शरीर के पास रखें हाथ

हाथ और कोहनी को शरीर के पास रखें, ताकि शरीर को पूरा सपोर्ट मिल सके। शरीर और हाथ के बीच दूरी होगी तो मांसपेशियों में दर्द हो सकता है

स्टैमिना की स्पेशल डायट

मॉडर्न लाइफस्टाइल में चाहे कामकाजी युवा हो, स्टुडेंट हो या हाउसवाइफ सब शरीर की औसत शक्ति से ज्यादा मेहनत करते हैं। इसीलिए एक्स्ट्रा स्टैमिना की जरूरत होती है। एक्स्ट्रा स्टैमिना तब मिलता है, जब हम उसके लिए स्पेशल डायट लें। जो लोग इस पहलू को नहीं समझते, वे कई तरह की शिकायतों का सामना करते हैं। मसलन छोटे-छोटे काम करके ही थक जाते हैं। सीढ़ियां चढ़ने पर सांस चढ़ने लगती है। कई बार समस्या इतनी बढ़ जाती है कि लोग अचानक से चक्कर खाकर गिर जाते हैं या बेहोश हो जाते हैं। ऐसी कौन -सी चीजें हैं, जिन्हें नियमित रूप से खाने से हमारी स्टैमिना पावर बढ़ जाती है।

विटामिन सी

ऐसे फलों का नियमित सेवन करना चाहिए, जिनमें विटामिन सी पाया जाता हो। एक्सपर्ट मानते हैं कि अंगूर ऐसे फलों में बेस्ट हैं। अंगूर से न सिर्फ शरीर में एनर्जी बनती है, बल्कि दिन भर एनर्जी का संतुलित लेवल शरीर में बना रहता है।

विटामिन बी: अनाज तो हम सब खाते हैं। अगर हम ऐसे अनाज खायें, जिनमें विटामिन बी अच्छी मात्रा में हो तो हमारा स्टैमिना और अच्छा हो सकता है।

गेहूं की घास: दूध में गेहूं की छोटी घास मिला कर खाएं तो यह भी हेल्दी नाश्ता माना जाता है। कहते हैं कि इसमें सब्जियों के मुकाबले 25 गुना अधिक पौष्टिक तत्व होते हैं।

ओट

ओट का सेवन हम सुबह या शाम के नाश्ते में कर सकते हैं। ओट पानी या दूध के साथ मिला कर खाया जाता है।

मूंग की दाल

मूंग की दाल हम उबाल कर या तल कर खा सकते हैं। इसे स्प्राउट के रूप में भी खा सकते हैं। इसका सूप बना कर पी सकते हैं।

स्क्वैश

फलों से बने स्क्वैश पीने से भी शरीर में हारमोंस और ब्लड शुगर का लेवल ठीक रहता है। स्क्वैश और जूस में यह अंतर होता है कि जूस केवल रस होता है, जबकि स्क्वैश में फलों का पल्प भी होता है, जिससे ये ज्यादा पौष्टिक होते हैं।

बेहद खतरनाक है फोबिया

यदि आपका डर आपके लिए सजा बन जाए तो यह आपके लिए खतरे की बात है, क्योंकि आपको मात्र डर नहीं है बल्कि आप फोबिया से ग्रस्त हैं। फोबिया केवल डर ही नहीं, एक गंभीर बीमारी है, जो आपके पूरे जीवन को प्रभावित कर सकती है।

क्या है फोबिया?

फोबिया एक प्रकार का रोग है, जिसमें इंसान को किसी खास वस्तु, कार्य एवं परिस्थिति के प्रति भय उत्पन्न हो जाता है। इसमें व्यक्ति उन चीजों से बचने की कोशिश करता है। फोबिया में अपने डर की सोच भी व्यक्ति को इतना डरा देती है कि उसकी मानसिक व शारीरिक क्षमताओं पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इसमें इंसान का डर वास्तविक या काल्पनिक दोनों हो सकते हैं। आमतौर पर किसी भी तरह के फोबिया से ग्रस्त रोगी अपने डर पर पर्दा डाले रहते हैं। उन्हें लगता है कि अपना डर दूसरों को बताने से लोग उन पर हंसेंगे। इसलिए वे अपने डर व उस परिस्थिति से सामना करने की बजाय बचने की हर संभव कोशिश करते हैं।

कैसे-कैसे फोबिया

चाइल्डहुड फोबिया

यह फोबिया बचपन से होने वाला फोबिया है। इसमें बचपन में ही किसी चीज, व्यक्ति, जानवर या परिस्थिति के प्रति डर बैठ जाता है, जो वक्त के साथ खत्म न होने पर फोबिया बन जाता है। यह डर या तो बच्चों में खुद होता है या कई बार अभिभावक ही बच्चों को अनुशासन में रखने के लिए किसी चीज से डरा देते हैं। वैसे तो यह डर उम्र के साथ खत्म हो जाता है, लेकिन कई बार जब यह डर बड़े होने पर भी नहीं जाता तो फोबिया का रूप धारण कर लेता है। इसलिए बच्चों को डराने की बजाय प्यार से समझाने की कोशिश करें।

एडल्टहुड फोबिया

कुछ डर वयस्क होने के बाद पैदा होते हैं। इनका प्रभाव सबसे ज्यादा यंग जनरेशन पर पड़ता है। एडल्टहुड फोबिया में कई तरह के फोबिया शामिल होते हैं।

एग्रोफोबिया

एग्रोफोबिया एक तरह का फोबिक डिसऑर्डर है, जो यह अपने साथ कई अन्य परेशानियां भी लाता है। इनमें डिप्रेशन, हर तरह की बेचैनी आदि प्रमुख हैं। एग्रोफोबिया में व्यक्ति को बिना किसी कारण के ही डर लगता है। यह डर किसी चीज, व्यक्ति, जानवर या परिस्थिति से जुड़ा हुआ न होकर खुद के प्रति ही होता है। एग्रोफोबिया का मरीज अकेलेपन से डरता है। वह भीड़ में खड़ा होकर भी खुद को अकेला ही महसूस करता है। वह कहीं अकेले जा नहीं सकता, अकेले रह नहीं सकता। उसे लगता है कि वह किसी भी परिस्थिति का सामना नहीं कर सकता। ऐसे लोगों का आत्मविश्वास न के बराबर होता है। ऐसे लोग अकेले बाहर न जा सकने के कारण खुद को घर में ही कैद कर लेते हैं।

फोबिया के लक्षण

फोबिया के रोगी आम लोगों की तरह ही दिखाई देते हैं। वैसे तो इस रोग का पता नहीं चल पाता है, लेकिन फोबिया के रोगियों का अपने डर से सामना होने और अपने डर के बारे में बात करने पर इसके लक्षण सामने आते हैं। आमतौर पर फोबिया के रोगी अपने डर से दूर ही रहते हैं, लेकिन अनजाने में अपने डर को अपने सामने देखकर उन्हें फोबिया का दौरा पड़ता है। ऐसे में उनमें तनाव, बेचैनी, पसीने आना, परिस्थिति या लोगों से दूर भागना, सिर में भारीपन, कानों में अलग-अलग आवाजें सुनाई देना, दिल की धड़कन बढ़ जाना, सांस तेज होना, डायरिया, चक्कर आना, शरीर में कहीं भी दर्द को महसूस करना, पेट खराब हो जाना, ब्लड प्रेशर बढ़ना या कम हो जाना जैसी दिक्कतें दिखाई देती हैं। फोबिया का दौरा पड़ने पर रोगी में इस तरह के लक्षण दिखाई देने लगते हैं। ऐसे में रोगी बहुत ज्यादा पेनिक हो जाता है। ऐसी स्थिति में रोगी के साथ किसी भी तरह की जबरदस्ती उसके लिए खतरनाक हो सकती है। जबरदस्ती करने से रोगी और भी ज्यादा पेनिक हो जाता है और उसका डर कोई भी भयंकर रूप ले सकता है।

उपचार

फोबिया के इलाज के लिए कोई एक खास ट्रीटमेंट नहीं होता है। हर मरीज का फोबिया और उसकी परिस्थिति अलग-अलग होती है, इसलिए फोबिया का इलाज भी मरीज और उसके डर के अनुरूप ही किया जाता है। डॉक्टर बताते हैं कि फोबिया के इलाज के लिए दवाएं, काउंसिलिंग, मनोवैज्ञानिक थेरेपी का इस्तेमाल किया जाता है। फोबिया के ट्रीटमेंट के लिए रोगी के थायरॉयड, ब्लड शुगर, डायबिटीज आदि की जांच करना भी जरूरी होता है।

कुछ आम फोबिक डर

- बंद जगह में डर लगना
- अंधेरे में डर लगना
- ज्यादा ऊंचाई वाली जगह में डर लगना
- भीड़भाड़ वाली जगह में डर लगना
- कहीं बाहर जाने का डर
- चूहा, छिपकली, मकड़ी जैसे छोटे-छोटे जीवों का डर
- मरने का डर
- बिजली की चमक, गड़गड़ाहट और तेज बारिश से डर
- पानी से डर

बड़े डर की आशंका खतरे को बढ़ा देती है

ब्रिटिश वैज्ञानिकों ने चिंता और डर के रहस्य को खोलने की कोशिश में कई महत्वपूर्ण बातों का पता लगाया है। वैज्ञानिकों के मुताबिक, किसी भी तरह के खतरे पर दिमाग की प्रतिक्रिया खतरे की दूरी, दिशा और खतरे के अनुमान पर निर्भर होती है। रिसर्च में पता चला है कि दिमाग के भय नेटवर्क के विभिन्न हिस्से अलग-अलग खतरे पर अलग-अलग प्रतिक्रिया के लिए जिम्मेदार होते हैं। शोध टीम का नेतृत्व करने वाले डीन मोब्स का कहना है कि दिमाग में सिर्फ एक ढ़ांचा नहीं होता, बल्कि भय नेटवर्क के अलग-अलग अंग होते हैं और वे डर पर होने वाली प्रतिक्रिया को दिखाने के लिए मिलकर काम करते हैं। खतरे का गलत अंदाजा लगाने की भूल ही लोगों में फोबिया के बढ़ने का कारण होती है। किसी चीज, लोग, जानवर और परिस्थितियों से बेतुका, गहन और लगातार भय ही फोबिया कहलाता है। मोब्स का कहना है कि बड़े डर की आशंका ही दिमाग में खतरे के आकार को बढ़ा देती है।

सोशलफोबिया

युवाओं में पाया जाने वाला सबसे आम फोबिया है। इस फोबिया के शिकार आमतौर पर स्कूल और कॉलेज जाने वाले युवा होते हैं। सोशल फोबिया के शिकार लोग किसी भी सार्वजनिक स्थान पर जाने से, वहां बोलने से, वहां खाने से भी डरते हैं। इस फोबिया में सबसे ज्यादा स्पीचिंग कम्यूनिकेशन की समस्या होती है।

मोनो जाइगोटिक ट्वीन्स फोबिया

यह एक तरह का जेनेटिक फोबिया होता है, जो जुड़वा बच्चों को ही होता है। इसमें अगर एक बच्चा किसी फोबिया का शिकार है तो दूसरा बच्चा भी उसी फोबिया से ग्रस्त होगा। सभी ट्वीन्स के साथ ये समस्या नहीं होती है, लेकिन फिर भी आमतौर पर ट्वीन्स के साथ इस तरह की शिकायत देखी गई है।

रेसिपी

कोकोनट पछड़ी

सामग्री

- 3/4 कप ताजा दही, फेंटा हुआ
- 1/3 कप ताजा कसा हुआ नारियल
- 2 टी-स्पून बारीक कटी हुई हरी मिर्च
- 1/2 टी-स्पून बारीक कटा हुआ अदरक
- नमक स्वादअनुसार
- 2 टी-स्पून नारियल का तेल/ अन्य तेल
- 1/4 टी-स्पून सरसों
- 7 से 8 कड़ी पत्ते

विधि

दही, नारियल, हरी मिर्च, अदरक और नमक को साथ में परोसने के बाउल में अच्छी तरह मिला लें। एक तरफ रख दें। तड़के के लिए, एक छोटे पॅन में तेल गरम करें और सरसों डालें। जब बीज चटकने लगे, कड़ी पत्ते डालकर, मध्यम आंच पर कुछ सेकन्ड तक भुन लें। तड़के को दही-नारियल के मिश्रण के उपर डालकर अच्छी तरह मिला लें। तुरंत परोसें।

गौंद के लड्डू

सामग्री

- 3 टेबल-स्पून गौंद
- 4 1/2 टेबल-स्पून घी
- 1 1/4 कप गेहूं का आटा
- 1/2 कप पीसी हुई शक्कर
- 1/2 टी-स्पून इलायची पाउडर
- घी, तलने के लिए

विधि

एक चौड़े नॉन-स्टिक पॅन में 31/2 टेबल-स्पून घी गरम करें, गेहूं का आटा डालकर, मध्यम आंच पर, लगातार हिलाते हुए 6 मिनट तक भुन लें। पुरी तरह ठंडा करने के लिए रख दें। एक गहरी नॉन-स्टिक कढ़ाई में तलने के लिए घी गरम करें और गौंद के फूलने तक तल लें। तेल सोखने वाले कागज पर निकाल लें। पीसी हुई शक्कर, तले हुए गौंद, इलायची पाउडर, बचा हुआ 1 टेबल-स्पून घी और भूने हुए आटे को एक गहरे बाउल मे अच्छी तरह मिला ले। मिश्रण को 15 भाग में बांटकर गोले बना लें। परोसें या हवा बद डब्बे में रखकर संग्रह करें।

संपादकीय

उम्मीद के पथ पर

बड़े संकल्पों से निकले उम्मीद के पथ आखिर शिक्षा के हिस्से में आए और 67 शिक्षक सिंगापुर निकल पड़े। इससे पहले कुछ छात्र इन्हीं राहों से होकर लौटे, तो इस सफर की कहानी में शिक्षा एक बड़ा पात्र होगी। बेशक आंखें खोलने के लिए विदेश के भ्रमण एक ताज की तरह होंगे, लेकिन किसी चांदनी को तोडक़र लाने के लिए यह कारवां छोटा है। आखिर हम शिक्षा से बतौर शिक्षक, बतौर अभिभावक, बतौर समाज और बतौर छात्र चाहते क्या हैं। जो बच्चों को चाहिए, उससे कब पूछा गया। जो मां-बाप को चाहिए, उससे स्कूलों का वर्गीकरण हो गया और जो शिक्षा को चाहिए, उसके भीतर रोजगार घुस गया। कोई टीचर इसलिए है क्योंकि वहां रोजगार के अत्यधिक अवसर मिले। हम ढंग से पाठ्यक्रम और पाठ्यक्रम के बीच ढंग से अध्ययन का माहौल नहीं दे सकते, लेकिन बच्चों को तोता बना सकते है। हैरानी यह कि शिक्षा में सफलता के फार्मूले अब बाजार में बिकते हैं। ले लो कोई दुकान चलाकर बता रहा है कि उसकी अकादमी से सीधे निकल कर डाक्टर बनोगे और कोई आईआईटी तक ले जा रहा है। जब ये अध्यापक सिंगापुर से लौटेंगे, तब भी हिमाचल शिक्षा बोर्ड के वार्षिक प्रश्नपत्र पर वास्तविक मूल्यांकन का खतरा मंडरा रहा होगा और तब भी शिक्षा की खोज में कोई बच्चा सीबीएसई या आईसीएसई स्कूल के बाहर अपना प्रवेश पा रहा होगा। शिक्षा के भीतर देशीपन है कहां जो हम विदेशी फार्मूलों में अपना सपना पूरा करेंगे। अंततः सारा हिमाचल तो शिमला की विभागीय कसरतों में शिक्षा विभाग का दस्तूर देखता है, जिसकी कसौटियों में अभी तक यह भी तय नहीं कि पूरे हिमाचल के स्कूल कब छुट्टियां मनाएं और कब खेल का मैदान सजाएं। शिक्षा विभाग तो माथापच्ची का पाठ्यक्रम है और आजादी के बाद से शिक्षा सिर्फ अलग-अलग आयोगों की दासी बनी रही। अब पुनः नई शिक्षा नीति आजमाई जा रही है और जहां मातृ या क्षेत्रीय भाषा के सिंदूर में ज्ञान का टीका लगाने की उत्कंठा जाहिर है। हो सकता है पंजाबी भाषा में पंजाब के बच्चे ज्यादा समझ जाएं या गुजराती भाषा में भविष्य का अर्थ निकल आए, लेकिन हिमाचल के पास तो कोई हिमाचली भाषा नहीं। ऐसी कोशिश नहीं कि एकलव्य को संबोधित करने के लिए पूरा परिवेश अपनी मातृभाषा में बोले और अनुगूंज शाबाशी दे। बहरहाल, सिंगापुर जा रहे शिक्षकों को कम से कम व्यवस्था से शाबाशी तो मिल ही रही है। यह एक सौगात की तरह, पुरस्कार की तरह और इत्मीनान की तरह अगर सिद्ध हो तो शायद हमारे स्कूल फिर से सांस ले सकते हैं वरना पढ़ाई का जादुई आंकड़ा सरकारी परिसरों में घट रहा है। स्कूलों से कहीं अधिक सचिवालय में अध्यापकों को अपना परिचय देना पड़ता है। उनकी सरकारी सेवा की वरीयता शिक्षण से कहीं अधिक स्वयं को मनपसंद की पोस्टिंग में स्थापित बनाए रखना है। अगर कल कांगड़ा निवासी शिक्षक शिमला और सिरमौर के बच्चों के अध्ययन का चरित्र बदलता है, तो बात बनेगी, वरना विदेश यात्रा में तमगे का एहसास शिरकत करने लगेगा। आज ये गए, तो कल वे जाने का तिकड़म बैठाएंगे और इस तरह कारवां पहले स्थानांतरण में सुविधा खोजता था, तो आइंदा विदेश भ्रमण में खुद को तराशता रहेगा। दरअसल शिक्षा में शिक्षक की संवेदना का प्रभाव बच्चों की दृष्टि, उपलब्धि का तापमान और ज्ञान की परिभाषा बदल सकता है। पाठ्यक्रम के फैलते दायरे और परीक्षा परिणामों की योग्यता में सफलता के नुस्खे इतने प्रभावशाली हो गए हैं कि छात्र सिर्फ कठपुतली हैं। कुछ कठपुतलियां इन धागों में खुद को बेहतर बना लेती हैं, बाकी उलझ जाती हैं। छात्रों की उलझन, छात्रों की शिकायत और शिक्षा की वकालत, आखिर कब कहने और सुनने का अवसर मिलेगा। बेशक सरकारी क्षेत्र में अच्छे व गुणी अध्यापक होते हैं, लेकिन शिक्षा की गुणवत्ता में उनका योगदान दर्ज नहीं होता। पूरी शिक्षा को बदलना है तो अभिभावकों का भ्रमण सरकारी स्कूल में कराएं।

बेशक आंखें खोलने के लिए विदेश के भ्रमण एक ताज की तरह होंगे, लेकिन किसी चांदनी को तोडक़र लाने के लिए यह कारवां छोटा है। आखिर हम शिक्षा से बतौर शिक्षक, बतौर अभिभावक, बतौर समाज और बतौर छात्र चाहते क्या हैं। जो बच्चों को चाहिए, उससे कब पूछा गया। जो मां-बाप को चाहिए, उससे स्कूलों का वर्गीकरण हो गया और जो शिक्षा को चाहिए, उसके भीतर रोजगार घुस गया। कोई टीचर इसलिए है क्योंकि वहां रोजगार के अत्यधिक अवसर मिले। हम ढंग से पाठ्यक्रम और पाठ्यक्रम के बीच ढंग से अध्ययन का माहौल नहीं दे सकते, लेकिन बच्चों को तोता बना सकते है। हैरानी यह कि शिक्षा में सफलता के फार्मूले अब बाजार में बिकते हैं। ले लो कोई दुकान चलाकर बता रहा है कि उसकी अकादमी से सीधे निकल कर डाक्टर बनोगे और कोई आईआईटी तक ले जा रहा है। जब ये अध्यापक सिंगापुर से लौटेंगे, तब भी हिमाचल शिक्षा बोर्ड के वार्षिक प्रश्नपत्र पर वास्तविक मूल्यांकन का खतरा मंडरा रहा होगा और तब भी शिक्षा की खोज में कोई बच्चा सीबीएसई या आईसीएसई स्कूल के बाहर अपना प्रवेश पा रहा होगा। शिक्षा के भीतर देशीपन है कहां जो हम विदेशी फार्मूलों में अपना सपना पूरा करेंगे।

भगदड़ प्रायः भीड़ भरे इलाकों में किसी अफवाह के कारण भी पैदा हो सकती है

विकसित हो भीड़ नियंत्रण का प्रभावी तंत्र

रमेश सर्राफ

देश में हम आए दिन भीड़ में भगदड़ मचने से कई लोगों के मरने की खबरें पढ़ते रहते हैं। हाल ही में महाकुंभ स्नान के दौरान प्रयागराज में भीड़ में भगदड़ के चलते 37 लोगों को जान गंवानी पड़ी थी। इस घटना के कुछ दिनों बाद ही नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर महाकुंभ जाने वालों की भीड़ में अचानक भगदड़ मचने से 18 लोगों की मौत हो गई थी। यह दोनों ही दुर्घटना बहुत दुर्भाग्यपूर्ण व दुखद है। देश में भगदड़ में मरने वालों की सूची बहुत लंबी है। सभी को पता है कि जहां बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ एकत्रित होगी वहां कभी भी भगदड़ मचने की स्थिति पैदा हो सकती है। मगर अभी तक ऐसी कोई व्यवस्था नहीं बन पाई है जिससे भगदड़ की स्थिति ही उत्पन्न नहीं होने पाए। सरकारी भी भगदड़ होने के बाद उसको रोकने के ढोल पीट कर कुछ समय बाद शांत बैठ जाती है। मगर ऐसा कोई स्थाई तंत्र विकसित नहीं किया जाता है। जिससे भगदड़ की स्थिति होने से पहले ही सुरक्षा कर्मियों को अलर्ट मिले और वह उन पर नियंत्रण कर सके। भगदड़ भीड़ प्रबंधन की असफलता की स्थिति में पैदा हुई मानव निर्मित आपदा है। भगदड़ प्रायः भीड़ भरे इलाको में किसी अफवाह के कारण भी पैदा हो सकती है। इसके अलावा प्राकृतिक आपदाएं एवं प्रशासनिक अव्यवस्था के कारण भी यह आपदा पैदा होती है। इसमें संपत्ति से अधिक जान की क्षति होने की संभावना रहती है। भीड़ दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों के वैश्विक डेटाबेस के मुताबिक सन 2000 के बाद से भारत में 50 से ज्यादा विनाशकारी सामूहिक समारोहों में दो हजार से ज्यादा लोगों की जान चली गई है। इन दुर्घटना को देखते हुए प्रभावी भीड़ प्रबंधन तंत्र विकसित करने की बहुत जरूरत महसूस की जा रही है। खासकर कुंभ जैसे बड़े आयोजनों में इसकी काफी जरूरत महसूस होती है। भगदड़ बेहद खतरनाक और घातक स्थिति होती है। किसी भी जगह पर जब भीड़ उसकी क्षमता से अधिक हो जाती है और लोगों के पास निकलने का रास्ता नहीं होता है। भीड़ की वजह से लोगों को पैर रखने की जगह नहीं मिलती है। ऐसी स्थिति में किसी तरह की अफवाह या दुर्घटना होने पर भीड़ बेकाबू हो जाती है। इसे भीड़ में हलचल भी कहा जाता है। इसकी वजह से ही भगदड़ की स्थिति बनती है। इसी तरह भीड़ में हलचल का मतलब भीड़ का बेतरतीब तरीके से एक से ज्यादा दिशाओं में एक ही समय में आगे बढ़ना है। ऐसे

देश में भगदड़ में मरने वालों की सूची बहुत लंबी है। सभी को पता है कि जहां बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ एकत्रित होगी वहां कभी भी भगदड़ मचने की स्थिति पैदा हो सकती है। मगर अभी तक ऐसी कोई व्यवस्था नहीं बन पाई है जिससे भगदड़ की स्थिति ही उत्पन्न नहीं होने पाए। सरकारी भी भगदड़ होने के बाद उसको रोकने के ढोल पीट कर कुछ समय बाद शांत बैठ जाती है। मगर ऐसा कोई स्थाई तंत्र विकसित नहीं किया जाता है। जिससे भगदड़ की स्थिति होने से पहले ही सुरक्षा कर्मियों को अलर्ट मिले और वह उन पर नियंत्रण कर सके। भगदड़ भीड़ प्रबंधन की असफलता की स्थिति में पैदा हुई मानव निर्मित आपदा है।

में लोगों को चलने के लिए जगह कम होती है वो एक-दूसरे के बीच दब जाते हैं। जब लोग एक-दूसरे से बहुत नजदीक होते हैं तो 'फोर्सेज का ट्रांसमिशन' यानी बल का संचरण हो सकता है। इस फोर्स ट्रांसमिशन को आपने भी कभी न कभी तब महसूस किया होगा जब आप एक बहुत भीड़-भाड़ वाली किसी लाइन में खड़े हुए होंगे। जब पीछे से अचानक धक्का लगता है तो व्यक्ति खुद भी उस धक्के को अपने से आगे खड़े व्यक्ति को ट्रांसफर कर देते हैं। ऐसे में अपना संतुलन बनाए रखना और अपने पैरों पर खड़े रहना लोगों के लिए बहुत मुश्किल हो जाता है। ये पहली बार नहीं था जब किसी धार्मिक कार्यक्रम के दौरान भगदड़ मची हो। इसके पहले भी समय-समय पर भगदड़ मचने की खबरें सामने आती रही हैं। इन घटनाओं में कई लोगों की जान भी चली गई। 27 अगस्त 2003 महाराष्ट्र के नासिक जिले में कुंभ मेले में स्नान के दौरान भगदड़ मचने से 39 लोगों की मौत हो गई थी। 25 जनवरी 2005 को महाराष्ट्र के सतारा जिले में मंधारदेवी मंदिर में भगदड़ मच गई थी। जिसमें 340 से ज्यादा श्रद्धालु कुचले गए थे। 3 अगस्त 2008 हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर जिले में नैना देवी मंदिर में मची भगदड़ में 162 लोगों की मौत हो गई थी। 30 सितंबर 2008 राजस्थान के जोधपुर शहर में चामुंडा देवी मंदिर में मची भगदड़ में लगभग 250 श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी। 4 मार्च 2010 को उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले में कृपालु महाराज के राम जानकी मंदिर में भगदड़ में 63 लोगों की मौत हो गई थी. ।14 जनवरी 2011 को केरल के इडुक्की जिले के पुलमेडु में सबरीमाला मंदिर में एक जीप की टक्कर से मची भगदड़ में 104 श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी। 8 नवंबर 2011 को हरिद्वार में गंगा नदी के किनारे हर की पौड़ी घाट पर मची भगदड़ में लगभग 20 लोगों की मौत हो गई थी। 19 नवंबर 2012 को पटना में गंगा नदी पर छठ पूजा के दौरान एक अस्थायी पुल के ढह जाने से भगदड़ मच गई थी जिसमें 20 लोगों की मौत हो गयी थी। 13 अक्टूबर 2013 मध्य प्रदेश के दतिया जिले में रतनगढ़ मंदिर के पास नवरात्रि के जश्न के दौरान भगदड़ मचने से 115 लोगों ने अपनी जान गंवाई थी। 3 अक्टूबर 2014 को दशहरे का जश्न समाप्त होने के तुरंत बाद पटना के गांधी मैदान में भगदड़ मच गई जिसमें 32 लोगों की मौत हो गई थी। 14 जुलाई 2015 को आंध्र प्रदेश के राजमुंदरी में पुष्करम उत्सव के पहले दिन गोदावरी नदी के तट पर भगदड़ मचने से 27 लोगों ने अपनी जान गंवा दी थी। 1 जनवरी 2022 को जम्मू-कश्मीर में माता वैष्णो देवी मंदिर में भगदड़ मचने से 12 लोगों की मौत हो गई थी। 31 मार्च 2023 को इंदौर शहर के एक मंदिर में रामनवमी के मौके पर एक प्राचीन बावड़ी के ऊपर बनी स्लैब के ढह जाने से 36 लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी थी। इसी तरह रेलवे स्टेशनों पर भी भगदड़ के कारण कई बड़ी दुर्घटना हो चुकी है। 28 सितंबर 2002 को लखनऊ में बसपा की रैली से वापस घर लौटते समय ट्रेन की छत पर चढ़ने से चार लोगों की करंट लगने से मौत हो गई थी। 13 नवंबर 2004 को नई दिल्ली स्टेशन पर छठ पूजा के दौरान बिहार जाने वाले ट्रेन का प्लेटफार्म अचानक बदलने से दूसरे प्लेटफार्म पर जाने के लिए ओवरब्रिज पर मची भगदड़ में चार यात्रियों की मौत हुई थी। 03 अक्टूबर 2007 को मुगल सराय जंक्शन पर भगदड़ मचने के कारण 14 महिलाओं की मौत हो गई थी। 10 फरवरी 2013 को इलाहाबाद में कुंभ मेला के दौरान रेलवे जंक्शन पर भगदड़ मचने से 38 लोगों की मौत हो गई थी। 29 सितंबर 2017 के दिन मुंबई के एलफिंस्टन रेलवे स्टेशन में बने फुटओवर ब्रिज पर भगदड़ मचने के कारण 22 लोगों की मौत हुई थी। हमारे देश में आए दिन जगह-जगह बड़े-बड़े धार्मिक, सामाजिक, राजनीतिक व अन्य कई प्रकार के आयोजन होते रहते हैं। जिनमें हजारों-लाखों लोग शामिल होते हैं। ऐसे ही कार्यक्रमों में जरा सी लापरवाही भगदड़ का कारण बन सकती है। ऐसे में यदि कार्यक्रम के आयोजक सावधानी बरतते हुए भीड़ नियंत्रण के पुख्ता इंतजाम करें तभी किसी तरह की दुर्घटना होने से बचा जा सकता है।

दृष्टि कोण

प्रदेश में वित्तीय अनुशासन की जरूरत

वर्तमान में हिमाचल प्रदेश एक छोटा सा पहाड़ी राज्य, जिसके पास आय के बहुत सीमित साधन हैं, देश के सबसे ज्यादा कर्ज लेने वाले राज्यों में शुमार हो चुका है। यह स्थिति राज्य के गंभीर आर्थिक संकट को उजागर करती है, जहां पिछले कुछ वर्षों में लिया गया कर्ज केवल प्रदेश के विकास के लिए नहीं, बल्कि चुनावी लाभ प्राप्त करने के लिए खर्च किया गया है। यह एक ऐसी समस्या बन चुकी है, जिसका समाधान न तो सत्ता और विपक्ष के राजनीतिक टकरावों में है, न ही कर्ज के आंकड़ों को बढ़ाकर राजनीतिक फायदा हासिल करने में। प्रदेश के वित्तीय असंतुलन ने यह स्पष्ट कर दिया है कि हिमाचल अब एक कर्जदार राज्य नहीं, बल्कि कर्ज के जाल में फंसा हुआ राज्य बन चुका है। विधानसभा के बजट सत्र में सरकार और विपक्ष के बीच हो रहे आरोप-प्रत्यारोप से कहीं अधिक महत्वपूर्ण यह सवाल है कि हम अपनी वित्तीय स्थिति को कैसे सुधारें और राज्य की आर्थिक प्रगति के लिए स्थायी उपाय क्या हो सकते हैं। वर्तमान में, राज्य का राजकोषीय उत्तरदायित्व और कर्ज की सीमा दोनों ही बढ़ रही हैं। अगर इस कर्ज को चुकाने की क्षमता में वृद्धि नहीं होती, तो यह स्थिति प्रदेश के लिए बेहद खतरनाक साबित हो सकती है। इसके आलावा राज्य सरकारों को चुनावी राजनीति के लिए फ्रीबीज से बचना चाहिए। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव के वक्त की जाने वाली मुफ्त की योजनाओं पर सख्त टिप्पणी की, जो कि कहीं न कहीं सरकारों के लिए एक चेतावनी है। हमारे मार्गदर्शक और हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री श्री शांता कुमार भी कई बार सरकारों द्वारा फ्रीबीज और मुफ्त की रेवडियां बांटने की संस्कृति से होने वाले नुकसान पर अपनी चिंता व्यक्त कर चुके है। पिछले दो वर्षों में राज्य ने 25000 करोड़ का कर्ज लिया है और पुराने कर्ज को चुकाने के लिए लगभग 7000 करोड़ की अतिरिक्त उधारी उठानी पड़ी है। अब तक हिमाचल ने लगभग 98000 करोड़ का ऋण लिया है, और कर्ज लेने की प्रक्रिया में निरंतरता बनी हुई है। यह कर्ज न केवल एक भारी आर्थिक बोझ बन चुका है, बल्कि भविष्य में यह हमारे आर्थिक संतुलन को और भी बिगाड़ सकता है। कर्ज का बढना असमानता और आर्थिक असंतुलन को बढ़ावा देगा, जो प्रदेश के विकास में रुकावट पैदा करेगा। राज्य के बोर्ड और निगम घाटे में चल रहे हैं, और इसके बावजूद सरकार का ध्यान कर्ज जुटाने पर केंद्रित है। सुधार की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। स्थिति इतनी खराब हो चुकी है कि अब कर्मचारियों के वेतन के लिए भी कर्ज लिया जा रहा है। यह स्थिति दर्शाती है कि क्या राज्य सरकार के पास खर्चों को नियंत्रित करने और वित्तीय अनुशासन लागू करने का कोई उपाय नहीं है। राज्य सरकार को चाहिए कि वह केंद्र सरकार की विनिवेश नीति से कुछ सीखें और घाटे में चल रहे बोर्ड और निगमों से अपनी हिस्सेदारी खत्म करे। केंद्र सरकार कई सरकारी उपक्रमों की बिक्री करके अपने बजट घाटे को पूरा कर रही है, वहीं हिमाचल को भी अपने घाटे को कम करने के लिए ऐसे कदम उठाने चाहिए। लेकिन अफसोस, राज्य सरकार की प्राथमिकताएं फिजूलखर्ची और नए कार्यालयों के निर्माण पर केंद्रित हैं, जबकि प्रदेश की वित्तीय स्थिति को सुधारने के लिए कोई गंभीर प्रयास नहीं हो रहे हैं। हिमाचल के लिए यह अत्यंत आवश्यक है कि वह अपनी आर्थिक नीति को निष्ठा और अनुशासन के साथ लागू करे। कृषि क्षेत्र को मजबूत करने के लिए सिंचाई सुविधाओं का विस्तार करना आवश्यक है। साथ ही, पर्यटन क्षेत्र में भी हमें अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है। सैलानियों की संख्या बढ़ाकर इस क्षेत्र से अधिक राजस्व जुटाया जा सकता है। हवाई सेवाओं को सुधारकर और पर्यटन को बढ़ावा देकर राज्य की आय में वृद्धि हो सकती है। इसके अलावा, हिमाचल प्रदेश को अपने प्राकृतिक संसाधनों का बेहतर उपयोग करना चाहिए, विशेषकर जलविद्युत क्षेत्र में। हिमाचल में जलविद्युत उत्पादन की अपार संभावनाएं हैं, लेकिन उनका पूर्ण उपयोग नहीं किया जा रहा है। यदि सरकार इस क्षेत्र में निवेश बढ़ाए और निजी क्षेत्र को साथ लेकर चले, तो यह राज्य के लिए एक बड़ा राजस्व स्रोत बन सकता है। इसके साथ ही स्थानीय उद्योगों को प्रोत्साहित करना और रोजगार के अवसर बढ़ाने की दिशा में भी ठोस कदम उठाए जाने चाहिए। यदि सरकार इन ठोस कदमों को उठाती है, तो आने वाले समय में राज्य की आर्थिक स्थिति में सुधार संभव है। लेकिन यह तभी संभव है जब हम राजनीतिक गुटबंदी और आरोप-प्रत्यारोप की बजाय राज्य की समृद्धि के लिए ठोस और प्रभावी निर्णय लें। कुल मिलाकर, हिमाचल प्रदेश को अपने वित्तीय संकट से उबारने के लिए एक ठोस, पारदर्शी और दीर्घकालिक वित्तीय नीति की आवश्यकता है। केवल कर्ज लेकर हम न तो प्रदेश का विकास कर सकते हैं और न ही आने वाली पीढियों के लिए एक स्थिर आर्थिक ढांचा बना सकते हैं।

कुछ अलग

जादुई छड़ी कहां है...

मसला बहुत सीरियस है। आतंकवाद, भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी से भी सीरियस। सरकार कह रही है कि 'मंहगाई रोकने के लिए उसके पास कोई जादुई छड़ी नहीं है।' विपक्ष कह रहा है कि जादुई छड़ी सरकार के पास ही है, लेकिन सरकार इस छड़ी को इस्तेमाल नहीं कर रही। सरकार और विपक्ष के बयानों में विरोधाभास से पूरे मुल्क में कन्फ्यूजन पैदा हो गई है। गली, मोहल्लों, कूचों से लेकर सरकारी दफ्तरों और दारू के ठेकों तक में अगर किसी करंट टापिक को लेकर चर्चा है तो बस यही कि जादुई छड़ी आखिर गई कहां? मुल्क में बाहर से कोई लुटेरा भी नहीं आया और न ही किसी थाने में जादुई छड़ी गुम होने की एफआईआर दर्ज है। फिर कहां गई जादुई छड़ी? क्या सरकार में बैठी किसी पुण्यात्मा ने इसे अपने लॉकर में छिपा दिया है या फिर आतंकवादियों ने जादुई छड़ी किडनैप कर ली है? चर्चाएं तरह-तरह की हैं। जितने मुंह, उतनी बातें। अब कहने वालों का कोई मुंह थोड़े ही पकड़ा जा सकता है? कोई कह रहा है कि जादुई छड़ी गायब या किडनैप नहीं हुई, बल्कि सरकार ने मल्टीनेशनल कंपनियों व देश के बड़े औद्योगिक घरानों के पास इसे गिरवी रखकर लोन लिया हुआ है ताकि सरकार चलाई जा सके। कोई कह रहा है कि सरकार ने जादुई छड़ी गिरवी नहीं रखी बल्कि मुनाफाखोरों और जमाखोरों को बेच दी है। बातों-बातों में कुछ लोग यह कहने से भी नहीं चूक रहे कि इस सरकार के पास ले-देकर एक जादुई छड़ी ही थी, जिसकी हिफाजत भी सरकार नहीं कर पाई। लिहाजा यह खेद का विषय है। इन तमाम चर्चाओं के बीच एक सज्जन सरकार का पक्ष लेते हुए कह रहे हैं कि 'सरकार का काम जादुई छड़ी की हिफाजत करना नहीं बल्कि सरकार में बैठे अपने लोगों के हितों की हिफाजत करना होता है।' सरकार के हिमायती एक और सजन फरमा रहे हैं कि 'सरकार बहुत बड़ी पावर होती है। वह अपने पास कोई छड़ी-वड़ी नहीं बल्कि लाठी रखती है जिससे गरीब आदमी को हांका जाता है।' एक अन्य सज्जन उसकी बात काटते हुए कहते हैं, 'लाठी सरकार के पास नहीं बल्कि गुंडों, लठैतों और बाहुबलियों के पास होती है जिससे वे मुल्क को हांकते हैं।' तीसरे सज्जन की दलील है कि लाठी सरकार और बाहुबलियों दोनों के पास होती है क्योंकि दोनों का काम हांकना है। एक चौथे सज्जन फरमाते हैं कि सरकार के पास छड़ी या लाठी नहीं बल्कि चाबुक होता है, जिसके दम पर वह लोकतंत्र के छकड़े को ठेलती है। विषय से विषयांतर कर रहे लोगों को हडक़ाते हुए पांचवें सज्जन ने कहा- 'बात जादुई छड़ी को लेकर हो रही थी, इसमें लाठी और चाबुक जैसी दो कौड़ी की आइटमें कहां से आ गई?' छठे सज्जन का कहना है कि महंगाई लाठी या चाबुक से नहीं बल्कि जादुई छड़ी से ही रुक सकती है और जादुई छड़ी चूंकि सरकार के पास है नहीं, इसलिए महंगाई पर हाय-तौबा मचाना फिजूल है। सातवें सज्जन ने सुझाव दिया कि मुल्कवासियों को अपने सारे धंधे छोडक़र जादुई छड़ी ढूंढने में लग जाना चाहिए। इस पर तैश में आकर आठवें सज्जन ने कहा कि लोग अपने धंधे क्यों छोड़ें? सरकार को अपने धंधे छोडक़र जादुई छड़ी ढूंढनी चाहिए। नौवें सज्जन का कहना है कि सरकार को यह काम सीबीआई को सौंप देना चाहिए। दसवें सज्जन की दलील है कि सीबीआई पहले ही सैकड़ों केसों को सुलझाने के काम में लगी है, इसलिए जादुई छड़ी ढूंढने का जिम्मा किसी इंटरनेशनल जांच एजेंसी को सौंपा जाना चाहिए। एक और उत्साही सज्जन ने सुझाव दिया, 'सरकार को एक आयोग गठित करना चाहिए जो यह पता लगाए कि जादुई छड़ी आखिर गई कहां?' उन्होंने कहा, 'ऐसा आयोग बनाने से दो फायदे होंगे।

देश दुनिया से

वैश्विक तनाव में सोने की कीमतों में उछाल

चौदह फरवरी, 2025 को 24 कैरेट वाले 10 ग्राम सोने की कीमत 86,360 रुपये के स्तर पर पहुंच गई, जो अब तक का उच्चतम स्तर था। 1 जनवरी से 13 फरवरी तक की अवधि यानी महज 44 दिनों में 10 ग्राम वाले 24 कैरेट सोने की कीमत में 9,092 रुपये का इजाफा हुआ। प्रतिशत में देखें तो इसकी कीमत में लगभग 11 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई और अब 1 लाख रुपए के स्तर को छूने के लिए इसमें केवल 16 प्रतिशत की वृद्धि होनी शेष है। देखने से ऐसा प्रतीत हो रहा है कि इस साल के अंत तक इसकी कीमत आसानी से 1 लाख रुपये के स्तर को पार कर सकती है। सोने की कीमत में बढ़ोतरी में प्रमुख कारण अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा अपनाई जा रही आर्थिक नीतियां हैं। वैश्विक स्तर पर कारोबारी जंग होने की संभावना बढ़ रही है। दूसरी तरफ, अमेरिकी नीतियों और वैश्विक अनिश्चितताओं के कारण डॉलर के मुक़ाबले रुपया लगातार कमजोर हो रहा है। महंगाई का डर भी देश एवं विदेश में अभी भी बरक़रार है। हालांकि, भारत में सब्जियों एवं अन्य खाद्य वस्तुओं की कीमत में कमी आने की वजह से खुदरा महंगाई दर जनवरी महीने में कम होकर 4.31 प्रतिशत के स्तर पर आ गई, जो पिछले 5 महीनों में सबसे कम है। अमेरिका और इंग्लैंड द्वारा नीतिगत ब्याज दरों में कटौती करने और विश्व के कुछ भागों में भू-राजनीतिक तनाव बढ़ने के कारण भी सोने की चमक चमकीली हो रही है। गोल्ड ईटीएफ में निवेश बढ़ने से भी सोने की मांग बढ़ रही है। इधर, शेयर बाजार में हाल में आई गिरावट की वजह से निवेशकों का रुझान सोने की तरफ बढ़ रहा है। दूसरी तरफ, भारत में शादी का सीजन शुरू हो चुका है। इसलिए, सोने की कीमत बढ़ने के बावजूद इसकी मांग और कीमत में लगातार इजाफा हो रहा है। आजादी के 75 सालों में सोने की कीमत आसमान पर पहुंच गई है। इस तरह, सोने की कीमत 78 सालों में चंद रुपयों से आगे बढ़ते हुए 86 हजार रुपये के स्तर को पार कर गई है। भारत में सोना इतना ज्यादा सोणा इसलिए है, क्योंकि भारत में महिलायें सोने के प्रति दीवानी हैं और यह दीवानगी अनादिकाल से बदस्तूर बनी हुई है। प्राचीनकाल में तो स्त्रियों के साथ-साथ पुरुष भी सोने के गहने पहना करते थे। भारत में किसी भी शुभ मुहूर्त में, शादी, त्योहार या फिर मृत्यु के समय सोने की खरीददारी की जाती है, जबकि पश्चिमी देशों में ऐसा नहीं होता है। वहां के लोग शादी में बहुत सारे गहने नहीं पहनते हैं। न ही वहां, गिफ्ट में सोने के जेवर या सोना देने का चलन है। अमेरिका और यूरोप में शादी में सिर्फ सोने की रिंग दी जाती है, जो 9 या 12 कैरेट की होती है, जबकि भारत में शादी में 22 या 24 कैरेट

1 जनवरी से 13 फरवरी तक की अवधि यानी महज 44 दिनों में 10 ग्राम वाले 24 कैरेट सोने की कीमत में 9,092 रुपये का इजाफा हुआ। प्रतिशत में देखें तो इसकी कीमत में लगभग 11 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई और अब 1 लाख रुपए के स्तर को छूने के लिए इसमें केवल 16 प्रतिशत की वृद्धि होनी शेष है। देखने से ऐसा प्रतीत हो रहा है कि इस साल के अंत तक इसकी कीमत आसानी से 1 लाख रुपये के स्तर को पार कर सकती है। सोने की कीमत में बढ़ोतरी में प्रमुख कारण अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा अपनाई जा रही आर्थिक नीतियां हैं।

का सोना जेवर के रूप में लड़की और लड़के को दिया जाता है। आजकल शादी में सोने की बिस्किट भी सौगात में दी जाती है। भारत में फिल्मों की नायिकायें, बड़े कारोबारी या कॉर्पोरेट्स घराने या फिर राजे-रजवाड़ों के वारिसों की बहू-बेटियां शादी या किसी भी त्योहार या किसी भी पार्टी या कार्यक्रम में महंगे सोने के जेवरात पहनना पसंद करती हैं। इसी वजह से आज शादी-विवाह में अरबों-खरबों रुपये सोने के जेवर खरीदने में खर्च किये जा रहे हैं। शादी के मौसम में या दिवाली में या फिर अक्षय तृतीया में सोने या सोने के गहनों की जमकर खरीददारी की जाती है, क्योंकि आजकल सौगात में सोना या सोने के जेवर देने का चलन बहुत ज्यादा बढ़ गया है। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल (डब्ल्यूजीसी) की वर्ष 2024 की रिपोर्ट के अनुसार भारत में वर्ष 2024 में सोने की मांग में सबसे ज्यादा तेजी आई। डब्ल्यूजीसी ने 2025 के लिए जारी आउटलुक में कहा कि केंद्रीय बैंक सोने में ज्यादा निवेश कर रहे हैं और गोल्ड ईटीएफ में भी बड़ी मात्रा में निवेश किया जा रहा है, जिससे सोने की मांग में लगातार तेजी बनी हुई है। डब्ल्यूजीसी की 2024 की रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि भारत के मंदिरों में 2000 से 4000 टन सोना रखा हुआ हो सकता है। भारत सोने की मांग की घरेलू आपूर्ति खुद से करने में असमर्थ है, इसलिए इसे इसके लिए दूसरे देशों पर निर्भर रहना पड़ता है। वर्ष 2024 के 11 महीनों में भारत ने कुल 47 बिलियन अमेरिकी डॉलर का सोना आयात किया था, जो अब तक का उच्चतम स्तर है, जबकि वर्ष 2023 में भारत ने कुल 42.6 बिलियन अमेरिकी डॉलर का सोना आयात किया था। इसमें स्विट्ज़रलैंड से 40 प्रतिशत, यूनाइटेड अरब अमीरात (यूएई) से 16 प्रतिशत, दक्षिण अफ्रीका से 10 प्रतिशत और शेष आस्ट्रेलिया, गिनी, पेरू आदि देशों से सोना आयात किया था। दुनिया में सबसे ज्यादा सोना चीन खरीदता है। इस समय देश में शादी का सीजन चल रहा है, जिससे आने वाले दिनों भारत में सोने की मांग में और भी इजाफा होने की संभावना है। दूसरी तरफ, मौजूदा वैश्विक अनिश्चितताओं, विश्व के कुछ भागों में भू-राजनीतिक तनाव के बने रहने, अमेरिकी नीतियों, रुपये का डॉलर की तुलना में लगातार कमजोर होना, शेयर बाजार में हालिया गिरावट आदि कारणों से भी सोने की कीमत में निरंतर वृद्धि हो रही है।

आप का नजरिया

हिंदी-तमिल लड़ाई

तमिलनाडु और उससे पहले मद्रास प्रांत में हिंदी भाषा का विरोध बहुत पुराना है। सबसे पहले ब्रिटिश भारत में 1937 में हिंदी-विरोधी आंदोलन छेड़ा गया। भारत में जब कांग्रेस की प्रथम सरकार थी, तब भी सी. राजगोपालाचारी के नेतृत्व में आंदोलन सुर्ख हुआ। बाद में पेरियार (ईवी रामासामी) और विपक्षी न्यायमूर्ति पार्टी (बाद में द्रविड़ कषगम) ने आधिकारिक भाषा के तौर पर हिंदी का विरोध किया। संविधान निर्माण के दौरान भी यह गरम बहस का मुद्दा बना रहा। जब 26 जनवरी, 1950 को संविधान लागू हुआ और हिंदी को देश की आधिकारिक भाषा तय कर दिया गया, तो 1965 के बाद कुछ गैर-हिंदी राज्यों ने उसे स्वीकार नहीं किया। वे राज्य अंग्रेजी के ही उपयोग के पक्षधर थे और अपनी क्षेत्रीय भाषाओं को लेकर दुराग्रही थे। 1967 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की सरकार ने आधिकारिक भाषा हिंदी और अंग्रेजी के अनिश्चित उपयोग के मद्देनजर आधिकारिक भाषा अधिनियम में संशोधन किए। जब केंद्र में जनता पार्टी की सरकार बनी, तो तत्कालीन प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई और द्रमुक नेता अन्नादुरई के बीच त्रि-भाषा फॉर्मूले पर संवाद तो हुआ, लेकिन हिंदी-विरोध के पूर्वाग्रह आक्रामक ही रहे। करीब 88 साल लंबा वक्त गुजर चुका है। शीर्षस्थ नेता दिवंगत होकर अतीत बन चुके हैं। अब विवाद केंद्र की मोदी सरकार और तमिलनाडु में स्टालिन की द्रमुक सरकार तक आ पहुंचा है, लेकिन तमिलनाडु में प्रचारित किया जा रहा है कि हिंदी को राष्ट्रभाषा, राजभाषा और उसके अध्ययन के लिए थोपा जा रहा है। तमिलनाडु को यह स्वीकार्य नहीं है। वोट बैंक का भी सवाल है। केरल, कर्नाटक, आंध्रप्रदेश, तेलंगाना सरीखे दक्षिणी राज्यों में हिंदी-विरोध के आंदोलन और पूर्वाग्रह अपेक्षाकृत कम हैं। वे उग्र भी नहीं हैं। अब केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन के बीच यह मुद्दा सुलगता जा रहा है। हालात टकरावपूर्ण हैं, क्योंकि 2026 में विधानसभा चुनाव भी हैं। भारत सरकार का सहज आग्रह है कि तमिलनाडु को संवैधानिक व्यवस्था को स्वीकार करना चाहिए। लड़ाई छात्रों के नाम पर लड़ी जा रही है, लेकिन उनके शैक्षिक भविष्य और बाद में कौशलपूर्ण रोजगार पर विमर्श शून्य है। केंद्र ने 'समग्र शिक्षा योजना' के तहत तमिलनाडु के हिस्से के आर्थिक संसाधन फिलहाल रोक दिए हैं। यह रोक तब तक जारी रहेगी, जब तक तमिलनाडु भारत सरकार की भाषायी व्यवस्था को स्वीकार नहीं करता। तमिल सरकार हिंदी के अध्ययन को छात्रों पर अतिरिक्त मानसिक बोझ और 'सांस्कृतिक आक्रमण' करार दे रही है, लिहाजा समग्र शिक्षा के बजट को रोकना संघीयवाद का उल्लंघन मान रही है। शायद राज्य सरकार सर्वोच्च अदालत की चौखट भी खटखटाए! हालांकि हम बजट को रोकना 'असंसदीय' मानते हैं और इसे अनधिकार चेष्टा भी करार देते हैं। इस संदर्भ में शैक्षणिक योग्यता ही मानदंड होना चाहिए। एक हालिया रपट में खुलासा किया गया है कि तमिलनाडु में सरकारी स्कूल की 5वीं कक्षा के 36 फीसदी छात्र कक्षा 2 के स्तर के पाठ्य को ही पढ़ पाते हैं, जबकि 21 फीसदी छात्र ही भाग का सवाल कर पाते हैं। ऐसे छात्रों का राष्ट्रीय औसत क्रमशः 49 फीसदी और 31 फीसदी है।

उड़ीसा घटना के बाद अब तक केआईआईटी के 300 से अधिक छात्र नेपाल लौटे

काठमांडू, 23 फरवरी (एजेंसियां)।
उड़ीसा के भुवनेश्वर में कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी विश्वविद्यालय (केआईआईटी) में एक नेपाली छात्रा की आत्महत्या के बाद अब तक वहां अध्ययनरत 300 से अधिक छात्र नेपाल लौट चुके हैं। इन छात्र-छात्राओं का विश्वविद्यालय प्रशासन पर नेपाली छात्रों के साथ दुर्व्यवहार करने और उन्हें हॉस्टल से निलंबित किए जाने का आरोप हैं। गृह मंत्रालय के प्रवक्ता रामचंद्र तिवारी ने रविवार को बताया कि एक हफ्ते के भीतर पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश और बिहार की सीमा से 301 छात्र-छात्राओं के नेपाल वापस आने की खबर है। उन्होंने बताया कि पश्चिम बंगाल की सीमा काकड़भिट्टा की सीमा से 20, उत्तर प्रदेश की भैरहवा सुनौली सीमा से 36, बिहार के रक्सौल बीरगंज सीमा से 162 तथा बिहार के ही जोगबनी विराटनगर सीमा से 83 छात्रों की वापसी हुई है। वापस आने वाले छात्रों ने स्वीकार किया है कि विश्वविद्यालय प्रशासन और भुवनेश्वर पुलिस की तरफ से उनके पास लगातार फोन और मैसेज आ रहे हैं कि वो वापस आकर अपना हॉस्टल में आकर अपनी पढ़ाई जारी रख सकते हैं। वापस होने वाले छात्रों ने यह भी बताया कि भुवनेश्वर पुलिस ने उनकी पूरी सुरक्षा की जिम्मेवारी भी ली है। उड़ीसा से काठमांडू लौट कर आई केआईआईटी में कम्प्यूटर इंजीनियरिंग की चौथे सेमेस्टर की छात्रा सौम्या झा ने बताया कि नेपाली छात्रा की मौत के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन की तरफ से नेपाली छात्रों के साथ जिस तरह की मारपीट, गाली गलौज और दुर्व्यवहार किया गया, उसके कारण कई छात्र मानसिक तनाव से गुजर रहे हैं और दोबारा वापस नहीं जाना चाहते हैं। हालांकि, उड़ीसा सरकार ने इस घटना की जांच के आदेश दे दिए हैं। प्रदेश के गृहमंत्रालय के अतिरिक्त सचिव के नेतृत्व एक तीन सदस्यीय जांच समिति का गठन किया गया है और जांच भी शुरू कर दी है। पुलिस ने नेपाली छात्रों के साथ मारपीट करने वाले दो निजी गार्डों को गिरफ्तार कर लिया है। प्रशासन ने छात्रों के साथ दुर्व्यवहार करने वाले दो प्रशानिक अधिकारियों को निलंबित कर दिया है।

न्यूज ब्रीफ

जनजातीय मामलों के चीनी मंत्री चार दिनों के नेपाल भ्रमण पर काठमांडू पहुंचे

काठमांडू। चीन के जनजातीय मामलों के मंत्री पान यूए चार दिनों के नेपाल भ्रमण पर रविवार को काठमांडू पहुंचे हैं। नेपाल और चीन के बीच बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव समझौते के कार्यान्वयन दस्तावेज पर हस्ताक्षर होने बाद चीन की तरफ से नेपाल में यह पहला मंत्री स्तरीय दौरा है। आदिवासी जनजाति आयोग के अध्यक्ष के निमंत्रण पर चीनी मंत्री पान का यह नेपाल दौरा हो रहा है। आयोग के अध्यक्ष राम बहादुर थापामगर ने बताया कि जनजातीय मामलों के मंत्री पान चार दिनों तक नेपाल में रहेंगे और यहां आयोग के कुछ कार्यक्रमों में शिरकत करेंगे। थापामगर ने कहा कि दिसंबर, 2024 में उनके चीन भ्रमण के दौरान उन्होंने जनजातीय मामलों के मंत्री को नेपाल आने का निमंत्रण दिया था। कोलंबो यात्रा पूरी करके चीनी मंत्री के सुबह काठमांडू पहुंचने पर आदिवासी जनजाति आयोग के अध्यक्ष और सदस्यों उनका स्वागत किया। अपने काठमांडू भ्रमण के दौरान चीनी मंत्री का नेपाल के राष्ट्रपति रामचन्द्र पौडेल, उपराष्ट्रपति राम सहाय यादव, प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली, सामाजिक कल्याण मंत्री नवलकिशोर शाह से मुलाकात करने का कार्यक्रम है।

पोप फ्रांसिस की हालत बेहद खराब, डॉक्टरों ने बताया जान को खतरा

रोम। पोप फ्रांसिस की हालत शनिवार को गंभीर हो गई और उन्हें लंबे समय तक दमा संबंधी सांस की समस्या बनी रही, जिसकी वजह से उन्हें अधिक मात्रा में ऑक्सीजन की जरूरत हुई। वेटिकन ने एक बयान में कहा कि फ्रांसिस फेफड़ों के संक्रमण के कारण एक सप्ताह से अस्पताल में भर्ती हैं और जांच में पता चला कि उनमें एनीमिया की स्थिति है। फ्रांसिस (88) को 'ब्रोंकाइटिस' की समस्या के बाद 14 फरवरी को रोम के जेमेली अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया था और मंगलवार को डॉक्टरों ने उनके दोनों फेफड़ों में निमोनिया का इलाज किया। इसके साथ ही उनकी सांस नली में 'पॉलीमाइक्रोबियल' संक्रमण भी पाया गया था। वेटिकन ने शनिवार को कहा कि डॉक्टरों को उनकी सांस लेने की समस्या के कारण ऑक्सीजन का हाई फ्लो देना पड़ा। इसमें कहा गया कि ब्लड ट्रांसफ्यूजन जरूरी था क्योंकि टेस्ट्स से पता चला कि उनके प्लेटलेट काउंट कम थे, जो एनीमिया से संबंधित है। पोप की मेडिकल टीम ने कहा कि शुक्रवार तक किसी भी तरह के 'सेप्सिस' का कोई संकेत नहीं मिला तथा विभिन्न दवाओं के सेवन का फ्रांसिस पर असर हो रहा है। वेटिकन ने दिन में पहले ही घोषणा कर दी थी कि वह रविवार को तीर्थयात्रियों के साथ प्रार्थना का नेतृत्व करने के लिए सार्वजनिक रूप से उपस्थित नहीं होंगे, यह लगातार दूसरा सप्ताह है जब वह इस कार्यक्रम में शामिल नहीं होंगे।

जर्मनी में हो रही वोटिंग, सवाल- ओलाफ शोल्ज क्या बचा पाएंगे कुर्सी

बर्लिन। जर्मनी में रविवार को चुनाव हो रहे हैं। चांसलर ओलाफ शोल्ज की सरकार से गठबंधन के सहयोगियों ने समर्थन वापस ले लिया है, जिस कारण समय से पहले चुनाव कराने पड़ रहे हैं। सर्वे से संकेत मिलता है कि सत्ता में बदलाव होने वाला है। पिछले चुनावों के विपरीत इस बार नाटकीय घटनाक्रम देखने को मिला है। सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता चांसलर ओलाफ शोल्ज को पिछले नवंबर में अपने वित्त मंत्री को बर्खास्त कर दिया था, जिसके बाद उन्हें एक बड़ा राजनीतिक झटका लगा। वित्त मंत्री को हटाने के बाद विश्वास मत हुआ, जिसमें वह हार गए और समय से पहले चुनाव कराना पड़ रहा है। इस चुनाव में अरबपति एलन मस्क सार्वजनिक रूप से धुर दक्षिणपंथी अल्टरनेटिव फॉर जर्मनी (एफडी) का समर्थन कर रहे हैं। एफडी अब इतिहास बनाने की स्थिति में हैं। सर्वे दिखाते हैं कि यह देश की दूसरी सबसे बड़ी राजनीतिक ताकत बन सकती है। दूसरे विश्वयुद्ध के बाद किसी धुर दक्षिणपंथी पार्टी के लिए पहली बार ऐसी कामयाबी होगी। ओलाफ शोल्ज की पार्टी एसपीडी ने 2021 का चुनाव जीता था। लेकिन अब उसे एक बड़ी हार का सामना करना पड़ सकता है। सर्वे में गिरावट साफ दिख रही है।

दुर्लभ 'प्रलय की मछली' दिखने के बाद लगाई जा रही अटकलें

मैड्रिड,23 फरवरी (एजेंसियां)।

स्पेनिश शहर लास पालमास के समुद्र तट पर एक दुर्लभ ओरफिश देखी गई। इस मछली को आमतौर पर 'डूम्सडे फिश' यानी 'प्रलय की मछली' कहा जाता है। ओरफिश प्रजाति की मछलियां गहरे समुद्र में पाई जाती हैं और पानी की सतह पर बहुत कम देखी जाती हैं।

इस दुर्लभ मछली के दिखने के बाद कई तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, यह मछली अचानक समुद्र किनारे आकर तड़पने लगी और कुछ देर बाद उसकी मौत हो गई। जापानी लोककथाओं और अन्य प्राचीन मान्यताओं में ओरफिश को प्राकृतिक आपदाओं का संकेत माना जाता है। कहा जाता है कि जब यह मछली समुद्र किनारे आती है, तो किसी बड़े भूकंप या सुनामी की आशंका बढ़ जाती है। 2011 में जापान के फुकुशिमा भूकंप से पहले भी समुद्र तटों पर ओरफिश देखी गई थी। आरटी इंडिया ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें यह मछली समुद्र के किनारे तड़पती नजर आ रही है।

इस वीडियो में दिख रहा है कि कुछ लोग इसे वापस पानी में छोड़ने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन मछली कुछ ही देर में दम तोड़ देती है। आमतौर पर ओरफिश का आकार काफी बड़ा होता है, लेकिन इस मछली की लंबाई अन्य ओरफिश की तुलना में कम थी। इसकी पहचान इसके अनोखे शरीर और सिर पर मौजूद लाल हड्डी से की गई। ओरफिश के अचानक सतह पर आने और भूकंप के बीच संबंध को लेकर वैज्ञानिकों की अलग राय है। वैज्ञानिकों का कहना है कि यह मछली गहरे समुद्र में 200 से 1,000 मीटर की गहराई में पाई जाती है और जब किसी कारणवश बीमार या कमजोर हो जाती है, तो सतह के पास आ जाती है। 2019 में हुए एक अध्ययन में यह निष्कर्ष निकाला गया कि जापान में ओरफिश के देखे जाने और भूकंप के आने के बीच कोई वैज्ञानिक संबंध नहीं है। कई विशेषज्ञ इसे केवल एक संयोग मानते हैं और दावा करते हैं कि ओरफिश के तट पर आने का कारण उसका बीमार या रास्ता भटक जाना होता है।

अमेरिका के पेंसिल्वेनिया में अस्पताल के अंदर गोलीबारी, बंदूकधारी की मौत

वाशिंगटन। अमेरिकी राज्य पेंसिल्वेनिया के यॉर्क में स्थित यूपीएमसी मेमोरियल मेडिकल फैसिलिटी में एक शूटर ने फायरिंग कर दी। शुरुआती रिपोर्ट्स के अनुसार हमलावर को मौके पर ही सुरक्षा बलों ने मार गिराया। अस्पताल प्रशासन ने पुष्टि की कि सभी मरीज सुरक्षित हैं। अन्य घायलों की स्थिति को लेकर तुरंत कोई जानकारी नहीं मिली। फिलहाल, पुलिस मामले की जांच कर रही है और सुरक्षा बढ़ा दी गई है। यूपीएमसी की वाइस प्रेसिडेंट ऑफ पब्लिक रिलेशंस सुसान मैनको ने ईमेल के जरिए जानकारी दी कि गनमैन को काबू कर लिया गया है, और किसी भी मरीज को चोट नहीं आई है। अस्पताल अब सुरक्षित है। यह स्थिति अभी भी विकसित हो रही है। कानून प्रवर्तन एजेंसियां मौके पर हैं और स्थिति को संभाल रही हैं। घटना के दौरान इलाके के लोगों को एक अलर्ट भेजा गया। सोशल मीडिया पर कई यूजर्स ने इस अलर्ट की तस्वीरें साझा कीं। एक यूजर ने लिखा, ऐसा अलर्ट जिसे कोई भी अपनी स्क्रीन पर देखना नहीं चाहता, खासतौर पर तब जब आप काम पर हों। यॉर्क, पेंसिल्वेनिया के यूपीएमसी मेमोरियल अस्पताल में फायरिंग, वहीं, एक अन्य यूजर ने पोस्ट किया, यह घटना मेरे अपार्टमेंट से महज पांच मिनट की दूरी पर हुई। दो पुलिस अधिकारियों को गोली लगी है, एक संदिग्ध को मार गिराया गया है।

मस्क ने धमकाया कहा- वर्क रिपोर्ट दो नहीं तो नौकरी से कर देंगे छुट्टी

वॉशिंगटन, 23 फरवरी (एजेंसियां)।

डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी (डोजी) के प्रमुख एलन मस्क ने सरकारी कर्मचारियों एक हफ्ते का कामकाजी ब्यौरा मांगा है। साथ उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर काम का ब्यौरा नहीं देते हैं तो मान लिया जाएगा कि उन्हेंने इस्तीफा दे दिया है और उन्हें नौकरी से बाहर कर दिया जाएगा।

मस्क ने एक्स पर पोस्ट में लिखा, राष्ट्रपति के निर्देशों के मुताबिक सभी सरकारी कर्मचारियों को एक मेल मिलेगा। आपसे निवेदन है कि बात को समझें और पिछले सप्ताह के कामकाज का ब्यौरा दें। ऐसा ना करने पर उनका इस्तीफा मान लिया जाएगा।

मस्क ने एक्स पर की गई पोस्ट में यह नहीं बताया कि इसकी डेडलाइन क्या है। बता दें कि शुक्रवार को ही रक्षा विभाग में सिविलियन वर्कफोर्स कम किया गया था। बता दें कि डोनाल्ड ट्रंप की सरकार में उन्हें सरकार का आर्थिक बोझ कम करने की जिम्मेदारी दी गई है। नई सरकार बनने के बाद कई विभागों मे छंटनी हो चुकी है।

एलन मस्क ने हाल ही में भारत में टेस्ला की फैक्ट्री लगाने का भी ऐलान किया है। इस मामले में डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अगर मस्क ऐसा करते हैं तो यह अमेरिका के प्रति अन्याय होगा। अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय 'व्हाइट हाउस' में 13 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ट्रंप के साथ द्विपक्षीय बैठक से कुछ घंटे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति ने जवाबी शुल्क लगाने की घोषणा की थी। ट्रंप प्रशासन ने कई अन्य विभागों में भी लोगों को नौकरियां छीन ली हैं।

बता दें कि डीओजीई नाम का नया विभाग डोनाल्ड ट्रंप ने बनाया है जो कि स्वतंत्र रूप से काम करता है। चुनाव के दौरान डोनाल्ड ट्रंप की खुलकर मदद करने वाले एलन मस्क को बड़ी जिम्मेदारी भी दे दी गई। डोनाल्ड ट्रंप ने उनकी तारीफ करते हुए कहा कि वह बहुत अच्छा काम कर रहे हैं और उन्हें और भी आक्रामक होना पड़ेगा।

बर्लिन में बेस्ट लीडिंग अवार्ड

बर्लिन में बेस्ट लीडिंग अवार्ड का अवार्ड इंटरनेशनल फिल्म फैस्टीवल में दिखाती हुई अभिनेत्री रोस बायरनी।

ग़ाज़ा में पोलियो वैक्सीन की ख़ुराकें पिलाने के अभियान का नया दौर शुरू

गाजा,23 फरवरी (एजेंसियां)।
इसराइल के क़ब्ज़े वाले ग़ाज़ा में, 10 वर्ष से कम आयु के लगभग 6 लाख बच्चों को पोलियो से बचाने वाली वैक्सीन की ख़ुराकें पिलाने के अभियान का नया दौर, शनिवार को शुरू हुआ है। मौजूदा अभियान, पिछले वर्ष के पोलियो वैक्सीन अभियान की अगली कड़ी है जिसमें लाखों छोटे बच्चों को पोलियो से बचाने वाली वैक्सीन की ख़ुराकें पिलाई गई थीं।ग़ाज़ा में हाल के समय में, अपशिष्ट जल के नमूनों में पोलियो वायरस पाया गया था, जिससे नज़र आता है कि इसका प्रसार जारी है, जिसके कारण, बच्चों को पोलियो का संक्रमण होने का जोखिम है।

इस अभियान का नेतृत्व फ़लस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय कर रहा है और इस अभियान को विश्व स्वास्थ्य संगठन , संयुक्त राष्ट्र बाल कोष , संयुक्त राष्ट्र की फ़लस्तीन शरणार्थी एजेंसी - ह्क्रड्ख्र और अन्य भागीदारों के सहयोग से लागू किया जा रहा है। महाआयुक्त फ़िलिपे लज़ारिनी ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा है कि एजेंसी के स्वास्थ्य केन्द्रों और सचल इकाइयों पर तैनातों टीमों के 1 हज़ार 700 सदस्य, इस अभियान में हिस्सा ले रहे हैं।

यूएन स्वास्थ्य एजेंसी के महानिदेशक डॉक्टर टैड्रॉस ऐडहेनॉम घेबरेयेसस ने कहा है कि तमाम टीमें धरातल पर मुस्तैदी के साथ, इस अभियान को सुचारू व सफल बनाने के लिए, सक्रिय हैं।

यूएन एजेंसियों ने बताया है कि इस अभियान में कुल 1 हज़ार 660 टीमें, पोलियो वैक्सीन की ख़ुराकें पिला रही हैं।

इनमें ह्क्रड्ख्र की स्वास्थ्य टीमें पूरे अभियान का एक तिहाई हिस्सा हैं, जिनकी संख्या 555 है।स्वास्थ्यकर्मी, 10 स्वास्थ्य केन्द्रों में पोलियो वैक्सीन उपलब्ध कराएंगे. इन स्वास्थ्य केन्द्रों की संख्या - एक रफ़ाह, ख़ान यूनिस में तीन और मध्यवर्ती इलाक़े में तीन और एक स्वास्थ्य केन्द्र ग़ाज़ा ग़ाज़ा सिटी में में स्थित हैं, जोकि उत्तर में है।

ह्क्रड्ख्र की लगभग 60 सचल चिकित्सा इकाइयाँ भी, बच्चों को पोलियो से बचाने वाली वैक्सीन की ख़ुराकें पिलाएंगी।

यह अभियान 26 फ़रवरी तक चलेगा।

इजराइल ने फलस्तीनी कैदियों की रिहाई रोकी कहा- हमारे बंधकों का अपमान किया

तेलअवीव, 23 फरवरी (एजेंसियां)।
इजराइल ने कहा है कि सैकड़ों फलस्तीनी कैदियों की रिहाई तब तक नहीं की जाएगी जब तक कि गाजा में बंधक बनाकर रखे गए और लोगों की रिहाई सुनिश्चित नहीं हो जाती तथा बंधकों को अपमानजनक तरीके से सौंपना बंद नहीं किया जाता। बता दें कि हमास ने छह इजराइली बंधकों को शनिवार को रिहा कर दिया था। इसके तुरंत बाद 620 फलस्तीनी कैदियों को रिहा किया जाना था लेकिन अभी तक ऐसा नहीं किया गया है। शनिवार को रिहा किए गए छह बंधकों में से पांच को नकाबपोश सशस्त्र चरमपंथी, भीड़ के सामने मंच पर लाए जिसके बाद उन्हें रिहा किया गया। बंधकों को सौंपे जाने के इस तरीके की संयुक्त राष्ट्र और अन्य संगठनों ने निंदा की है।प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय ने यह बयान रविवार को उस समय दिया जब कैदियों को ले जा रहे वाहन 'ऑफर जेल' के मुख्य द्वार से बाहर निकलने के बाद अंदर लौट गए।

हमास ने जीवित बचे संभवत: अंतिम छह बंधकों को युद्ध विराम के प्रथम चरण के तहत रिहा कर दिया है। कैदियों की रिहाई में देरी की इजराइल की घोषणा ने युद्धविराम समझौते के भविष्य को

लेकर अचानक और संदेह पैदा कर दिया है। हमास द्वारा छोड़े गए छह बंधकों में से तीन इजराइली पुरुष हैं, जिन्हें नोवा संगीत समारोह से उस समय कैद किया गया था, जब सात अक्टूबर 2023 को हमास के चरमपंथियों ने हमला किया था। इस हमले के बाद इजराइल ने गाजा पट्टी में हमास के खिलाफ युद्ध छेड़ा था। बंधकों में से दो को हमास ने लगभग एक दशक तक बंधक रखा। वे दोनों अकेले ही गाजा में घुसे थे। पांचों को मंच पर लाया गया और इसके बाद बचावकर्ताओं को सौंपा गया। इस तरीके को 'रेड क्रॉस' और इजराइल ने क्रूर और अपमानजनक बताते हुए इसकी निंदा की है। ओमर वेंकर्ट, ओमर शेम टोव और एलिया कोहेन को हमास के लड़ाकों के साथ खड़ा किया गया।

मस्क ने चौंकाने वाली तस्वीर शेयर कर कहा- जब बच्चे युद्ध में मर रहे थे तब जेलेंस्की पत्नी संग...

वाशिंगटन। अरबपति एलन मस्क सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म एक्स पर यूक्रेन राष्ट्रपति जेलेंस्की पर हमला कर रहे हैं। टेस्ला के सीईओ ने अपने एक्स सोशल नेटवर्क पर ज़ेलेंस्की पर 'यूक्रेनी सैनिकों की लाशों से पैसे कमाने वाली एक बड़ी भ्रष्टाचार मशीन' चलाने का आरोप लगाया है। एक्स पर पोस्ट में, उन्होंने फैशन मैग्जीन वैगू का कवर शेयर किया है। इसमें ज़ेलेंस्की और उनकी पत्नी ओलेना ज़ेलेंस्का दिख रहे हैं। यह तस्वीर जुलाई 2022 की है। फैशन मैग्जीन ने यूक्रेन की पहली महिला पांच तस्वीरें छापी थीं। इनमें से दो तस्वीरों में खुद ज़ेलेंस्की भी थे। कवर का शीर्षक था, पोरट्रेट ऑफ ब्रेवरी: यूक्रेंस फस्ट लैडी, ओलेना जेलेंस्की। मस्क ने इन तस्वीरों को एक्स पर शेयर किया है। साथ ही उन्होंने जेलेंस्की पर इतने दिनों से चुनाव न कराने और विपक्षी पार्टियों को बैन को पर 'तानाशाह' करार दिया है। मस्क ने एक्स पर जेलेंस्की की तस्वीरों को शेयर करते हुए कहा, 'उन्होंने यह तब किया, जब बच्चे युद्ध के मोर्चे पर मर रहे थे।' मस्क ने एक अन्य पोस्ट में लिखा, उन्हें पता था कि वे सभी यूक्रेनी मीडिया पर नियंत्रण करने के बावजूद भारी मतों से हारेंगे, इसलिए उन्होंने चुनाव रद्द कर दिया। वास्तव में, यूक्रेन के लोग उनसे नफरत करते हैं। बता दें कि ज़ेलेंस्की को 2019 में पांच साल के कार्यकाल के लिए चुना गया था। हालांकि, हाल ही में यूक्रेन ने रूस समर्थक राजनीतिक दलों द्वारा हस्तक्षेप का दावा करते हुए चुनाव स्थगित कर दिए हैं।

खिलाड़ियों को नियमित खेलने के अधिक अवसर मिले : रूट

नई दिल्ली, 23 फरवरी (एजेंसियां)।

वनडे क्रिकेट में इंग्लैंड का पहला मुकाबला ऑस्ट्रेलिया से होगा, लेकिन टीम लगातार चार वनडे सीरीज हारकर टूर्नामेंट में प्रवेश कर रही है। इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज जो रूट ने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 से पहले वनडे क्रिकेट में बल्लेबाजी की जटिलताओं पर खुलकर बात की है।

रूट का मानना है कि वनडे क्रिकेट में सफलता पाने के लिए खिलाड़ियों को नियमित रूप से खेलने के अधिक अवसर मिलने चाहिए। रूट ने कहा, मैंने अपने करियर में ऐसी दो पारियों के बारे में नहीं सुना जो बिल्कुल एक जैसी रही हों। बल्लेबाजी की कला परिस्थितियों का आकलन करने, दबाव में सही निर्णय लेने और स्थिति के अनुरूप खेलने में है।

उनका मानना है कि हर मैच नई चुनौती लाता है और बल्लेबाज को खुद को हर बार नए सिरे से ढालना पड़ता है। इंग्लैंड की वनडे टीम की हालिया विफलताओं के बावजूद रूट का मानना है कि वह अब भी इस प्रारूप में अधिक सफलता हासिल करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। 2023 वनडे विश्व कप में इंग्लैंड का सफर लीग चरण में ही खत्म हो गया था, जिसके बाद उनकी टीम की किस्मत वनडे में गिरावट की ओर गई। इसके बावजूद रूट ने कभी इस प्रारूप को छोड़ने की बात नहीं सोची।

उन्होंने कहा, मैंने कभी संन्यास नहीं लिया और न ही यह कहा कि मैं इस प्रारूप में नहीं खेलना चाहता। मुझे लगता है कि किसी भी खिलाड़ी को टीम में चयन का दैवीय अधिकार नहीं होता।

आपको अपने प्रदर्शन से इसे साबित करना होता है और यह सुनिश्चित करना होता है कि आप टीम को मजबूत बना रहे हैं, न कि उसे पीछे धकेल रहे हैं।रूट ने इंग्लैंड के खिलाड़ियों को 50 ओवर प्रारूप में खेलने और इसमें किस्मत बदलने के लिए अधिक अवसर देने की जरूरत पर जोर दिया।

उन्होंने कहा, आज के समय में खिलाड़ियों को लगातार वनडे खेलने का मौका नहीं मिलता, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि हम सफल नहीं हो सकते।

हमें इस प्रक्रिया को गति देने का तरीका खोजना होगा, जिसमें स्मार्ट रणनीति और अनुभवों को साझा करने की भूमिका अहम होगी। जब हम बड़े मैचों में निर्णायक क्षणों तक पहुंचें, तो हमें टीम को जीत दिलाने के लिए तैयार रहना होगा।

रूट को भरोसा है कि इंग्लैंड के पास इस प्रारूप में फिर से मजबूत होने की क्षमता है। उन्होंने कहा, हमारे पास सही खिलाड़ी और भरपूर प्रतिभा है। हमें बस अपने खेल को बेहतर तरीके से लागू करने और एक मजबूत मानसिकता के साथ खेलने की जरूरत है।

न्यूज ब्रीफ

कैरी के कैच का विडियो सोशल मीडिया में छाया , प्रशंसकों ने सुपरमैन करार दिया

लाहौर। ऑस्ट्रेलिया के एलेक्स कैरी नै चैम्पियंस ट्रॉफी में इंग्लैड के खिलाफ मुकाबले में फिल साल्ट का एक असंभव सा कैच पकड़कर दर्शकों को हैरान कर दिया था। अब कैरी के इस कैच का वीडियो सोशन मीडिया में जमकर वायरन हो रहा है। ।इस मैच में साल्ट ने मैच के दूसरे ओवर की तीसरी गेंद पर एक जबरदसत शॉट खेला। इसी दौरान कैरी ने छलांग लगाकर गेंद को हवा में ही पकड़ लिया। इस कैच के लिए प्रशंसकों के साथ ही कमेंटेकरों ने भी कैरी की जमकर प्रशंसा की है। कमेंट्री कर रहे इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर माइकल एथरटन ने कहा कि क्या कैच है, यह एक अविश्वसनीय कैच है। विकेटकीपर के रुप में उन्होंने जिस प्रकार मिड-ऑन पर जाकर कैच पकड़ा उसकी किसी को उम्मीद नहीं थी। वहीं सोशल मीडिया पर भी कैरी की जमकर प्रशंसा हुई और उन्हें सुपरमैन बताया गया। वहीं एक प्रशंसक ने इससे सर्वश्रेष्ठ कैच करार दिया। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड के खिलाफ 352 रन का रिकॉर्ड बनाया। इंग्लिस ने 86 गेंदों पर 120 रन की आक्रामक पारी खेली। इंग्लैंड ने पहले खेलते हुए 8 विकेट पर 351 रन बनाए थे पर ऑस्ट्रेलिया ने ये कठिन लक्ष्य हासिल कर लिया।

जोश इंग्लिस सभी प्रारुपों में शतक लगाने वाले चौथे ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर बने

लाहौर। ऑस्ट्रेलिया के विकेटकीपर बल्लेबाज जोश इंग्लिस ने इंग्लैंड के खिलाफ चैम्पियंस ट्रॉफी में लगाये शतक से अहम रिकार्ड अपने नाम किर लिया है। जोश इसी के साथ ऑस्ट्रेलिया की ओर से तीनों फॉर्मेट में शतक लगाने वाले केवल चौथे क्रिकेटर बने हैं। उनसे पहले शेन वॉटसन, ग्लेन मैक्सवेल और डेविड वार्नर ने यक उपलब्धि हासिल की थी। चैंपियंस ट्रॉफी में सबसे तेज शतक का रिकार्ड भारत के वीरेन्द्र सहवाग के नाम है। सहवाग ने साल 2002 में कोलंबो में ये शतक लगाया था। वहीं अब जोस ने भी 77 गेंदों पर ही शतक लगाकर सहवाग की बराबरी की है। इसके अलावा भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाजी शिखर धवन के नाम 80 गेंदों पर शतक का रिकार्ड है। ये शतक उन्होंने साल 2013 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ कार्डिफ में लगाया था। इसके अलावा श्रीलंका के तिलकरत्ने दिलशान ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ साल 2009 में सेंचुरियन में 87 गेंदों पर ही शतक लगाया था। इससे जोस उत्साहित हैं पर उनका कहना है कि उनके पैर जमीन पर ही रहेंगे। जोस की इस पारी से ऑस्ट्रेलिया 350 रनों के लक्ष्य का पीछा करने में सफल रही। चैम्पियंस ट्रॉफी में इस बार पहले चार मैचों में ही सात शतक लगे हैं। जिससे न्यूजीलैड के दो खिलाड़ी हैं जबकि बांग्लादेश , ऑस्ट्रेलिया, भारत , इग्लैंड और दक्षि अफ्रीका के एक-एक खिलाड़ी ने शतक लगाया है।

डब्ल्यूपीएल : यूपी वारियर्स ने दिल्ली कैपिटल्स को हराकर दर्ज की अपनी पहली जीत

बेंगलुरु। यूपी वारियर्स ने यहां महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) लीग के एक अहम मुकाबले में दिल्ली कैपिटलस को 33 रन से हरा दिया। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए के तहत बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम में ऊलटफेर करते हुए मजबूत नजर आ रही दिल्ली कैपिटलस को 33 रन से हरा दिया है। पहले खेलते हुए यूपी वारियर्स ने चिनेले हेनरी की शानदार पारी 32 गेंदों में 62 रनों की सहायता से 177 रन बनाए थे। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए दिल्ली टीम जेमिमा के 56 रनों की सहायता से 144 रन ही बना पाई। इससे पहले यूपी वारियर्स ने पहले खेलते हुए 20 ओवरों में 177 रन बनाए। दीप्ति के आउट होने के बाद हेनरी ने आगे आकर टीम को संभाला। उन्होंने 23 गेंदों पर 2 चौके और 8 छक्कों की मदद से 62 रन बनाए और टीम को 177 तक पहुंचाया। दिल्ली की ओर से जोनासन ने 31 रन देकर 4 विकेट लीं। वहीं, अरुंधति और मेरिजाना ने 2-2 विकेट लिए ।इसके बाद पीछा करते हुए दिल्ली कैपिटल्स बिखर गयी। यूपी वारियर्स के गेंदबाजों खासकर सोफी एक्लेस्टोन और दीप्ति के सामने दिल्ली की बल्लेबाज टिक नहीं पायीं।

भारत ने पाकिस्तान को छह विकेट से हराया, विराट कोहली ने वनडे करियर का 51वां शतक जड़ा

दुबई, 23 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय टीम के लिए विराट कोहली ने पाकिस्तान के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी में शतक लगा दिया है। यह उनके वनडे करियर का 51वां शतक है। विराट इस फॉर्मेट में दुनिया में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बल्लेबाज हैं। उनका हालिया फॉर्म कुछ खास नहीं रहा था। बांग्लादेश के खिलाफ पिछले मैच में वह काफी जूझ रहे थे। लेकिन पाकिस्तान के खिलाफ इस मैच में स्थिति बिल्कुल अलग थी। वह शुरुआत से ही स्ट्राइक रोटेट कर रहा थे। मौका मिलने पर बाउंड्री भी लगा दे रहे थे। पाकिस्तान ने विराट कोहली को शतक से रोकने के लिए साजिश रची थी। 42वें ओवर में शाहीन अफरीदी ने वाइड की झड़ी लगा दी। उन्होंने तीन वाइड फेंककर चार रन दिए। 42वें ओवर की शुरुआत में भारत को जीत के लिए 17 और विराट को शतक के लिए 13 रन चाहिए थे। हालांकि इसके बाद भी विराट ने पाकिस्तान और शाहीन अफरीदी की साजिश नाकाम कर दी। 43वें ओवर की दूसरी गेंद पर उन्होंने चौका लगाकर अपना शतक पूरा कर लिया।विराट कोहली 100 रन बनाकर नाबाद रहे। 111 गेंदों की अपनी पारी में विराट ने 7 चौके मारे। यानी उन्होंने सिर्फ 28 रन ही बाउंड्री बनाए। 72 रनों के लिए वह क्रीज के बीच में दौड़े। विराट ने वनडे में आखिरी शतक वर्ल्ड कप 2023 के दौरान बनाया था। उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में शतकीय पारी खेली थी। तब उन्होंने वनडे में सबसे ज्यादा शतक लगाने के सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ा था। अब विराट ने एक फॉर्मेट में सबसे ज्यादा शतक लगाने के सचिन के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। सचिन के टेस्ट में 51 शतक हैं। भारतीय टीम ने इस मैच में पाकिस्तान को 6 विकेट से हराया। पहले खेलते हुए पाकिस्तानी टीम ने 241 रन बनाए। 50वें ओवर में उनकी पारी सिमटी। साउद शकील और मोहम्मद रिजवान के बीच शतकीय साझेदारी हुई थी। भारत के लिए कुलदीप यादव ने सबसे ज्यादा 3 विकेट लिए। 43वें ओवर में टीम इंडिया ने मैच अपने नाम कर लिया। विराट के अलावा श्रेयस अय्यर ने 56 और शुभमन गिल ने 46 रन बनाए।

बिहार रूरल लीग में युवा खिलाड़ियों को प्रतिभा दिखाने का मिलेगा मौका

मुंगेर, 23 फरवरी (एजेंसियां)। बिहार में क्रिकेट की स्थिति को सुधारने लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। यहां के खिलाड़ियों की पीड़ा है कि उन्हें बिहार में बेहतर अवसर नहीं मिल पाते हैं, जिसे लेकर बिहार क्रिकेट संघ के ने बड़ा फैसला किया है और अब ग्रामीण स्तर पर सभी प्रतिभाओं को मौका दिया जाएगा और उन्हें बिहार के साथ-साथ देश की टीम में खेलने का भी मौका मिल सकेगा।

बिहार क्रिकेट संघ ने बिहार रूरल लीग 2024-25 का आयोजन करने वाला है, जिसमें जिले से लेकर पंचायत स्तर तक के खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा देखने का मौका मिलेगा। इसके लिए पंचायत स्तर पर कैंप लगाए जाएंगे।

वहां ग्रामीण खिलाड़ियों का चयन किया जाएगा और पंचायत स्तर पर टीम बनाई जाएगी। इसमें कोई भी हिस्सा ले सकता है और इसके लिए रजिस्ट्रेशन भी शुरु हो चुके हैं।

पंचायत से लेकर प्रखंड स्तर तक के खिलाड़ियों का किया जाएगा चयन

बिहार रूरल लीग के कन्वेयर ने बताया कि इस लीग में पंचायत से लेकर प्रखंड स्तर तक और स्कूल से लेकर कॉलेज तक के प्रतिभावान खिलाड़ियों का चयन किया जाएगा। इसमें हिस्सा लेने वाले खिलाड़ी अपनी पंचायत में लगने वाले कैंप में जाकर रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। कन्वेयर ने बताया कि बिहार रूरल लीग में सभी जिलों से 16 टीम का गठन किया जाएगा।

इसके लिए टैलेंट हंट आयोजित होगा। अंतर जिला लीग भी इसमें हिस्सा लेगी। सभी सोलह टीमों को चार ग्रुप में विभाजित किया जाएगा और हर जिलों में 15 मुकाबले आयोजित किए जाएंगे।

फाइनल मुकाबले में अच्छे प्रदर्शन पर उन सभी सोलह टीमों में से एक जिला स्तरीय टीम का गठन किया जाएगा। 38 जिलों से अलग-अलग टीम बनाकर उनके बीच सुपर लीग कराया जाएगा। सुपर लीग में अच्छा प्रदर्शन करने वाले सभी टीमों के खिलाड़ियों को मिलाकर एक टीम का गठन किया जाएगा।

एशियन कप टेबल टेनिस

शेनजेन में एशियन कप टेबल टेनिस में जापान की इटो मीमा रिटर्न शॉट लगाती हुई।

बॉर्डरमेन मैराथन 2025 में युवाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया

अमृतसर, 23 फरवरी (एजेंसियां)। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने युवाओं को जागरुक करने के लिए बॉर्डरमेन मैराथन 2025 का आयोजन किया है। 'बॉर्डरमेन मैराथन 2025' के चौथे संस्करण की दौड़ अमृतसर के गोल्डन गेट से दौड़ शुरू हुई और इसमें 5000 से अधिक लोग शामिल हुए। हैंड इन हैंड विद बॉर्डर पॉपुलेशन थीम पर आधारित इस खेल आयोजन का लक्ष्य सीमावर्ती युवाओं को सशक्त बनाना और स्वस्थ भारत के निर्माण की दिशा में कदम बढ़ाना है। इसमें मुख्य अतिथि बीएसएफ महानिदेशक दलजीत सिंह चौधरी ने कहा कि यह इस आयोजन का मकसद देश के युवाओं को उनके स्वास्थ्य के प्रति सजग करना है।

उन्होंने कहा कि यह मैराथन न केवल एक खेल आयोजन है, बल्कि सीमावर्ती युवाओं को सशक्त बनाने और स्वस्थ भारत के निर्माण की दिशा में एक अहम पहल है। साल 2022 से आरंभ हुई यह वार्षिक मैराथन एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में आयोजित की जाती है। ऐसे में इस वर्ष भी यह अपनी भव्यता और लोकप्रियता के साथ ही विशाल रूप में आयोजित की गयी है। इस मैराथन में 5,200 से अधिक धावक शामिल रहे हैं, जिनमें भारत के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय पेशेवर एथलीट भी शामिल थे। राज्य के छह सीमावर्ती जिलों के युवाओं ने आगे बढ़कर इसमें भाग लिया। इस वर्ष विशेष रूप से महिलाओं को खेलों के प्रति प्रोत्साहित करने के लिए बीएसएफ ने सभी श्रेणियों में महिलाओं के लिए निःशुल्क पंजीकरण की घोषणा की थी, जिससे उनकी भागीदारी और बढ़ी है। यह मैराथन गोल्डन गेट, अमृतसर से जेसीपी अटारी तक के खूबसूरत और ऐतिहासिक मार्ग पर आयोजित की गई। इसमें विभिन्न आयु वर्गों (पुरुष और महिला, 40 वर्ष से कम व अधिक) के प्रतिभागी शामिल रहे, जिसमें प्रथम आने वाले विजेताओं को 1.5 लाख (फुल मैराथन), 75,000 (हाफ मैराथन) और 40,000 (10 किमी दौड़) की नकद पुरस्कार राशि प्रदान की गयी।

बास्केटबॉल खिलाड़ी ने रिंग टॉस गेम में जीती स्पोर्ट्स कार, अब मांग रहे नगद इनाम

बीजिंग, 23 फरवरी (एजेंसियां)। चीन के शेडोंग प्रांत में एक व्यक्ति ने महज 23,300 रुपए खर्च कर 1.95 करोड़ रुपए कीमत की मासेराती स्पोर्ट्स कार जीत ली। यह कार एक नाइट मार्केट में आयोजित रिंग टॉस गेम में जीती, जहां कई अन्य पुरस्कारों के साथ यह महंगी कार भी इनाम में रखी गई थी।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यह घटना बिनझोउ शहर की है जहां वांग ने 14 फरवरी को इस गेम में भाग लिया। उन्होंने करीब तीन घंटे तक लगातार 8 हजार रिंग फेंकीं और मासेराती पर रिंग डालने में सफल रहे। वांग पेशे से एक बास्केटबॉल खिलाड़ी हैं और उन्हें तीन-पॉइंटर शूट करने का शौक है, जिससे उनकी निशानेबाजी की क्षमता काफी बेहतर है। उन्होंने बताया कि वे अक्सर नाइट मार्केट में रिंग टॉस गेम खेलते हैं और पहले भी कई छोटे-मोटे इनाम जीत चुके हैं। वांग ने अपनी जीत के बाद कहा कि वह हजारों रिंग फेंकीं और मेरे हाथ अभी भी दर्द कर रहे हैं। मेरी जीत में किस्मत का बड़ा योगदान है। यूनर न्यूईयर के दौरान उन्होंने सिर्फ 1,750 रुपये खर्च कर छह गीज़ भी जीते थे, लेकिन इस बार उनकी किस्मत ने बड़ा खेल दिखा दिया। गेम जीतने के बाद वांग को पता चला कि वह इस कार के स्थायी मालिक नहीं बने हैं। उन्हें केवल एक साल तक इस कार का इस्तेमाल करने का अधिकार मिला है, जिसके बाद इसे वापस करना होगा। इस शर्त को ध्यान में रखते हुए उन्होंने इस कार को शादियों में किराए पर देना शुरू कर दिया, जिससे वे अच्छी कमाई कर रहे हैं। उनके इस फैसले की लोगों ने खूब तारीफ की और सोशल मीडिया पर इसे वायरल किया।

सौरव गांगुली की जिंदगी पर बन रही बायोपिक

मुंबई। पूर्व कप्तान सौरव गांगुली की जिंदगी पर बायोपिक बनने जा रही है। फिल्म को लेकर खुद सौरव गांगुली ने यह खुलासा किया है कि उनकी भूमिका कौन निभाने वाला है। मीडिया से चर्चा में उन्होंने बताया कि राजकुमार राव उनकी बायोपिक में लीड रोल हालांकि, फिल्म की शूटिंग और डेट्स को लेकर कुछ अड़चनें हैं, जिसके कारण इसे पूरा होने में एक साल से ज्यादा का समय लग सकता है। सौरव गांगुली भारतीय क्रिकेट के सबसे सफल कप्तानों में से एक रहे हैं। उन्होंने भारत के लिए 113 टेस्ट और 311 वनडे मैच खेले हैं और अपने इंटरनेशनल करियर में 18,575 रन बनाए। दादा के नेतृत्व में भारतीय टीम ने कई यादगार जीत हासिल कीं, जिनमें 2003 का वर्ल्ड कप फाइनल भी शामिल है। क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद उन्होंने क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल के अध्यक्ष के रूप में अपनी भूमिका निभाई और बाद में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के अध्यक्ष बने। इसके अलावा, उन्होंने सचिन तेंदुलकर और वीवीएस लक्ष्मण के साथ बीसीसीआई की तकनीकी समिति में भी काम किया। वहीं, अगर राजकुमार राव की फिल्मों की बात करें तो वह जल्द ही 'भूल चूक माफ' में नजर आएंगे, जिसमें उनके साथ वामिका गब्बी लीड रोल में हैं। हाल ही में इस फिल्म का टीजर रिलीज हुआ, जिसे दर्शकों से अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। यह फिल्म 10 अप्रैल को रिलीज होगी। इसके अलावा, राजकुमार राव 'मालिक' नाम की फिल्म में भी नजर आएंगे, जिसे कुमार तौरानी प्रोड्यूस कर रहे हैं। सौरव गांगुली की बायोपिक की आधिकारिक घोषणा और फिल्म की शूटिंग शुरू होने का इंतजार किया जा रहा है।

चालू वित्त वर्ष में सिग्नेचर ग्लोबल का परिचालन राजस्व हो सकता है तीन गुना

नई दिल्ली, 23 फरवरी (एजेंसियां)। **रियल एस्टेट कंपनी सिग्नेचर ग्लोबल ने कहा है कि चालू वित्त वर्ष में उसका परिचालन राजस्व कम से कम 2.5 गुना होकर 3,000 करोड़ रुपये से अधिक रहेगा। कंपनी के एक प्रमुख अधिकारी ने कहा कि बिक्री के साथ-साथ परियोजनाएं पूरी होने की वजह से हम अपने राजस्व में उल्लेखनीय वृद्धि की उम्मीद कर रहे हैं।**

कंपनी चालू वित्त वर्ष में 10,000 करोड़ के पूर्व-बिक्री लक्ष्य को पार कर जाएगी

उन्होंने भरोसा जताया कि कंपनी चालू वित्त वर्ष में 10,000 करोड़ रुपये के पूर्व-बिक्री लक्ष्य और 16,000 करोड़ रुपये की पेशकश के लक्ष्य को पार कर जाएगी। उन्होंने कहा कि इस वित्त वर्ष की पहली तीन तिमाहियों में कंपनी का प्रदर्शन बिक्री बुकिंग, पेशकश, ग्राहकों से संग्रह और डिलिवरी जैसे सभी प्रमुख मापदंडों पर बहुत मजबूत रहा है। कंपनी वित्त वर्ष 2024-25 को मजबूती के साथ समाप्त करेगी।

राजस्व वृद्धि के बारे में उन्होंने कहा कि हमने चालू वित्त वर्ष के दौरान 3,800 करोड़ रुपये की राजस्व प्राप्ति का अनुमान लगाया था। इस वित्त वर्ष के पहले नौ महीनों में हमारा परिचालन राजस्व पहले ही 1,900 करोड़ रुपये को पार कर चुका है। हमें चौथी तिमाही में भी अच्छी वृद्धि की उम्मीद है।

चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-दिसंबर अवधि के दौरान सिग्नेचर ग्लोबल का परिचालन राजस्व पिछले वर्ष की इसी अवधि के 546.19 करोड़ रुपये से 3.6 गुना होकर 1,977.58 करोड़ रुपये हो गया है। 2023-24 में कंपनी का परिचालन राजस्व 1,240.55 करोड़ रुपये रहा था।

चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-दिसंबर अवधि के दौरान सिग्नेचर ग्लोबल ने 8,670 करोड़ रुपये की संपत्तियां बेची हैं, जो एक साल पहले की समान अवधि में दर्ज 3,120 करोड़ रुपये की बिक्री से कहीं अधिक है। कंपनी ने चालू वित्त वर्ष में 10,000 करोड़ रुपये की बिक्री बुकिंग हासिल करने का लक्ष्य रखा है, जबकि पिछले वर्ष यह आंकड़ा 7,270 करोड़ रुपये था।

न्यूज ब्रीफ

भारत में डिजिटल नेटिव क्षेत्र में अपना कारोबार बढ़ाएगी चेक पॉइंट सॉफ्टवेयर

बैंकॉक। चेक पॉइंट सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजीज लिमिटेड के एक चीफ व्यवसायिक अधिकारी ने इस्राइली कंपनी के एक शीर्ष अधिकारी के साथ साक्षात्कार में एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने बताया कि भारत एक रणनीतिक बाजार है और उनकी कंपनी भारत में डिजिटल नेटिव क्षेत्र में अपने कारोबार को बढ़ा रही है। एशिया प्रशांत और जापान की अध्यक्ष ने अधिकारियों को साइबर सुरक्षा के महत्व पर ध्यान आकर्षित किया और बताया कि भारत में शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा संस्थानों को साइबर हमलों का सामना करना पड़ता है। वे भारत को एक रणनीतिक बाजार बताने के साथ ही दो क्षेत्रों में काम करने के लिए अच्छाई की भविष्यवाणी की। चेक पॉइंट कैसे बढ़ रहा है डिजिटल नेटिव क्षेत्र में, इसकी जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि डिजिटल नेटिव के बढ़ते खतरे के साथ, हमारी कंपनी अपनी साइबर सुरक्षा क्षमता को मजबूत कर रही है। हम भारत में बहुत सक्रिय हैं और आनेवाले समय में यहां और भी बढ़ेगी। चेक पॉइंट के अनुसंधान और विकास के केंद्र की स्थापना बेंगलुरु में होने वाली है और इससे न केवल कंपनी का विस्तार होगा, बल्कि भारत में साइबर सुरक्षा क्षमता को भी मजबूत करेगा। चेक पॉइंट के उत्पाद लाइन्स के विकास के साथ-साथ, वह एंटरप्राइज-ग्रेड नेटवर्क सुरक्षा और स्क्योर एक्सेस सर्विस एज प्रदान करने में भी नई ऊंचाइयों की ओर अग्रसर है।

केरल में यूएई कंपनी करेगी 5,000 करोड़ का निवेश

नई दिल्ली। केरल के विकास में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, यूएई स्थित शिपिंग और लॉजिस्टिक्स क्षेत्र की दिग्गज कंपनी शराफ ग्रुप ने राज्य में 5,000 करोड़ रुपये का निवेश करने की घोषणा की।

शराफ ग्रुप के वाइस चेयरमैन ने कहा कि केरल को इसलिए चुना गया है क्योंकि राज्य सरकार व्यापार को सरल बनाने के लिए कई पहल कर रही है, जो रोजगार के अवसरों में वृद्धि करेगा। कंपनी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में घोषणा की कि वह दो ड्राई पोर्ट पर निवेश करेगी और राज्य को व्यापार के लिए और भी आकर्षक बनाने के लिए कई पहल करेगी। यह निवेश केरल में न केवल रोजगार के अवसर पर वृद्धि करेगा, बल्कि यह भी अन्य कंपनियों को राज्य में निवेश करने के लिए प्रेरित करेगा। इन्वेस्ट केरल ग्लोबल समिट जो शुक्रवार को शुरू हुआ, इसी उद्देश्य से आयोजित किया गया है, और वहाँ क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है जो राज्य के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। इस समिट के माध्यम से नागरिकों के लिए रोजगार के अवसरों में नई किरणें खिली हैं, जो राज्य की आर्थिक स्थिति में सकारात्मक परिवर्तन ला सकती हैं।

बर्कशायर हैथवे: वित्तीय सफलता की नई ऊंचाइयों पर

नई दिल्ली। बर्कशायर हैथवे के कैश और ट्रेजरी बिल होल्डिंग्स ने वित्त वर्ष 2025 की तीसरी तिमाही में 300 अरब डॉलर से अधिक कमाए, जो अब तक का सबसे उच्च स्तर है।

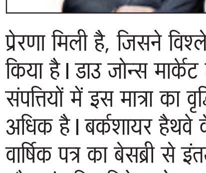

भारतीय बाजार को इस बड़े भूतपूर्व नकदी संग्रहण की खबर से प्रेरणा मिली है, जिसने विश्लेषकों के ध्यान को आकर्षित किया है। डाउ जोन्स मार्केट डेटा के अनुसार, कंपनी की संपत्तियों में इस मात्रा का वृद्धि 1998 के बाद सबसे अधिक है। बर्कशायर हैथवे के निवेशक वारेन बफेट के वार्षिक पत्र का बेसब्री से इंतजार है, जिसमें उनकी सोच और संभावित निवेश योजनाओं के संकेत मिल सकते हैं। कंपनी की वार्षिक रिपोर्ट से 2024 के अंत तक की सटीक नकद स्थिति का भी पता चलेगा।

भारतीय ऑटो कंपोनेंट इंडस्ट्री का राजस्व बढ सकता है 8-10 प्रतिशत तक

नई दिल्ली। भारतीय ऑटो कंपोनेंट इंडस्ट्री का राजस्व वित्त वर्ष 2025-26 में 8-10 प्रतिशत तक बढ़ सकता है। आईसीआरए की रिपोर्ट के अनुसार, परिचालन मार्जिन 11-12 प्रतिशत के सीमित दायरे में बना रह सकता है। इस वृद्धि का प्रमुख कारण ऑपरेटिंग लिवरेज, प्रति वाहन बढ़ता कंटेंट और वैल्यू एडिशन होगा। हालांकि, कमोडिटी की कीमतों और विदेशी मुद्रा दरों में उतार-चढ़ाव से उद्योग पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। लाल सागर मार्ग में व्यवधान के कारण समुद्री माल ढुलाई दरों में 2023 की तुलना में 2024 में दो से तीन गुना वृद्धि हुई है। यदि यह बढ़ोतरी जारी रही, तो उन ऑटो कंपोनेंट सप्लायरों पर प्रभाव पड़ेगा, जिनका आयात-निर्यात अधिक है। आईसीआरए का अनुमान है कि ऑटो कंपोनेंट इंडस्ट्री 2025-26 में 25-30 हजार करोड़ रुपये का पूंजीगत व्यय करेगी, जिसमें क्षमता विस्तार, स्थानीयकरण और ईवी टेक्नोलॉजी अपग्रेडेशन शामिल हैं।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

अमेरिकी फंडिग ...

बजाय किसी अन्य व्यक्ति को जिताने के लिए की गई थी। अपनी झेंप मिटाते हुए कांग्रेस पार्टी ने इस मुद्दे पर मोदी सरकार को घेरा और मांग की कि इस फंडिंग और अमेरिका से आने वाले अन्य अनुदानों पर श्वेत-पत्र जारी किया जाए। कांग्रेस ने दावा किया कि 2001 से अब तक 2.1 बिलियन डॉलर का अमेरिकी फंड भारत आया, जिसमें से 40 प्रतिशत सिर्फ मोदी सरकार के कार्यकाल में आया। कांग्रेस ने पूछा कि यह पैसा किसे और क्यों दिया गया?

कुछ नेता...

हमारे समाज को बांटना, उसकी एकता को तोड़ना ही उनका मकसद है।पीएम मोदी ने कहा कि मेरे छोटे भाई धीरेंद्र शास्त्री काफी समय से एकता के मंत्र को देकर लोगों को जागरूक करते रहते हैं। अब उन्होंने समाज और मानवता के हित में एक और संकल्प लिया है। इस कैंसर संस्थान के निर्माण की जिम्मेदारी उन्होंने अपने कंधे पर ली है। यानी अब यहां बागेश्वर धाम में भजन, भोजन और निरोगी जीवन तीनों का आशीर्वाद मिलेगा। मोदी ने कहा कि हमारे मंदिर, हमारे मठ, हमारे धाम ये एक ओर पूजन और साधना के केंद्र रहे हैं तो दूसरी ओर विज्ञान और सामाजिक चिंतन, सामाजिक चेतना के भी केंद्र रहे हैं। हमारे ऋषियों ने ही हमें आयुर्वेद का विज्ञान दिया, योग का विज्ञान दिया, जिसका परचम पूरी दुनिया में लहरा रहा है। हमारी तो मान्यता ही है कि परहित सरिस धर्म नहीं भाई। अर्थात दूसरों की सेवा ही धर्म है। इसलिए नर में नारायण, जीव मे शिव, इस भाव से जीवमात्र का सेवा, यही हमारी परंपरा रही है।प्रधानमंत्री ने कहा, आजकल हम देख रहे हैं, महाकुंभ की हर तरफ चर्चा हो रही है। महाकुंभ अब पूर्णता की ओर है। अब तक करोड़ों लोग वहां पहुंच चुके हैं। करोड़ों लोगों ने आस्था की डुबकी लगाई है। संतों के दर्शन किए हैं। अगर इस महाकुंभ की तरफ नजर करें तो सहज भाव उठ जाता है ये एकता का महाकुंभ है। आने वाली सदियों तक 144 वर्ष के बाद हुआ ये महाकुंभ एकता के महाकुंभ के रूप से प्रेरणा देता रहेगा और देश की एकता को मजबूती देने का अमृत परोसता रहेगा। लोग सेवाभाव से लगे हैं, जो भी कुंभ में गया है, एकता के दर्शन तो किए हैं, लेकिन जिन-जिनसे मेरा मिलना हुआ है, दो बातें महाकुंभ में गए हुए हर व्यक्ति के मुंह से हिंदुस्तान के कोने-कोने से सुन रहा हूं। एक स्वच्छता कर्मियों के गुणगान कर रहे हैं। चौबीसों घंटे जिस सेवाभाव में एकता के महाकुंभ में स्वच्छता कार्य को संभाल रहे हैं, मैं उन सभी को आदरपूर्वक नमन करता हूं।पीएम मोदी ने कहा, मैं आपकी सबकी तरह गरीब परिवार से निकला हूं। मैंने तकलीफों को देखा है, इसलिए संकल्प लिया कि मैं इलाज का खर्च कम करूंगा और आपकी जेब में ज्यादा से ज्यादा पैसा बचाऊंगा। पांच लाख तक का इलाज बिना किसी खर्च के किसी बेटे को अपने माता-पिता का नहीं करवाना है। दिल्ली में आपका बेटा बैठा है। इसके लिए आपको आयुष्मान कार्ड बनवाना है। जिनका नहीं बना है वो जल्दी बनवा लें। दवाओं का खर्च कम करने के लिए 14 हजार से ज्यादा जन औषधि केंद्र खोले हैं। जो दवाई बाजार में 100 रुपए में मिलती है, जन औषधि केंद्र में वहीं दवाई 15-20 रुपए में मिलती है। बहुत बार खबरें आती है, गांव-गांव किडनी की बीमारी काफी फैल रही है। लगातार डायलिसिस करानी पड़ती है। दूर-दूर जाना पड़ता है। खर्च बहुत बढ़ता है। आपकी ये मुसीबत कम हो इसलिए हमने 700 से ज्यादा जिलों में 1500 से ज्यादा डायलिसिस केंद्र खोले हैं। यहां मुफ्त सुविधा उपलब्ध है।

प्रधानमंत्री ने कहा, बागेश्वर धाम में कैंसर मरीजों के लिए इतना बड़ा अस्पताल खुलने जा रहा है, क्योंकि कैंसर अब हर जगह बड़ी परेशानी बन रहा है। इसलिए आज सरकार, समाज, संत सब कैंसर के खिलाफ लड़ाई में मिलकर प्रयास कर रहे हैं। गांव में अगर किसी को कैंसर हो जाए तो उससे लड़ना कितना मुश्किल होता है। बहुत दिनों तक पता ही नहीं चलता कि कैंसर हुआ है। बुखार और दर्द की दवाई लोग लेते रहते हैं। लोग तांत्रिक के पास चले जाते हैं। जब गांठ दिखती है तब पता चलता है कि कैंसर हुआ है। पता चलते ही घर में मातम छा जाता है। सारे सपने चूर-चूर हो जाते हैं। भाइयों-बहनों कैंसर से सुरक्षा के लिए आपको भी सावधान और जागरूक होना पड़ेगा। समय से कैंसर की पड़ताल हो। एक बार कैंसर फैल गया तो ठीक करना मुश्किल हो जाता है। हम 30 साल से अधिक उम्र के लोगों के लिए अभियान चला रहे हैं। थोड़ी सी भी शंका हो तो जांच करानी है। कैंसर किसी को छूने से नहीं होता है। ये छुआछूत की बीमारी नहीं है। कैंसर का खतरा, बीड़ी, सिगरेट, गुटखा, तंबाकू और मसाले से बढ़ता है। इसलिए कैंसर फैलाने वाले इन सब नशे से आपको दूर रहा है। औरों को भी दूर रखना है। हम सावधानी रखेंगे तो बागेश्वर धाम के कैंसर अस्पताल पर बोझ नहीं बनेंगे। यहां आने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इस साल के बजट में कैंसर से लड़ने के लिए कई घोषणाएं की गई हैं, और मोदी ने फैसला किया है कि कैंसर की दवाइयां सस्ती की जाएंगी। अगले 3 सालों में देश के हर जिले में कैंसर डे केयर सेंटर खोले जाएंगेपीएम मोदी ने कहा कि कितनी सरकारें आईं और चली गईं. हर पार्टी के नेता बुंदेलखंड आते थे। यहां पानी की किल्लत बढ़ती ही चली रही। पिछली सरकारों ने क्या किया। अपना वादा पूरा किया? ये काम भी तब शुरू हुआ, जब आपने मोदी को आशीर्वाद दिया। पीने का पानी और उसका संकट दूर करने तेजी से काम हो रहा है। जल जीवन मिशन यानी हर घर जल परियोजना के तहत बुंदेलखंड के घरों में पानी पहुंचाया जा रहा है। गांव में पानी पहुंचे, हमारे किसान भाइयों की आय बढ़े, इसके लिए हम दिनरात मेहनत कर रहे हैं। पीएम ने कहा कि भाइयों-बहनों बुंदेलखंड समृद्ध बने, इसके लिए जरूरी है महिलाएं भी उतनी ही सशक्त बनें। इसलिए हमने कई योजनाएं शुरू की हैं। हम तीन करोड़ बहनों को लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं। बहनों को ड्रोन उड़ाने की ट्रेनिंग भी दी जा रही है, यहां सिंचाई का पानी पहुंचेगा। बहनें ड्रोन से फसलों पर छिड़काव करेंगी। वो इससे खेती में मदद करेंगी। तो हमारा बुंदेलखंड समृद्धी की राह पर तेजी से आगे बढ़ेगा। गांव में ड्रोन तकनीक से एक और बड़ा जरूरी काम हो रहा है। स्वामित्व योजना के तहत ड्रोन से जमीन का पैमाइश कराई जा रही है। उसके पुख्ता कागज तैयार किए जा रहे हैं। एमपी में इसे लेकर बहुत अच्छा काम हुआ। अब इन कागजों पर बैंक से आसानी से लोन ले रहे हैं। ये लोन रोजगार-धंधे में काम आ रहा है। लोगों की आय बढ़ रही है। बुंदेलखंड की इस महान की धरती को विकास की नई ऊंचाइयों पर पहुंचाने के लिए डबल इंजिन की सरकार दिन रात मेहनत कर रही है। मैं बागेश्वर धाम में कामना करता हूं, बुंदेलखंड समृद्धि और विकास की राह पर इसी तरह आगे बढ़ता रहे।मोदी ने कहा, आज मैं हनुमान दादा के चरणों में आया। तो मुझे लगा कि क्या ये धीरेंद्र शास्त्री ही अकेले ही पर्ची निकाल पाएंगे या मैं भी निकाल पाऊंगा। तो मैंने देखा कि हनुमान दादा की मुझ पर कृपा होती है कि नहीं। तो हनुमान दादा ने मुझे आशीर्वाद दिया। तो मैंने पहली पर्ची निकाली, उनकी माता जी ने पर्ची निकाली। इसकी बात शास्त्री जी ने बता दी आपको। यह बहुत बड़ा अवसर है। बहुत बड़ा काम है। संकल्प बड़ा हो, संतों का आशीर्वाद हो, प्रभु की कृपा हो तो संकल्प समय पर पूरा होता है। आपने कहा है कि इसके उद्घाटन के लिए मैं आऊं और दूसरा कहा है कि उनकी बारात में मैं आऊं। तो मैं सार्वजनिक रूप से वादा करता हूं कि मैं दोनों काम करूंगा।

हीराबेन मोदी के ...

का विचार है। इस अस्पताल से कृपा और दवा भी मिलेगी। धीरेन्द्र शास्त्री ने घोषणा करते हुए कहा, पीएम मोदी की मां श्रीमती हीराबेन मोदी के नाम से अस्पताल में वार्ड बनाया जाएगा।

7 परियोजनाओं...

और स्वास्थ्य से जुड़ी परियोजनाओं के लिए फंडिंग की। जबकि मतदान बढ़ाने या चुनाव से जुड़ी कोई फंडिंग नहीं की गई। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि एजेंसी ने वन एवं जलवायु अनुकूल कार्यक्रम और ऊर्जा दक्षता प्रौद्योगिकी व्यवसायीकरण और नवाचार परियोजना के लिए फंडिंग करने का वादा किया है। 1951 में भारत को अमेरिका से मदद मिलनी शुरू हुई थी। यूएसएआईडी की ओर से अब तक भारत को 555 परियोजनाओं के लिए 1700 करोड़ रुपए की मदद मिल चुकी है।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि हमें भारत में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए 2.1 करोड़ डॉलर देने की क्या जरूरत है? मुझे लगता है कि वे (बाइडन सरकार) चाहते थे कि चुनाव में किसी और को चुना जाए। हमें इस बारे में भारत सरकार को बताना चाहिए। यह चौंकाने वाला है। भारत के पास पहले से ही काफी पैसा है। वे सबसे ज्यादा टैक्स लगाने वाले देश हैं। हम मुश्किल से उनके बाजार में अपना सामान भेज पा रहे हैं क्योंकि उनके टैरिफ बहुत ज्यादा हैं। मैं भारत और उनके प्रधानमंत्री का सम्मान करता हूं, लेकिन भारत के चुनाव में 2.1 करोड़ की फंडिंग देने का क्या मतलब है? यहां के मतदान प्रतिशत का क्या? इसके बाद भारत में राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है।हाल ही में एलन मस्क के नेतृत्व वाले सरकारी दक्षता विभाग ने खुलासा किया है कि अमेरिका द्वारा दुनियाभर के देशों को फंडिंग देने वाली एजेंसी यूएसएड के जरिए भारत में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए 2.1 करोड़ डॉलर का योगदान दिया गया। सरकारी दक्षता विभाग ने फिलहाल यूएसएआईडी द्वारा की जाने वाली अधिकतर फंडिंग पर रोक लगा दी है। भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने इस मामले पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा, ट्रंप प्रशासन से जो जानकारी सामने आई है, वह चिंताजनक है। सरकार इस पर जांच कर रही है। अगर इसमें कोई सच्चाई है, तो देश को यह जानने का हक है कि इसमें कौन लोग शामिल हैं। जयशंकर ने यह भी कहा कि यूएसआईडी को भारत में अच्छे कामों के लिए अनुमति दी गई थी*, लेकिन अगर इसमें कोई गलत गतिविधि हो रही है, तो इसकी जांच जरूरी है।

यूएसएड फंडिंग विवाद के बीच, कांग्रेस ने भाजपा पर निशाना साधा। कांग्रेस ने भाजपा पर अमेरिका से झूठी खबरें फैलाने और राष्ट्र-विरोधी कार्य करने का आरोप लगाया। कांग्रेस ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्री एस जयशंकर को यह बताना चाहिए कि जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और एलन मस्क बार-बार भारत का अपमान कर रहे हैं, तो सरकार चुप क्यों है? हालांकि, भाजपा ने कांग्रेस के सभी आरोपों को खारिज कर दिया।

ट्रंप-मोदी मिलें ...

जाता है। यह आखिरी दोहरा मापदंड है, लेकिन हम इसके आदी हो चुके हैं। अच्छी खबर यह है कि लोग अब उनके झूठ पर विश्वास नहीं करते, चाहे वे हम पर कितना भी कीचड़ उछालें। नागरिक हमारे लिए वोट करते रहते हैं।

सीपीएसी में मेलोनी की भागीदारी इटली के विपक्षी नेताओं की ओर से काफी आलोचना के बीच हुई। वहां के विपक्षी नेताओं ने उनसे अपनी उपस्थिति रद्द करने का आह्वान किया। ट्रंप के पूर्व सलाहकार स्टीव बैनन के विवादास्पद भाषण के बाद विपक्षी नेता उन्हें अपना दौरा रद्द करने के लिए कह रहे थे। स्टीव बैनन अपने संबोधन के दौरान नाजी शैली की सलामी देते हुए दिखाई दिए, जिससे डेमोक्रेटिक पार्टी की नेता एली श्लेन ने सीपीएसी पर फासीवादी सभा होने का आरोप लगाया। हालांकि मेलोनी ने इन आलोचनाओं को खारिज कर दिया, खुद को रूढ़िवादी आंदोलन के साथ जोड़ लिया और लोगों पर शासन करने के बजाय उनकी सेवा करने में अपने विश्वास को दोहराया। उन्होंने कहा, हम लोगों की सेवा करते हैं, हम उन पर शासन नहीं करते।

अजमेर से....

पुलिस ने बताया है कि इन गायब हुए बच्चों में कई को ढूंढ लिया गया है। पुलिस ने कहा है कि इसके लिए वह तकनीक का भी सहारा ले रही है। गायब हुए कई बच्चे-बच्चियों को दूसरे प्रदेशों से भी वापस ढूंढ कर लाया गया है। बच्चों का अपहरण करने वालों को गिरफ्तार किया गया है।राजस्थान अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की एक रिपोर्ट बताती है कि 2022 में अजमेर जिले में 85 मामले पॉक्सो के तहत दर्ज हुए थे। इसके अलावा जिले में रेप के मामले भी 200 से अधिक थे। अजमेर 2022 में महिलाओं से छेड़खानी के मामलों में भी टॉप पर रहा था। 2022 में अजमेर में महिलाओं से 687 मामले छेड़खानी के दर्ज हुए थे। अजमेर में लड़कियों के अपहरण के भी मामले 2022 में अधिक थे। इनकी संख्या 2022 में 331 थी।ब्यावर में हिंदू बच्चियों को फंसा कर उनका शारीरिक शोषण करने वाले और उन्हें ब्लैकमेल करने वाले मुस्लिम लड़कों के खिलाफ गुस्सा थम नहीं रहा है। इस मामले में गिरफ्तार 6 आरोपितों को वकीलों ने दोबारा पीटने की कोशिश कोर्ट परिसर में की। वहीं हिंदू संगठनों ने इसको लेकर ब्यावर में एक प्रदर्शन रैली आयोजित की। जिस फैफे में हिंदू लड़कियों को लाकर उनकी अश्लील तस्वीरें बनाई जाती थीं, उसको भी प्रशासन ने सील कर दिया है। उस पर बुलडोजर भी चल गया है। ब्यावर कांड के आरोपित रिहान मोहम्मद (20 वर्ष), सोहेल अंसारी (19 वर्ष), लुकमान (20 वर्ष), अरमान पठान (19 वर्ष), साहिल कुरैशी (19 वर्ष) को कोर्ट ने दोबारा 7 दिन की रिमांड पर भेज दिया है। इससे पहले उन्हें 4 दिन की रिमांड पर भेजा गया था। पूछताछ के दौरान उन्होंने स्कूल बच्चियों को फंसाने के लिए पर्ची डालने और उन्हें कैफे ले जाकर अश्लील फोटो खींचने की बात कबूली थी। पीड़ित हिंदू बच्चियों ने भी कैमरा पर कहा कि यह लड़के रोजा-कलमा और नमाज की ट्रेनिंग दी थी।अजमेर कांड 1992 में हुआ था। इस दौरान शहर में अचानक कई हिंदू लड़कियों की न्यूड तस्वीरें वायरल होना शुरू हुई थी। लड़कियां सुसाइड करने लगी थीं और पूरा शहर इन तस्वीरों को देख शर्मसार हो रहा था। केस में रसूखदारों के नाम आने लगे थे। सेक्स कांड के आरोपितों के तार दरगाह के खादिमों से जुड़ते मिले थे। पता चला था कि अधिकांश पीड़िता शहर के सोफिया कॉलेज की छात्राएं थी। मामले के खुलासे के 30 वर्षों तक केस चलता रहा था। इस मामले में 2024 में 6 आरोपियों को उम्रकैद की सजा मिली थी।

कांग्रेस को ....

शशि थरूर ने कहा कि कांग्रेस को 2026 के केरल विधानसभा चुनाव में जीत चाहिए, तो उसे अपनी पहुंच बढ़ानी होगी। थरूर का मानना है कि पार्टी का वोट सिर्फ 19 प्रतिशत है, जो सत्ता में आने के लिए काफी नहीं। इसके लिए 26-27 प्रतिशत अतिरिक्त वोट चाहिए। उन्होंने कहा, मेरी बात का असर तिरुवनंतपुरम में दिखता है। यहां लोग मुझे वोट देते हैं, चाहे वो कांग्रेस को पसंद न करें। यही तरीका पार्टी को अपनाना चाहिए। थरूर ने ये भी बताया कि केरल कांग्रेस में नेतृत्व की कमी है और कई कार्यकर्ता उनकी बात से सहमत हैं।कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं में से एक शशि थरूर ने कहा कि अगर पार्टी उनकी लोकप्रियता का फायदा उठाना चाहे, तो वो तैयार हैं। लेकिन अगर ऐसा नहीं हुआ, तो उनके पास किताबें लिखने, भाषण देने जैसे दूसरे रास्ते भी हैं। थरूर ने बताया कि सोनिया गांधी और मनमोहन सिंह जैसे बड़े नेताओं के कहने पर ही वो यूएन की नौकरी छोड़कर राजनीति में आए थे। वो हमेशा बेबाकी से बोलते हैं, चाहे नरेंद्र मोदी की तारीफ हो या पिनराई विजयन की। उनका कहना है कि अच्छे काम की तारीफ करनी चाहिए, भले ही वो विरोधी पार्टी का हो।हालांकि, पार्टी में कुछ लोग इसे पसंद नहीं करते। थरूर ने कहा कि आम लोग उनकी इस सोच को समझते हैं, लेकिन पार्टी के भीतर सवाल उठते हैं। उन्होंने ये भी साफ किया कि वो पार्टी नहीं छोड़ेंगे, पर जरूरत पड़ी तो निर्दलीय रह सकते हैं। साथ ही, कांग्रेस की संगठन व्यवस्था को मजबूत करने की बात कही, जिसमें भाजपा उनसे आगे है। कांग्रेस वर्किंग कमेटी में शामिल होने के बाद भी उन्हें लगता है कि वहां फैसले लेने की ताकत कम है।

विदेशी फंडिंग ...

सामाजिक कार्यों के नाम पर बनाए गए इन एनजीओ की गतिविधियां संदिग्ध पाई गई हैं। इसको लेकर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने चेतावनी भी दी थी। उन्होंने धर्मांतरण को न केवल अनैतिक, बल्कि संविधान की मूल भावना के भी विरुद्ध बताया था।सीएम साय ने कहा कि कुछ संदिग्ध एनज-ीओ के बारे में जानकारी मिली है, जो धर्मांतरण के काम में लिप्त हैं। उन्होंने कहा कि ये एनजीओ शिक्षा और स्वास्थ्य के नाम पर विदेशों से फंडिंग लेते हैं और उसका इस्तेमाल धर्मांतरण के लिए करते हैं। अशिक्षा, गरीबी, चंगाई या लोक-परलोक के नाम पर लोगों को बहकाकर और लालच देकर जबरन धर्म परिवर्तन कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इसकी जांच की जाएगी और पता लगाया जाएगा कि इन एनजीओ के पास पैसा कहां से आ रहा है और वे इन पैसों का कहां एवं कैसे उपयोग कर रहे हैं।बस्तर में एफसीअ-ारए पंजीकृत 19 में से 9 और जशपुर में 18 में से 15 संस्थाएं ईसाई मिशनरियों द्वारा संचालित की जा रही हैं। राज्य में ईसाई मिशरियों द्वारा सबसे अधिक संस्थाएं जशपुर में ही संचालित की जा रही हैं। यहां धर्मांतरण भी सबसे अधिक है। कहा जाता है कि जशपुर की कुल आबादी का 35 प्रतिशत से अधिक जनजातीय लोग ईसाई बन चुके हैं। जशपुर में ईसाइयों की संख्या को लेकर मार्च 2024 में एक आरटीआई दाखिल किया गया था। इसमें बताया गया था कि सिर्फ 210 लोग ही कानूनी तौर पर धर्मांतरण करके ईसाई बने थे और उन सभी की मौत हो चुकी है। वहीं, 2011 की जनगणना रिपोर्ट की मानें तो जशपुर के 22.5 प्रतिशत लोगों ने खुद को ईसाई बताया था। अब यह आंकड़ा लगभग दोगुनी हो चुकी है।

बता दें कि राज्य में धर्मांतरण को लेकर 11 महीने में 13 एफआईआर हुई हैं। वहीं, बस्तर संभाग में इसकी अलग-अलग 23 शिकायतें मिली हैं। मीडिया रिपोर्ट की मानें तो छत्तीसगढ़ के बजट सत्र में राज्य की भाजपा सरकार धर्मांतरण पर नए एवं सख्त कानून ला सकती है। कहा जा रहा है कि इसकी तैयारियां भी शुरू हो गई हैं। नए कानून को छत्तीसगढ़ धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम नाम दिया गया है। इसका मसौदा तीन राज्यों के संबंधित कानूनों का अध्ययन करने के बाद इसे तैयार किया गया है। नए कानून के लागू होने के बाद धर्म परिवर्तन से पहले सूचना देनी होगी। इसके अलावा, बिना इजाजत के धर्म परिवर्तन कर शादी करने पर वह शादी अमान्य होगी।

बहलाकर या लालच देकर धर्मांतरण कराना अपराध होगा। वहीं, दो या इससे अधिक लोगों को धर्मांतरण कराने को सामूहिक धर्मांतरण में शामिल किया गया है। इस तरह के अपराध के लिए 10 साल तक की जेल और 2 लाख रुपए जुर्माना की सजा का प्रावधान किया गया है। दूसरे धर्म के व्यक्ति/महिला से शादी के समय अपना धर्म छुपाना भी अपराध की श्रेणी में होगा। छत्तीसगढ़ में नए धर्मांतरण विरोधी मसौदे में नाबालिग, महिला, अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति के सदस्यों का अवैध धर्मांतरण कराने पर 2 साल से 10 साल तक की जेल हो सकती है। वहीं, सामूहिक धर्मांतरण का दोषी पाए जाने पर न्यूनतम 3 साल से लेकर अधिकतम 10 साल तक की सजा और 50,000 रुपए का जुर्माना हो सकता है। कानून के मसौदे में कहा गया है कि धर्मांतरण अवैध नहीं था, यह साबित करने की जिम्मेदारी धर्मांतरण करने वाले और कराने वाले व्यक्ति की होगी। अब देखना ये है कि इस बार भी यह धर्मांतरण संशोधन विधेयक सदन में पास हो पाता है या नहीं, क्योंकि इससे पहले दो बार यह सदन से पारित नहीं हो सका है।

कर्ज लेने का...

तेलंगाना ने वित्त वर्ष 2024-25 के बजट में बताया था कि वह 297 करोड़ के राजस्व सरप्लस में रहेगा। असलियत यह है कि जनवरी 2025 आते-आते वह 26 हजार करोड़ से अधिक के राजस्व घाटे में आ चुका है। तेलंगाना में राजस्व इकट्ठा करने में भी समस्याएं हो रही हैं। राज्य लगातार स्टाम्प, शराब और बाकी जरिए से होने वाली कमाई भी खो रहा है।

तेलंगाना पर कर्ज का बोझ इतना बढ़ा है कि वह अब राज्य के कर्मचारियों की सैलरी से ज्यादा खर्च हर महीने कर्ज का ब्याज देने पर रही है। एक रिपोर्ट बताती है कि राज्य सरकार वर्तमान में 5 हजार करोड़ से अधिक पुराने कर्ज के ब्याज देने पर खर्च कर रही है। वह राज्य में अपने कर्मचारियों को 3 हजार करोड़ ही सैलरी के रूप में देती है। तेलंगाना की कमाई का लगभग 40 प्रतिशत हिस्सा अब कर्ज चुकाने में जाता है। कांग्रेस सरकार अब राज्य के मालिकाना हक़ वाली कम्पनियां भी बेचना चाहती है।

राज्य की विपक्षी पार्टी बीआरएस का आरोप है कि कांग्रेस सरकार मात्र 12 महीनों में ही 1 लाख 27 हजार करोड़ का कर्ज ले चुकी है। वहीं कांग्रेस अब तक यह कह कर बचती आई है कि वह पिछली सरकार के कर्ज को चुका रही है। हालांकि, बीआरएस और भाजपा इसे केवल विफलता छुपाने का बहाना बता रही हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने हाल ही में कहा था कि तेलंगाना बनने के दौरान खर्च से अधिक राजस्व वाला राज्य था जबकि अब वह कर्ज लेने के चक्कर में पड़ गया है।

कांग्रेस ने राज्य में चुनाव जीतने के लिए कई रेवड़ी वादे कर दिए थे। अब यही वादे उसके लिए पूरा करना भारी हो रहा है। कांग्रेस ने राज्य में महिलाओं को मुफ्त बस यात्रा का वादा तो पूरा किया है। इसमें 1300 करोड़ का खर्च हो चुका है। कांग्रेस ने किसान कर्ज माफ़ी में भी राज्य में लगभग 20 हजार करोड़ खर्च कर चुकी है। उसे अब पता चल रहा है कि बाकी योजनाएं लागू करने के लिए राज्य के पास पैसा नहीं है। कांग्रेस सरकार अब तक राज्य में महिलाओं को 2500 देने वादा पूरा नहीं कर सकी है।

कांग्रेस सरकार की विफलता पर लगातार भाजपा और बीआरएस हमलावर हैं। बीआरएस का आरोप है कि उनके राज के दौरान तेलंगाना में प्रति व्यक्ति आय तीन गुना हो गई थी और कर्ज भी नियंत्रण में रहा था। बीआरएस ने चुनौती दी है कि कांग्रेस उससे राज्य के वित्तीय संकट पर बहस करे। बीआरएस का आरोप है कि कांग्रेस ने कोई वादे भी नहीं पूरे किए हैं। वहीं भाजपा ने कहा है कि कांग्रेस राज में तेलंगाना आर्थिक रूप से बर्बाद हो चुका है।

तेलंगाना से पहले कर्नाटक और हिमाचल प्रदेश भी कांग्रेस राज में आर्थिक संकट में फंस चुके हैं। कर्नाटक में एससी-एसटी फंड का पैसा चुनावी गारंटी के लिए लगाया जा रहा है। तो हिमाचल प्रदेश में मुख्यमंत्री तनख्वाह न लेने का ऐलान कर रहे हैं। यदि सही आर्थिक कदम न उठाए गए तो जल्द ही यही स्थिति तेलंगाना में बन सकती है।

मुफ्त की रेवड़ियों ....

इसमें बेघर लोगों को घर बनाने के लिए 5 लाख की मदद मिलेगी। तेलंगाना सरकार ने जितना कर्ज लेने का सोचा था, उससे ज्यादा ले लिया है। 49,255 करोड़ के बजट की जगह जनवरी तक 58,596 करोड़ का कर्ज ले लिया गया। इसमें से 10,386 करोड़ तो सिर्फ एक महीने में ही लिया गया। चुनाव में महिलाओं को हर महीने 2,500 देने का वादा भी अभी पूरा नहीं हुआ है।

बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी को विधानसभा में राज्य के वित्त पर बहस के लिए चुनौती दी है। केटीआर ने मुख्यमंत्री पर राज्य को गलत प्रबंधन और झूठे प्रचार से वित्तीय संकट में धकेलने का आरोप लगाया है। शनिवार को तेलंगाना भवन में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में केटीआर ने कहा, अगर आपमें हिम्मत है, तो आइए तथ्यों पर बहस करें। हम बताएंगे कि कैसे कांग्रेस की लापरवाह नीतियां तेलंगाना को बर्बाद कर रही हैं। जनता को सच्चाई जानने का हक है।

केटीआर ने कहा कि कांग्रेस सरकार तेलंगाना की प्रगति के बारे में झूठ फैला रही है। उन्होंने आगे कहा, अगर कोई हमारे राज्य का अपमान करेगा या उसे कम आंकने की कोशिश करेगा तो हम चुप नहीं बैठेंगे। केसीआर के नेतृत्व में तेलंगाना की उपलब्धियों को झूठ और प्रचार से मिटाया नहीं जा सकता। बीआरएस नेता ने कहा कि राज्य सांख्यिकी एटलस रिपोर्ट, जो एक आधिकारिक सरकारी दस्तावेज है, ने सच्चाई सामने ला दी है।

उन्होंने दावा किया कि रिपोर्ट रेवंत रेड्डी के बढ़ते कर्ज के बयानों का खंडन करती है। उन्होंने कहा, कांग्रेस सरकार ने खुद एक रिपोर्ट जारी की है जिसमें दिखाया गया है कि केसीआर के नेतृत्व में तेलंगाना की वित्तीय स्थिति कैसे मजबूत हुई। फिर भी, रेवंत झूठ फैला रहे हैं।

महाशिवरात्रि पर ग्रहों के दुर्लभ योग

सूर्य, बुध और शनि के योग में मनेगी महाशिवरात्रि

बुधवार, 26 फरवरी को महाशिवरात्रि है। शिवपुराण के मुताबिक, ब्रह्मा और विष्णु का विवाद शांत करवाने के लिए शिव शिवलिंग के रूप में प्रकट हुए थे। जिस दिन ये घटना हुई थी, उस दिन फाल्गुन कृष्ण चतुर्दशी तिथि थी, इसी वजह से महाशिवरात्रि मनाई जाती है। इस पर्व पर शिव मंदिरों में विशेष पूजा की जाती है, व्रत किया जाता है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि महाशिवरात्रि पर सूर्य, बुध और शनि एक साथ कुंभ राशि में स्थित रहेंगे। इन तीनों ग्रहों की युति और महाशिवरात्रि का योग 2025 से पहले 1965 में बना था। ग्रहों के दुर्लभ योग में शिव पूजा करने से भक्तों की मनोकामनाएं जल्दी पूरी हो सकती हैं, ऐसी मान्यता है। इस साल शिवरात्रि पर शिव जी के साथ ही सूर्य, बुध और शनि ग्रह की भी विशेष पूजा करने का शुभ योग है। इस योग में की गई पूजा-पाठ से कुंडली से जुड़े ग्रह दोष भी शांत हो सकते हैं। हिंदू पंचांग के अनुसार हर साल फाल्गुन मास में कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को महाशिवरात्रि का पर्व मनाया जाता है। महाशिवरात्रि के दिन शिवजी के भक्त श्रद्धा और विश्वास के साथ व्रत रखते हैं और विधि-विधान से शिव-गौरी की पूजा करते हैं। ऐसा कहा जाता है कि महाशिवरात्रि के दिन भगवान भोलेनाथ पृथ्वी पर मौजूद सभी शिवलिंग में विराजमान होते हैं, इसलिए महाशिवरात्रि के दिन की गई शिव की उपासना से कई गुना अधिक फल प्राप्त होता है।

पंचांग के अनुसार, फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की महाशिवरात्रि 26 फरवरी, धनिष्ठा नक्षत्र, परिघ योग, शकुनी करण और मकर राशि के चंद्रमा की उपस्थिति में आ रही है। इस दिन चार प्रहर की साधना से शिव की कृपा प्राप्त होगी। शुभ संयोग और शुभ मुहूर्त में भगवान शिव की आराधना करने से उनके भक्तों को मनोवांछित फलों की प्राप्ति होगी। इस दिन सुबह से ही मंदिरों में शिव भक्तों की भीड़ जमा हो जाती है। सभी भक्त प्रभु की पूजा-अर्चना में जुट जाते हैं। कई लोग इस दिन अपने-अपने घरों में रुद्राभिषेक भी करवाते हैं। भगवान भोलेनाथ की कई प्रकार से पूजा अर्चना की जाती है। लेकिन महाशिवरात्रि पर यदि भक्त बेलपत्र से भगवान शिव की विशेष पूजा करें तो उनके धन संबंधी दिक्कतें दूर हो जाएंगी। जो लोग शिव मंदिर में पूजा नहीं कर पाते हैं, वे घर में शिवलिंग स्थापित करके पूजा कर सकते हैं। घर में शिवलिंग स्थापना के लिए महाशिवरात्रि बहुत शुभ दिन है। अगर घर में शिवलिंग स्थापित करना चाहते हैं तो शिवलिंग का आकार ज्यादा बड़ा नहीं होना चाहिए। बड़े शिवलिंग मंदिरों के लिए ही शुभ होते हैं। घर के लिए तो छोटा सा शिवलिंग शुभ रहता है। शिव पुराण में बताया गया है कि घर में हाथ के अंगूठे के पहले भाग से बड़ा शिवलिंग नहीं रखना चाहिए। शिवलिंग के साथ ही गणेश जी, देवी पार्वती, कार्तिकेय स्वामी और नंदी की छोटी सी प्रतिमा भी रखनी चाहिए। शिवलिंग सोना, चांदी, पीतल का या मिट्टी-पत्थर का शुभ रहता है। एल्युमीनियम, स्टील या लोहे के शिवलिंग की पूजा करने से बचना चाहिए। पूजा-पाठ के लिए ये धातु शुभ नहीं मानी जाती हैं। इन धातुओं के अलावा स्फटिक और पारद के शिवलिंग भी घर में स्थापित कर सकते हैं। शिव परिवार की पूजा एक साथ करने से पूजा का फल जल्दी मिल सकता है।

सूर्य-शनि की कुंभ राशि में और मीन राशि में रहेंगे शुक्र-राहु

इस साल महाशिवरात्रि बुधवार को है, इस दिन ग्रहों के दुर्लभ योग भी बन रहे हैं। महाशिवरात्रि पर शुक्र अपनी उच्च राशि मीन में रहेगा, इसके साथ राहु भी रहेगा। ये एक शुभ योग है। इसके अलावा सूर्य-शनि कुंभ राशि में रहेंगे। सूर्य शनि के पिता हैं और कुंभ शनि की राशि है। ऐसे में सूर्य अपने पुत्र शनि के घर में रहेंगे। शुक्र मीन राशि में अपने शिष्य राहु के साथ रहेगा। कुंभ राशि में पिता-पुत्र और मीन राशि में गुरु-शिष्य के योग में शिव पूजा की जाएगी। ऐसा योग 149 साल बाद है। 2025 से पहले 1873 में ऐसा योग बना था, उस दिन भी बुधवार को शिवरात्रि मनाई गई थी।

सूर्य, बुध और शनि योग

महाशिवरात्रि पर सूर्य, बुध और शनि एक साथ कुंभ राशि में स्थित रहेंगे। इन तीनों ग्रहों की युति और महाशिवरात्रि का योग 2025 से पहले 1965 में बना था। ग्रहों के दुर्लभ योग में शिव पूजा करने से भक्तों की मनोकामनाएं जल्दी पूरी हो सकती हैं, ऐसी मान्यता है। इस साल शिवरात्रि पर शिव जी के साथ ही सूर्य, बुध और शनि ग्रह की भी विशेष पूजा करने का शुभ योग है। इस योग में की गई पूजा-पाठ से कुंडली से जुड़े ग्रह दोष भी शांत हो सकते हैं। सूर्य और शनि पिता-पुत्र हैं और सूर्य शनि की राशि कुंभ में रहेंगे। यह एक विशिष्ट संयोग है, जो लगभग एक शताब्दी में एक बार बनता है, जब अन्य ग्रह और नक्षत्र इस प्रकार के योग में विद्यमान होते हैं। इस प्रबल योग में की गई साधना आध्यात्मिक और धार्मिक उन्नति प्रदान करती है। पराक्रम और प्रतिष्ठा को बढ़ाने के लिए सूर्य-बुध के केंद्र त्रिकोण योग का बड़ा लाभ मिलता है। इस योग में विशेष प्रकार से साधना और उपासना की जानी चाहिए।

महाशिवरात्रि तिथि

पंचांग के अनुसार फाल्गुन माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि की शुरुआत 26 फरवरी को सुबह 11:08 मिनट से होगी। इस तिथि का समापन अगले दिन 27 फरवरी को सुबह 8:54 मिनट पर होगा। महाशिवरात्रि के शुभ अवसर पर निशा काल में भगवान शिव की पूजा की जाती है। अतः 26 फरवरी को महाशिवरात्रि मनाई जाएगी।

चार प्रहर की पूजा

महाशिवरात्रि के पर्व काल में धर्म शास्त्रीय मान्यता के अनुसार चार प्रहर की साधना का विशेष महत्व है। प्रत्येक प्रहर में भगवान शिव की उपासना के अलग-अलग प्रकार का वर्णन मिलता है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, यथा श्रद्धा, यथा प्रहर, यथा स्थिति और यथा उपचार के अनुसार साधना करनी चाहिए। चार प्रहर की साधना से धन, यश, प्रतिष्ठा और समृद्धि प्राप्त होती है। जिनके जीवन में संतान संबंधी बाधा हो रही हो, उन्हें भी यह साधना अवश्य करनी चाहिए।

चार प्रहर की पूजा का समय

प्रथम प्रहर पूजा का समय: सायं 06:19 बजे से रात्रि 09:26 बजे तक

द्वितीय प्रहर पूजा का समय: रात्रि 09:26 बजे से मध्यरात्रि 12:34 बजे तक

तृतीय प्रहर पूजा का समय: मध्यरात्रि 12:34 बजे से 27 फरवरी , प्रातः03:41 बजे तक

चतुर्थ प्रहर पूजा का समय: 27 फरवरी , प्रातः 03:41 बजे से प्रातः 06:48 बजे तक

पूजा में करें महामृत्युंजय मंत्र का जप

महाशिवरात्रि पर शिव पूजा करते समय में अपनी मनोकामना के अनुसार मंत्र जप करना चाहिए। इस मंत्र के जप से अनजाना भय और चिंता दूर होती है। महामृत्युंजय मंत्र की वजह से शिव जी की विशेष कृपा मिलती है, जिससे जीवन में सुख-शांति बनी रहती है।

महामृत्युंजय मंत्र- ऊँ त्र्यम्बकं यजामहे सुगन्धिंपुष्टिवर्धनम् उर्वारुकमिव बन्धनान् मृत्योर्मुक्षीय मामृतात्।

इन चीजों से करें भगवान शिव का अभिषेक

महाशिवरात्रि पर्व के दिन भगवान शिव की उपासना के समय शिवलिंग पर शहद से अभिषेक करना शुभ होता है। ऐसा करने से श्रद्धालु के कार्य जीवन में आ रही सभी समस्याएं दूर हो जाती है और भगवान शिव की कृपा बनी रहती है। शिवरात्रि के दिन भगवान शिव का रुद्राभिषेक दही से करने से भी आर्थिक क्षेत्र में आ रही सभी परेशानियां दूर हो जाती है। वहीं गन्ने के रस से भगवान शिव का अभिषेक करने से माता लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं। भगवान शिव का अभिषेक करते समय 108 बार 'ॐ पार्वतीपतये नमः' मंत्र का जाप करना चाहिए। ऐसा करने से जीवन में अकाल संकट नहीं आता है।

पूजन विधि

महाशिवरात्रि के दिन भगवान शिव को पंचामृत से स्नान करा कराएं। केसर के 8 लोटे जल चढ़ाएं। पूरी रात्रि का दीपक जलाएं। चंदन का तिलक लगाएं. बेलपत्र, भांग, धतूरा, गन्ने का रस, तुलसी, जायफल, कमल गट्टे, फल, मिष्ठान, मीठा पान, इत्र व दक्षिणा चढ़ाएं। सबसे बाद में केसर युक्त खीर का भोग लगा कर प्रसाद बांटें।

पौराणिक कथा

शिवपुराण के मुताबिक एक बार ब्रह्मा-विष्णु के बीच विवाद हो गया। झगड़े की वजह ये थी कि दोनों ही देवता खुद को श्रेष्ठ बता रहे थे। जब दोनों देवता दिव्यास्त्रों से युद्ध शुरू करने वाले थे, ठीक उसी समय भगवान शिव लिंग रूप में इनके सामने प्रकट हो गए। शिव जी ने कहा कि आप दोनों में से जो भी इस लिंग का छोर (अंत) खोज लेगा, वही श्रेष्ठ माना जाएगा। ये बात सुनकर एक छोर की ओर ब्रह्मा जी और दूसरे छोर की ओर विष्णु जी चल दिए। बहुत समय तक ब्रह्मा-विष्णु अपने-अपने छोर की ओर आगे बढ़ते रहे, लेकिन उन्हें लिंग का अंत नहीं मिला। उस समय ब्रह्मा जी खुद को श्रेष्ठ घोषित करने के लिए एक योजना बनाई। ब्रह्मा ने एक केतकी का पौधा लिया और उससे झूठ बोलने के लिए कहा कि वह शिव-विष्णु के सामने बोले कि ब्रह्मा जी ने लिंग का अंत खोज लिया है। ब्रह्मा केतकी के पौधे को लेकर शिव जी के पास पहुंचे, विष्णु जी भी वहां आ गए और उन्होंने कहा कि मैं इस लिंग का अंत नहीं खोज सका। ब्रह्मा ने कहा कि मैंने इस लिंग का अंत खोज लिया है, ये बात आप केतकी के पौधे से भी पूछ सकते हैं। केतकी ने भी भगवान के सामने झूठ बोल दिया। ब्रह्मा जी का झूठ सुनते ही शिव जी क्रोधित हो गए। उन्होंने कहा कि आपने झूठ कहा है, इसलिए आज से आपकी कहीं भी पूजा नहीं होगी और केतकी ने आपके झूठ में साथ दिया, इसलिए इसके फूल मेरी पूजा में वर्जित रहेंगे। इसके बाद विष्णु जी सर्वश्रेष्ठ घोषित हो गए। ये घटना फाल्गुन कृष्ण चतुर्दशी की ही मानी जाती है, इसलिए इस तिथि पर महाशिवरात्रि पर्व मनाने की परंपरा है।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

एक ही तिथि पर मनाई जाने के बाद भी अलग हैं महाशिवरात्रि और मासिक शिवरात्रि

पंचांग के अनुसार, महाशिवरात्रि के त्योहार को फाल्गुन माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि पर मनाया जाता है। इस दिन महादेव और मां पार्वती की पूजा-अर्चना करने का विधान है। साथ ही विशेष चीजों से शिव जी का अभिषेक किया जाता है। धार्मिक मान्यता है कि महाशिवरात्रि पर भगवान शिव की पूजा और व्रत करने से जीवन में सभी सुखों की प्राप्ति होती है। साथ ही दुख और संकट से छुटकारा मिलता है।

वैसे तो हर महीने में मासिक शिवरात्रि मनाई जाती है, लेकिन फाल्गुन माह की महाशिवरात्रि का विशेष महत्व है। क्या आप महाशिवरात्रि और शिवरात्रि में अंतर जानते हैं? अगर नहीं पता, ऐसे में आइए आपको बताएंगे महाशिवरात्रि और शिवरात्रि के फर्क के बारे में।

महाशिवरात्रि डेट और शुभ मुहूर्त

पंचांग के अनुसार, फाल्गुन माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि 26 फरवरी को सुबह 11 बजकर 08 मिनट पर शुरु हो रही है और इस तिथि का समापन अगले दिन यानी 27 फरवरी को सुबह 08 बजकर 54 मिनट पर होगा। इस प्रकार 26 फरवरी को महाशिवरात्रि व्रत किया जाएगा।

महाशिवरात्रि का महत्व

आपकी जानकारी के लिए बता दें कि साल में केवल एक बार महाशिवरात्रि का पर्व मनाया जाता है। यह पर्व फाल्गुन माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को बेहद उत्साह के साथ मनाया जाता है। इस दिन लोग महादेव की सच्चे मन से पूजा-अर्चना करते हैं। साथ ही व्रत किया जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इस शुभ तिथि पर महादेव और मां पार्वती का विवाह हुआ था। इसी वजह इस दिन को महाशिवरात्रि के रूप में मनाया जाता है। इस खास अवसर पर घर और मंदिरों में महादेव की विधिपूर्वक पूजा की जाती है। इसके अलावा शिव जी की बारात निकाली जाती है। धार्मिक मान्यता है कि इस दिन रात में शिव पूजन और जागरण करने से साधक की सभी मुरादें पूरी होती हैं और जीवन में खुशियों का आगमन होता है। आसान शब्दों में समझें तो पूरे वर्ष में 11 बार शिवरात्रि मनाई जाती हैं और महाशिवरात्रि का पर्व 1 बार मनाया जाता है।

मासिक शिवरात्रि का महत्व

पंचांग के अनुसार, हर महीने के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को मासिक शिवरात्रि मनाई जाती है। यह पर्व हर महीने मनाया जाता है। इसी वजह से इसे मासिक शिवरात्रि कहा जाता है। लेकिन महाशिवरात्रि का महत्व मासिक शिवरात्रि से अधिक है। इस दिन भक्त महादेव की कृपा प्राप्त करने के लिए शिवलिंग का विशेष अभिषेक करते हैं। साथ ही व्रत भी किया जाता है। इससे घर में सुख-शांति का आगमन होता है।

महाशिवरात्रि से पहले घर लाएं ये वस्तुए, खास हो जाएगा आपका पर्व

शिव भक्तों को पूरे साल महाशिवरात्रि का बड़ी ही बेसब्री से इंतजार रहता है। हर साल फाल्गुन माह की कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि पर महाशिवरात्रि का पर्व मनाया जाता है। ऐसा माना जाता है कि इसी तिथि पर भगवान शिव और माता पार्वती का विवाह हुआ था।

महाशिवरात्रि का शुभ मुहूर्त

फाल्गुन माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि प्रारम्भ 26 फरवरी को सुबह 11 बजकर 08 मिनट पर हो रहा है। साथ ही इस तिथि का समापन 27 फरवरी को सुबह 08 बजकर 54 मिनट पर होगा। ऐसे में महाशिवरात्रि बुधवार, 26 फरवरी को मनाई जाएगी। इस दिन शिव जी की पूजा का मुहूर्त कुछ इस प्रकार रहने वाला है।

निशिता काल पूजा समय – रात्रि 12 बजकर 09 मिनट से 27 फरवरी रात 12 बजकर 59 मिनट तक

मिलेगी शिव जी की कृपा

रुद्राक्ष का संबंध भगवान शिव से ही माना जाता है, क्योंकि धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, रुद्राक्ष की उत्पत्ति भगवान शिव के आंसुओं से हुई है। ऐसे में अगर महाशिवरात्रि के पावन पर्व से पहले अपने घर में रुद्राक्ष लेकर आते हैं, तो इससे आपके और आपके परिवार के ऊपर भोलेनाथ की असीम कृपा बरसती है। साथ ही इसे घर में रखने से रोग-दोष और दुख भी दूर होते हैं, जिससे जीवन में सुख-संपत्ति बनी रहती है।

महाशिवरात्रि से पहले आप अपने घर में पारद का शिवलिंग लाकर स्थापित कर सकते हैं। रोजाना इस शिवलिंग की विधि-विधान से पूजा करने से साधक को वास्तु दोष और पितृ दोष जैसी कई समस्याओं से मुक्ति मिल सकती है। इसी के साथ आप महाशिवरात्रि पर समस्त शिव परिवार की तस्वीर भी अपने घर ला सकते हैं। ध्यान रखें कि उस तस्वीर में भगवान भोलेनाथ, माता पार्वती, भगवान गणेश, भगवान कार्तिकेय के साथ-साथ नंदी और वासुकी की भी तस्वीर होनी चाहिए।

लगाएं ये पौधे

शिव जी की कृपा प्राप्ति के लिए आप महाशिवरात्रि से पहले अपने घर पर कुछ पेड़-पौधे भी लगा सकते हैं, जिससे समस्त शिव परिवार की कृपा आपके ऊपर बनी रहेगी। इसके लिए आप बेलपत्र और शमी जैसे पौधे अपने घर में लगा सकते हैं। ऐसा करने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का वास बना रहता है।

महाशिवरात्रि के बाद बुध ग्रह मीन राशि में करेंगे गोचर, इन 2 राशियों का खूब बढ़ेगा कारोबार

सनातन धर्म में ज्योतिष शास्त्र का बेहद खास महत्व है। इसमें ग्रह गोचर की घटना के बारे में विस्तार से बताया गया है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, व्यक्ति की कुंडली में बुध मजबूत होने पर कारोबार में अधिक सफलता मिलती है। साथ ही शुभ कार्यों का पूरा फल मिलता है। वही, कमजोर बुध होने पर कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है और काम में बाधा आती है।

महाशिवरात्रि के बाद बुध गोचर से कुछ राशियों की किस्मत चमकने वाली है। पंचांग के अनुसार, इस बार 26 फरवरी को महाशिवरात्रि मनाई जाएगी। इसके अगले दिन यानी 27 फरवरी को बुध देव राशि परिवर्तन करेंगे। इस दिन बुध देव मीन राशि में गोचर करेंगे। इससे राशियों के जीवन में खुशियों का आगमन होगा।

वृषभ – महाशिवरात्रि के बाद बुध गोचर से वृषभ राशि के जातकों को शुभ फल मिलेगा। काम के सेक्टर में मेहनत सफल होगी। काम को लेकर कोई बड़ा ऑफर मिलेगा। निवेश करने के लिए समय उत्तम रहेगा। करियर में आ रही बाधा से छुटकारा मिलेगा। कारोबार में किसी काम की कोई योजना बन सकती है।

मिथुन –ज्योतिषि गणना के अनुसार, बुध देव के राशि परिवर्तन का असर मिथुन राशि के जातकों पर देखने को मिलेगा। व्यक्ति को करियर और कारोबार में मनचाही सफलता मिलेगी। साथ ही रुके हुए काम पूरे होंगे, जिससे मन खुश होगा। काम के सेक्टर में मेहनत रंग लाएगी। किसी चीज में किया गया निवेश का लाभ मिलेगा। सभी मुरादें जल्द पूरी होंगी।

बुध देव के उपाय

कुंडली में बुध ग्रह को मजबूत करने के लिए बुधवार के दिन भगवान गणेश की पूजा करें। इस दौरान सच्चे मन से जीवन में सुख-शांति की प्राप्ति के लिए कामना करें। साथ ही मोदक और फल का भोग लगाएं। मान्यता है कि इस उपाय को करने से कुंडली में बुध ग्रह मजबूत होता है और जीवन में सभी सुख मिलते हैं।

बुध देव के मंत्र

बुध देव का पौराणिक मंत्र

ॐ प्रियङ्गुलिकाश्यामं रूपेणाप्रतिमं बुधम्।सौम्यं सौम्यगुणोपेतं तं बुधं प्रणमाम्यहम्।।

बुध देव का गायत्री मंत्र

ॐ सौम्यरुपाय विद्महे वाणेशाय धीमहि तन्नौ सौम्यः प्रचोदयात्।।

बुध देव का वैदिक मंत्र

ॐ उदबुध्यस्वाग्ने प्रति जागृहि त्वमिष्टापूर्ते स सृजेथामयं च अस्मिन्त्सधस्थे अध्युत्तरस्मिन् विश्वेदेवा यजमानश्च सीदत।।

बुध देव का बीज मंत्र

ॐ ब्रां ब्रीं ब्रौं सः बुधाय नमः।।

बुध देव का पूजा मंत्र

ॐ ऐं स्त्रीं श्रीं बुधाय नमः

रेजिना कैसांद्रा पंजाबी लड़की बनाम दक्षिण लड़की की भूमिका निभाएंगी

पंजाबी लड़की बनाम साउथ की लड़की की भूमिका निभाने पर रेजिना कैसंड्रा ने पत्रकारों से बात करते हुए पंजाबी लड़की और साउथ की लड़की की भूमिका निभाने के बारे में आश्चर्यजनक बातें बताईं। अपने सफर के बारे में बात करते हुए रेजिना ने कहा कि मैं 9 साल की उम्र से काम कर रही हूँ। मैंने पिछले 25 सालों में विज्ञापन, लघु फ़िल्में और फ़िल्में की हैं। इसलिए मैं इस इंडस्ट्री में एक लड़की होने के नाते क्या होता है, इसकी एक निश्चित समझ के साथ आई थी और इस इंडस्ट्री में एक साउथ इंडियन होना आसान नहीं है।रेजिना ने आगे कहा कि जब मैं हिंदी में किसी भी चीज के लिए ऑडिशन देती हूं तो वे मेरी भाषा कौशल को देखते हैं। क्या यह लड़की हिंदी बोल सकती है? जब वह बोलती है तो उसकी आवाज़ कैसी लगती है? क्या वह अपनी हिंदी पर काम कर रही है? यह बहुत ज़रूरी है।

अगर मैं दक्षिण भारतीय की भूमिका निभा रही हूं तो वे उस उच्चारण को थोड़ा रहने देते हैं। लेकिन मैंने हिंदी बोलते समय अपने दक्षिण भारतीय उच्चारण को कम करने की कोशिश की। लेकिन जब बात दक्षिण की आती है तो वहां बहुत सी उत्तर भारतीय लड़कियां हैं जो दक्षिण में हीरोइन बन गई हैं और उन्होंने तमिल या तेलुगु से शुरुआत की और आगे चलकर बड़ी नाम बन गईं। हमें इस बात की परवाह नहीं थी कि लड़कियां तमिल बोल सकती हैं या नहीं।रेजिना ने ऑफर मिस करने के बारे में बताया कि मैंने बहुत सारे रोल मिस कर दिए हैं क्योंकि मेरी हिंदी उतनी अच्छी नहीं थी जितनी लोगों को लग रही थी। जैसे मैं पंजाबी लड़की का किरदार नहीं निभा सकती। और यह ठीक है। लेकिन एक पंजाबी लड़की एक साउथ इंडियन लड़की का किरदार निभा सकती है। और ऐसा मेरे साथ हुआ है। कल्पना कीजिए कि दक्षिण में कोई और व्यक्ति मेरे ऊपर चुना जाता है और उत्तर में भी वही व्यक्ति मेरे ऊपर चुना जाता है। मैं कहां जाऊं?

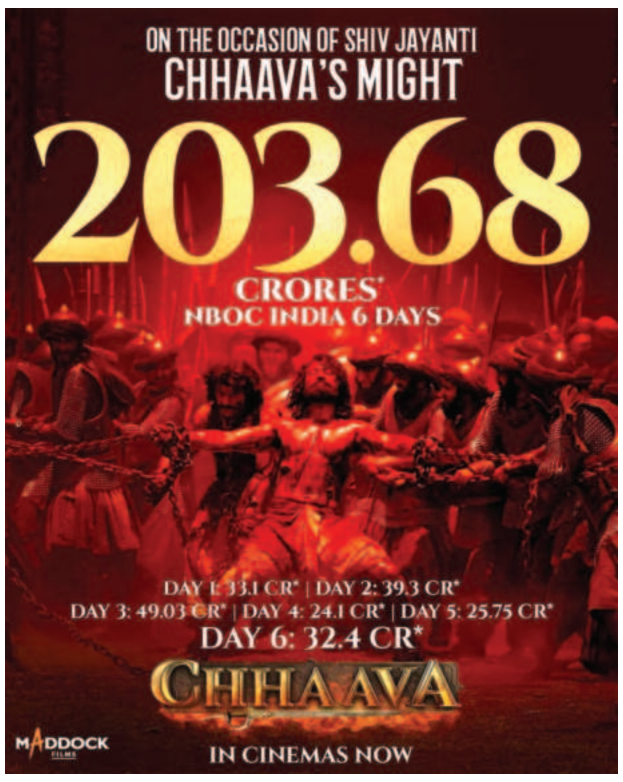

छावा बॉक्स ऑफिस कलेक्शन डे 6 200 करोड़ का आंकड़ा पार

बनी 2025 की पहली डबल सेंचुरी लगाने वाली फिल्म

विक्की कौशल, रश्मिका मंदाना और अक्षय खन्ना की हिस्टोरिकल एक्शन ड्रामा छावा ने छत्रपति शिवाजी जयंती पर एक नया रिकॉर्ड दर्ज किया है। छावा अब आधिकारिक तौर पर 200 करोड़ क्लब में शामिल हो गई है। यह 2025 की पहली और सबसे तेज 200 करोड़ रुपये का आंकड़ा करने वाली फिल्म बन गई है।19 फरवरी को छत्रपति शिवाजी महाराज जयंती के अवसर पर महाराष्ट्र में पूरे दिन दर्शकों की संख्या में जबरदस्त वृद्धि देखी गई। सैकनिल्क की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, लक्ष्मण उटेकर की निर्देशित फिल्म छावा ने 6वें दिन 32 करोड़ रुपये की कमाई की। फिल्म की पिछले दिन की कमाई 25.75 करोड़ से 26.73 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई।छावा ने न केवल 30 करोड़ का आंकड़ा पार किया, बल्कि यह 2025 की पहली और सबसे तेज 200 करोड़ का आंकड़ा पार करने वाली फिल्म भी बन गई है। छावा ने यह कारनामा मात्र 6 दिनों में कर के दिखाया है। इस तरह छावा ने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर सिर्फ 6 दिनों में 203.68 करोड़ रुपये टोटल कलेक्शन किया है।बुधवार को बड़ी छलांग के साथ, विक्की कौशल की पीरियड ड्रामा ने 200 करोड़ क्लब में प्रवेश किया और अक्षय कुमार की तीन फिल्मों के लाइफटाइम कलेक्शन को पीछे छोड़ दिया। इसने 2.0 हिंदी (188 करोड़ रुपये), सूर्यवंशी (195.04 करोड़ रुपये), मिशन मंगल (200.16 करोड़ रुपये), गुड न्यूज (201.14 करोड़ रुपये) को पीछे छोड़ दिया है। इसके अलावा छावा ने रणबीर कपूर की संजू, जिसने 7 दिनों में 202.51 करोड़ रुपये कमाए, को भी पीछे छोड़ दिया है।छावा को सम्मान देने के लिए मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने राज्य में विक्की कौशल स्टारर फिल्म को टैक्स-फ्री कर दिया है। उन्होंने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर इस फैसले की जानकारी दी है और लिखा है, छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती के अवसर पर, मैं उनके बेटे संभाजी महाराज पर आधारित हिंदी फिल्म छावा को टैक्स-फ्री रिलीज करने की घोषणा करता हूं।छावा 14 फरवरी को रिलीज हुई। छावा छत्रपति शिवाजी महाराज के पुत्र संभाजी की कहानी है। फिल्म में विक्की कौशल ने छत्रपति संभाजी महाराज की भूमिका निभाई है। रश्मिका मंदाना संभाजी की पत्नी येसुबाई की भूमिका में हैं, जबकि अक्षय खन्ना औरंगजेब की भूमिका में हैं। विनीत कुमार सिंह, दिव्या दत्ता और डायना पेंटी ने फिल्म में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

प्रज्वल देवराज स्टारर राक्षस का रोमांचक ट्रेलर जारी 26 फरवरी को सिनेमाघरों में होगी रिलीज

आगामी फिल्म राक्षस के ट्रेलर ने काफी दिलचस्पी पैदा की है क्योंकि यह फिल्म 26 फरवरी को शिवरात्रि के अवसर पर रिलीज़ होने वाली है। फिल्म में कन्नड़ के गतिशील राजकुमार प्रज्वल देवराज मुख्य भूमिका में हैं। राक्षस को मूल कन्नड़ संस्करण के साथ तेलुगु में रिलीज़ किया जाएगा। एमवीआर कृष्णा, जिन्होंने पहले करुणादा चक्रवर्ती शिवराज कुमार अभिनीत फिल्म वेधा रिलीज़ की थी, ने राक्षस के तेलुगु अधिकार हासिल कर लिए हैं। कांची कामाक्षी कोलकाता काली क्रिएशन्स दो तेलुगु राज्यों में एक भव्य रिलीज़ के लिए तैयार है।फिल्म का नवीनतम तेलुगु ट्रेलर जारी किया गया, जिसमें प्रज्वल देवराज को एक नए, प्रभावशाली रूप में दिखाया गया है। फिल्म में उनकी हरकतें, उनकी बेटी के प्रति प्रेम से प्रेरित हैं, ने काफी रुचि जगाई है। नोबिन पॉल का बैकग्राउंड स्कोर शानदार है। यह ट्रेलर की प्रमुख हाइलाइट्स में से एक है। लोहित एच द्वारा निर्देशित इस टाइम-लूप हॉरर फिल्म के पहले लुक ने पहले ही रुचि जगा दी थी, और ट्रेलर ने फिल्म के लिए उम्मीदों को और बढ़ा दिया है।निर्माता एमवीआर कृष्णा ने अपनी उत्सुकता व्यक्त करते हुए कहा, यह फिल्म दर्शकों को एक रोमांचक अनुभव प्रदान करेगी। प्रज्वल देवराज के पहले लुक पोस्टर को सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली, और ट्रेलर को भी अच्छी प्रतिक्रिया मिली। मुझे विश्वास है कि फिल्म को सभी द्वारा सराहा जाएगा। तेलुगु दर्शकों को मजबूत विषय वाली फिल्मों का बहुत शौक है, और मुझे विश्वास है कि यह फिल्म उन्हें पसंद आएगी।फिल्म में अरुण राठौड़, श्रीधर, गौतम, सोमशेखर, विहान कृष्णा और अन्य भी हैं।

एक खून और 8 जवान लड़कियां सस्पेक्ट! क्राइम थ्रिलर सुडल 2 का ट्रेलर रिलीज

सुजल सुनने में ये नाम थोड़ा अजीब लगता है मगर जब आप इस सीरीज के अंदर जाते हैं तो आपको एक ऐसी दुनिया का आभास होता है जो काफी डरावनी है। सुजल एक तमिल भाषा का शब्द है जिसका मतलब है भंवर जिसे अंग्रेजी में वर्टेक्स कहते हैं। अपने नाम को जस्टिफाई करता ये शो अब एक मर्डर की उलझी पहेली को लेकर आने वाला है।सीरीज के दूसरे सीजन का ट्रेलर रिलीज हो गया है जिसके साथ इसके स्टीम होने की तारीख का भी पता चल गया है। इस ट्रेलर ने ऑडियंस को फिर से सस्पेंस और मिस्ट्री के तूफान के बीच पहुंचा दिया है जिसको लेकर लोग काफी एक्साइटेड हो गए हैं।सेकेंड सीजन के ट्रेलर की बात करें तो ये एक मर्डर कहानी दिखाने वाली है जिसकी जांच में एक नहीं बल्कि कुल 8 लड़कियों के नाम सामने आए हैं। काथिर को इस केस को सोल्व करने की जिम्मेदारी दी गई है। वो केस को सुलझाते हुए नए जाल में फंसता चला जाता है वहीं ऐश्वर्या राजेश द्वारा निभाए नंदिनी के किरदार को जेल में अपने अतीत और अनिश्चित भविष्य के साथ समझौता करने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। फैंस ट्रेलर को देखकर काफी एक्साइटेड हो गए हैं। शो फरवरी को अमेजन प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होने वाला है।सुजल: द वोर्टेक्स 2 की कास्ट की बात करें शो में काथिर और ऐश्वर्या राजेश वापसी के अलावा कई नए कलाकार शामिल हुए हैं। सीरीज में सरवनन, गौरी किशन, संयुक्ता विश्वनाथन, मोनिशा ब्लेसी, रिनी, श्रीशा, अभिराम बोस, निखिला शंकर, कलैवानी भास्कर और अश्विनी नांबियार ने मुख्य भूमिकी निभाई है। वहीं दर्शकों को मंजिमा मोहन और कयाल चंद्रन की स्पेशल अपीयरेंस देखने को मिलने वाली है।सुडल: द वोर्टेक्स सीजन 2 को प्राइम वीडियो पर तमिल, तेलुगु, हिंदी, मलयालम और कन्नड़ में रिलीज किया जाएगा। सुडल: द वोर्टेक्स सीजन 2 को वॉलवॉचर फिल्म्स के बैनर तले बनाया गया है और इसकी कहानी को पुष्कर और गायत्री ने लिखने के साथ प्रोड्यूस किया है। सीरीज का निर्देशन ब्रम्मा और सरजुन केएम ने किया है।सीजन 2 की कहानी अगर आपको नहीं तो हम आपका ये काम आसान कर देते हैं। सीजन 1 की स्टोरी एक छोटे से शहर से शुरू होती है जहां पर एक सीमेंट फैक्ट्री है, जिसमें आग लग जाती है और सब कुछ खाक हो जाता है। जिस रात सीमेंट की फैक्ट्री में आग लगती है, उसी रात शहर से एक लड़की गायब हो जाती है। दोनों ही घटनाएं जब होती है तो उस समय शहर में लोक देवी का एक नौ दिवसीय आयोजन चल रहा होता है। पुलिस सीमेंट की फैक्ट्री में लगी और गायब हुई लड़की की तलाश करती है। इस जांच में जैसे-जैसे पुलिस आगे बढ़ती है, कई चौंकाने वाले राज सामने आते हैं।

शबाना आजमी स्टारर वेब सीरीज डब्बा कार्टेल का हिस्सा होना खास : शालिनी पांडे

अभिनेत्री शबाना आजमी और ज्योतिका स्टारर वेब सीरीज डब्बा कार्टेल का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। क्राइम-थ्रिलर सीरीज में अभिनेत्री शालिनी पांडे इमोशंस के साथ अपनी भूमिका में मनोरंजन को एक अलग मोड़ देती नजर आएंगी। शालिनी ने कहा कि वह इस सीरीज का हिस्सा बनकर खुश हैं।शालिनी ने कहा, मैं राजी का किरदार निभा रही हूं। वह एक प्यारी, सरल और घरेलू लड़की है, लेकिन फिर वह उथल-पुथल से गुजरती है। इस किरदार को निभाने के लिए मैंने उसकी गहराई की खोज की और यह मेरे लिए एक शानदार अनुभव था। साधारण राजी पूरी तरह से बदल जाती है। यह शालिनी के लिए एक खोज थी और मेरे लिए राजी की भूमिका निभाना बहुत दिलचस्प था।अभिनेत्री ने शबाना आजमी और ज्योतिका जैसे सितारों के साथ अपने काम करने के अनुभव को भी शेयर किया। अभिनेत्री ने कहा, मेरे माता-पिता शबाना आजमी को पसंद करते हैं।

मैंने उनके बारे में उनसे सुना है। मैंने उनकी कई फिल्म देखी है और मैं शबाना जी की फैन हूं। इस तरह के कलाकारों के साथ काम करना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। इसकी शूटिंग करते हुए हमें बहुत मजा आया। हमारे पास एक साथ सीन नहीं हैं, मैं उनके काम की प्रशंसा करती हूं, ज्योतिका और अन्य सभी के साथ काम करना काफी मजेदार रहा।डब्बा कार्टेल का ट्रेलर हाल ही में रिलीज हुआ है, जिसमें शबाना आजमी, ज्योतिका और अन्य पांच मध्यमवर्गीय महिलाओं की यात्रा की एक मनोरंजक झलक पेश की गई, जिनका मासूम सा दिखने वाला डब्बा व्यवसाय ड्रग कार्टेल की खतरनाक दुनिया में पहुंच जाता है।मंगलवार को निर्माताओं ने सोशल मीडिया पर इसका ट्रेलर जारी किया, जिसमें उन्होंने लिखा, वे खाना बना रही हैं और यह बेहद बढ़िया है। 28 फरवरी को सिर्फ नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने वाले डब्बा कार्टेल को देखें।दिलचस्प ट्रेलर में पांच आम महिलाओं के जीवन की एक रोमांचक झलक दिखाई गई है, जैसे-जैसे कहानी आगे बढ़ती है, महिलाएं और उनके पति एक अंडरवर्ल्ड में उलझ जाते हैं।हितेश भाटिया के निर्देशन में तैयार सीरीज की स्टोरी को विष्णु मेनन और भावना खेर ने लिखा है। सीरीज का निर्माण एक्सेल एंटरटेनमेंट के तहत शिबानी अख्तर, विष्णु मेनन, गौरव कपूर और आकांक्षा सेडा ने किया है।ठाणे के व्यस्त उपनगरों में शुरू होने वाले इस शो में शबाना आजमी, गजराज राव, ज्योतिका, निमिषा सजयन, शालिनी पांडे, अंजलि आनंद, साईं ताम्हणकर, जीशु सेनगुप्ता, लिलेट दुबे और भूपेंद्र सिंह जाड़ावत हैं।

एक बदनाम आश्रम का टीजर जारी, बाबा निराला बनकर लौट रहे बॉबी देओल

हिट वेब सीरीज आश्रम ने दर्शकों का खूब मनोरंजन किया। इस सीरीज ने बॉबी देओल को नई पहचान दिलाई। उन्होंने तीन सीजन के जरिए फैंस का मनोरंजन किया, जिसके बाद फैंस इसके अगले भाग का इंतजार कर रहे थे। हाल ही में निर्माताओं ने आश्रम 3 के दूसरे भाग का एलान किया था। वहीं, अब निर्माताओं ने इस सीजन के तीसरे सीजन के दूसरे भाग का दमदार टीजर जारी कर दिया है।आश्रम 3 पार्ट 2 के टीजर में एक बार फिर बॉबी देओल का बाबा निराला वाला अंदाज देखने को मिल रहा है, जो बेहद चालाकी भरा है। हालांकि, टीजर को देखकर कहा जा सकता है कि पार्ट 2 में पम्मी का अहम रोल देखने को मिलेगा। बाबा निराला की सत्ता में वापसी, निष्ठावान अनुयायियों का अटूट विश्वास और अंदरूनी साजिशों की गूंज एक बदनाम आश्रम सीजन 3 पार्ट 2 का टीजर हैरान कर देने वाला है। इस बार कहानी और भी ज्यादा सस्पेंस और रोमांच से भरी होगी।टीजर में देखने को मिला कि पम्मी एक बार फिर दमदार अंदाज में लौट आईं हैं। इसके साथ ही बाबा निराला की भी खोई हुई ताकत वापस आ गई हैं और वे पहले से भी ज्यादा खतरनाक हो चुके हैं। साथ ही उनके अंधभक्त भी उनके एक इशारे पर कुछ भी कर गुजरने के लिए तैयार हैं, लेकिन उनके करीबियों के बीच तनातनी भी साफ नजर आ रही है। पुराने राज अब बाहर आने वाले हैं और पुराने गद्दार फिर से बाहर आने की तैयारी में हैं।नेशनल अवॉर्ड विनर प्रकाश झा द्वारा निर्देशित और निर्मित इस रोमांचक क्राइम ड्रामा में दमदार स्टार कास्ट देखने को मिलेगी। बॉबी देओल के अलावा शो में अदिति पोहनकर, चंदन रॉय सान्याल, त्रिधा चौधरी, दर्शन कुमार, विक्रम कोचर, अनुप्रिया गोयनका, राजीव सिद्धार्थ और ईशा गुप्ता अहम भूमिका में नजर आएंगे। एक बदनाम आश्रम सीजन 3- पार्ट 2 बहुत जल्द ही अमेजन एमएक्स प्लेयर पर मुफ्त में स्ट्रीम होने वाला है। रिलीज की तारीख अभी घोषित नहीं की गई है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

ख़ुश हो जाएँ क्योंकि अच्छा समय आने वाला है और आप स्वयं में अतिरिक्त ऊर्जा का अनुभव करेंगे। आज के दिन आप धन से जुड़ी समस्या के कारण परेशान रह सकते हैं। इसके लिए आपको अपने किसी विश्वास पात्र से सलाह लेनी चाहिए। आपके परिवार वाले किसी छोटी-सी बात को लेकर राई का पहाड़ बना सकते हैं । कार्यालय में कोई आपको कुछ बढ़िया चीज़ या ख़बर दे सकता है। आज के दिन यात्रा, मनोरंजन और लोगों से मिलना-जुलना होगा। आज आप अपने जीवनसाथी के साथ कुछ बेहतरीन पल गुज़ार सकेंगे।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज आप अच्छा पैसा कमाएंगे- लेकिन ख़र्च में इज़ाफ़ा आपके लिए बचत को और ज़्यादा मुश्किल बना देगा। दोस्तों के साथ कुछ दिलचस्प और रोमांचक समय बिताने के लिए अच्छा समय है। प्रेमी को आज आपकी कोई बात चुभ सकती है। आपके लिए आज बहुत सक्रिय और लोगों से मेल-जोल भरा दिन रहेगा। लोग आपसे आपकी राय मांगेंगे और जो भी आप कहेंगे, उसे बिना सोचे मान लेंगे। जो लोग अब तक किसी काम में व्यस्त थे आज उन्हें अपने लिए समय मिल सकता है लेकिन घर में किसी काम के आ जाने से आप फिर से व्यस्त हो सकते हैं।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

नियमित व्यायाम के माध्यम से वज़न को नियन्त्रित रखें। अगर आपको लगता है कि आपके पास पर्याप्त धन नहीं है तो आज घर के किसी बड़े से धन संचित करने की सलाह लें। घर पर आपके बच्चे आपके सामने किसी समस्या को तिल का ताड़ बनाकर पेश करेंगे- कोई भी क़दम उठाने से पहले तथ्यों की भली-भांति पड़ताल कर लें। इस राशि के बच्चे आज खेलकूद में दिन बिता सकते हैं, ऐसे में माता-पिता को उनपर ध्यान देना चाहिए क्योंकि चोट लगने की संभावना है। आपका जीवनसाथी आज आपके लिए कुछ बहुत ख़ास करने वाला है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

जो लोग अपने करीबियों या रिश्तेदारों के साथ मिलकर बिजनेस कर रहे हैं उन्हें आज बहुत सोच समझकर कदम रखने की जरुरत है नहीं तो आर्थिक नुक्सान हो सकता है। आपको अपनी एक-सी दिनचर्या से थोड़ी छुट्टी लेकर आज दोस्तों के साथ सैर-सपाटा करने की ज़रूरत है। आपकी मुलाक़ाता एक ऐसे दोस्त से होगी, जिसे आपका ख़याल है और जो आपको समझता भी है। जो लोग प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं, उन्हें दिमाग़ शांत रखने की ज़रूरत है। परीक्षा की घबराहट को हावी न होने दें। आपका प्रयास सकारात्मक परिणाम ज़रूर देगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज ख़ास दिन है, क्योंकि अच्छा स्वास्थ्य आपको कुछ असाधारण काम करने की क्षमता देगा। आप ख़ुद को नए रोमांचक हालात में पाएंगे- जो आपको आर्थिक फ़ायदा पहुँचाएंगे। कामकाज के नज़रिए से आज का दिन वाक़ई सुचारू रूप से चलेगा। आज के दिन आपके कुछ दोस्त आपके घर में आ सकते हैं और उनके साथ आप समय बिता सकते हैं जी-वनसाथी द्वारा परिवार और मित्रों के बीच नकारात्मक तरीक़े से आपके वैवाहिक जीवन की निजी बातें उजागर हो सकती हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आपका उदार स्वभाव आज आपके लिए कई ख़ुशनुमा पल लेकर आएगा। बिना किसी अनुभवी शख्स की सलाह के आज ऐसा कोई भी काम न करें जिससे आपको आर्थिक हानि हो। किसी धार्मिक स्थल या संबंधी के यहाँ जाने की संभावना है।लंबित परियोजनाएँ पूरी होने की दिशा में बढ़ेंगी। आज जीवनसाथी के साथ समय बिताने के लिए आपके पास पर्याप्त समय होगा। आपके प्रेम को देखकर आज आपका प्रेमी गदगद हो जाएगा। जीवनसाथी के साथ वाद-विवाद होने की काफ़ी संभावना है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

सेहत बढ़िया रहेगी। आर्थिक दृष्टि से आज का दिन मिलाजुला रहने वाला है। आज आपको धन लाभ तो हो सकता है लेकिन इसके लिए आपको कड़ी मेहनत करनी होगी। ऐसा कोई जिसे आप जानते हैं, आर्थिक मामलों को ज़रूरत से ज़्यादा गंभीरता से लेगा और घर में थोड़ा-बहुत तनाव भी पैदा होगा। आज आपका प्रेमी अपने मनोभावों को आपके सामने खुलकर नहीं रख पाएगा जिसकी वजह से आपको खिन्नता होगी। सहकर्मी मदद के लिए हाथ बढ़ा सकते हैं, लेकिन वे ज़्यादा सहायता नहीं कर पाएंगे। शापिंग को लेकर जीवनसाथी से तक़रार मुमकिन है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

अपना आत्मविश्वास फिर से हासिल करने के लिए अपनी बात खुल कर कहें । आपका धन कहां खर्च हो रहा है इसपर आपको नजर बनाए रखने की जरुरत है नहीं तो आने वाले समय में आपको परेशानी हो सकती है। रिश्तेदारों और दोस्तों से अचानक उपहार मिलेगा। इस राशि के लोग बड़े ही दिलचस्प होते हैं। आज दिन में कुछ समय आप अपने लिए जरुर निकाल पाएंगे। लेकिन आज जब आपके वैवाहिक जीवन से जुड़ी कई प्यारी चीज़ें आपके सामने आएंगी, तो आप भावुक हुए बिना नहीं रह सकेंगे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

उधार मांगने वाले लोगों को नज़रअन्दाज़ करें। पुराने परिचितों से मिल-ने-जुलने और पुराने रिश्तों को फिर से तरोताज़ा करने के लिए अच्छा दिन है। अगर आप अपने प्रिय को पर्याप्त समय न दें, तो वह नाराज़ हो सकता/सकती है। अगर परिणाम आपकी उम्मीद के मुताबिक़ न आए, तो निराश न हों। अपना समय और ऊर्जा दूसरों की मदद करने में लगाएँ, लेकिन ऐसे मामलों में पड़ने से बचें जिनसे आपका कोई लेना-देना नहीं है। अपने जीवनसाथी के साथ प्यार-मुहब्बत के लिए काफ़ी वक़्त मिलेगा, लेकिन सेहत गड़बड़ हो सकती है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

नया आर्थिक क़रार अंतिम रूप लेगा और धन आपकी तरफ़ आएगा। प्रभावशाली और महत्वपूर्ण लोगों से परिचय बढ़ाने के लिए सामाजिक गतिविधियाँ अच्छा मौक़ा साबित होंगी। कई लोगों के लिए आज की रोमांटिक शाम ख़ूबसूरत तोहफ़ों और फूलों से भरपूर रहेगी। आपको कार्यक्षेत्र में अच्छे फल पाने के लिए अपने काम करने के तरीके पर गौर करने की जरुत है नहीं तो आप बॉस की नजरों में आपकी नकारात्मक छवि बन सकती है। व्यापार मे प्रदर्शनी आदि आपको नई जानकारियाँ और लाभ कराएंगे। यह दिन दाम्पत्यजीवन के लिए खुशनुमा रहेगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज आपके पास अपनी सेहत को सुधारने के लिए पर्याप्त समय होगा। ख़र्चों में हुई अप्रत्याशित बढ़ोत्तरी आपके मन की शांति को भंग करेगी। आज का दिन ख़ुशियों से भरा रहेगा, क्योंकि आपका जीवन-साथी आपको ख़ुशी देने का हर प्रयास करेगा। अपने प्रिय को आज निराश न करें- क्योंकि ऐसा करने की वजह से बाद में आपको पछताना पड़ सकता है। आज आपने जो नई जानकारी हासिल की है, वह आपको अपने प्रतिस्पर्धियों पर बढ़त दिलाएगी। इस राशि के जातक आज के दिन अपने भाई-बहनों के साथ घर पर पार्टि का लुत्फ उठा सकते है। ऐसा करके आप लोगों के बीच प्यार में इजाफा होगा।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अपने जीवनसाथी के साथ धन से जुड़े किसी मामले को लेकर आज आपका झगड़ा हो सकता है। हालांकि अपने शांत स्वभाव से आप सबकुछ ठीक कर देंगे। घर से जुड़ी योजनाओं पर विचार करने की ज़रूरत है। प्यार के सकारात्मक संकेत आपको मिलेंगे। अगर आप कई दिनों से कामकाज में दिक़्क़त महसूस कर रहे हैं, तो आज के दिन आपको राहत महसूस हो सकती है। कोई रोचक मैगजीन या उपन्यास पढ़ के आजके दिन को आप अच्छी तरह से व्यतीत कर सकते हैं। आज के दिन आप वैवाहिक जीवन का आनंद ले सकते हैं।

सोमवार का पंचांग

दिनांक : 24 फरवरी 2025 , सोमवार
विक्रम संवत : 2081
मास : फाल्गुन , कृष्ण पक्ष
तिथि : एकादशी दोपहर 01:48 तक
नक्षत्र : पूर्वाषाढा रात्रि 07:00 तक
योग : सिद्धि प्रातः 10:04 तक
करण : बालव दोपहर 01:48 तक
चन्द्रराशि : धनु रात्रि 12:57 तक
सूर्योदय : 06:37 , सूर्यास्त 06:21 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:38 , सूर्यास्त 06:27 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:31 , सूर्यास्त 06:19 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:28 , सूर्यास्त 06:13 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रातः 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें

◆ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ◆

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

आमजन को त्वरित न्याय दिलाने के लिए राज्य सरकार कृतसंकल्पित : भजनलाल

जोधपुर,23 फरवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि अच्छा वकील कानून का ज्ञाता होने के साथ ही समाज के कमजोर वर्ग की आवाज भी बनता है। वकील का पेशा गरीब और वंचित वर्ग की सेवा के लिए बड़ा अवसर होता है। उन्होंने कहा कि इस पेशे ने अनेक महान राष्ट्र निर्माता दिए हैं। संविधान के मुख्य शिल्पी बाबा साहेब अंबेडकर भी वकील थे। इस संविधान के लिए राष्ट्र उनका ऋणी है।

शर्मा रविवार को जोधपुर में राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के 17वें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी इस डिग्री को अपनी उपलब्धि के साथ एक महती जिम्मेदारी भी मानें। समाज में न्याय की रक्षा और प्रसार के लिए विद्यार्थियों को काम करना है। इसके लिए कानून की शिक्षा के साथ गहरी समझ, संवेदनशीलता और सामाजिक दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी अपने व्यक्तिगत लक्ष्यों तक सीमित न रहें। वे समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी को समझें और अपने ज्ञान का उपयोग बेहतर, समृद्ध और सशक्त देश-प्रदेश बनाने में करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी न्याय व्यवस्था हजारों वर्ष पहले भी दुनिया में एक विशिष्ट पहचान रखती थी। इसका मूल यह था कि किसी भी पीड़ित के साथ अन्याय नहीं हो और सभी को न्याय मिले। उन्होंने कहा कि न्याय का शासन सुनिश्चित करने के लिए हमारे यहां दुनिया का सबसे बड़ा लिखित संविधान है। समय-समय पर जरूरत के अनुसार इसमें संशोधन हो रहे हैं तथा नए कानून भी बन रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के प्रयासों से तीन नए आपराधिक कानून भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम लागू किए गए हैं। इनके माध्यम से आपराधिक न्याय प्रणाली को और अधिक पारदर्शी, त्वरित और प्रभावी बनाकर पीड़ितों को शीघ्र न्याय दिलाने की व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने भी प्रदेश में नए कानूनों को लागू करने के लिए जरूरी कदम उठाए हैं और इनका समुचित कार्यान्वयन सुनिश्चित किया है।शर्मा ने उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को बधाई देते हुए

कहा कि यह दिन एक यादगार क्षण है। इस विश्वविद्यालय से विद्यार्थियों ने जो ज्ञान और कौशल हासिल किया है, वह उनको आगे बढ़ने में मदद करेगा तथा विधि क्षेत्र में भी सकारात्मक बदलावों का वाहक बनेगा। उन्होंने कहा कि यह विश्वविद्यालय देश में एक खास स्थान रखता है। कानून के क्षेत्र में यहां के विद्यार्थियों ने देश और विदेश में पहचान बनाई है।मुख्यमंत्री ने कहा कि आमजन को त्वरित न्याय दिलाने के लिए राज्य सरकार कृतसंकल्पित होकर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि बजट वर्ष 2025-26 में विधि विभाग और न्यायालयों से संबंधित महत्वपूर्ण घोषणाएं की हैं। इनमें 8 नए जिला एवं सेशन न्यायालय, 8 वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश एवं अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट न्यायालय, 4 अतिरिक्त जिला एवं सेशन न्यायालय, विशेष न्यायालय (पोक्सो एक्ट), 3 विशेष न्यायालय (भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम), न्यायिक कार्यालय भवनों एवं आवास हेतु 350 करोड़ रुपये, नवीन न्याय संहिताओं की आवश्यकताओं हेतु कम्प्यूटर, कैमरों सहित विभिन्न सुविधाएं विकसित करने के लिए 100 करोड़ रुपये का प्रावधान शामिल है। उन्होंने कहा कि सरदार वल्लभ भाई पटेल के 150वें जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में अपराधों की रोकथाम हेतु 'सरदार पटेल सेंटर ऑफ साइबर कंट्रोल एंड वॉर रूम' की स्थापना के लिए भी 350 करोड़ रुपये की घोषणा की गई है। शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए प्रतिबद्धता से काम कर रही है। प्रदेश में पारदर्शिता से भर्तियां हो रही हैं तथा पांच वर्ष में 10 लाख रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के संकल्प पर आगे बढ़ रहे हैं। आगामी वर्ष में 1.25 लाख सरकारी और 1.50 लाख निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराएंगे। उन्होंने कहा कि युवाओं को प्रशिक्षण, इंटर्नशिप और रोजगार की योजनाओं के माध्यम से समुचित अवसर प्रदान करने के लिए 'राजस्थान रोजगार नीति-2025' भी लाई जा रही है।

दीक्षांत समारोह में शर्मा ने विभिन्न विधि पाठ्यक्रमों में उत्तीर्ण मेधावी विद्यार्थियों को उपाधि एवं विभिन्न श्रेणियों में स्वर्ण पदक प्रदान किए। उन्होंने विश्वविद्यालय के विभिन्न नवीन जर्नल्स का विमोचन किया एवं ई-मूट कोर्ट का वर्चुअली उद्घाटन किया। इससे पहले मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के परिसर में पौधारोपण कर विश्वविद्यालय के गौरवपूर्ण इतिहास से संबंधित प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

भरतपुर पहुंचे जिला प्रभारी मंत्री सुरेश रावत

विकास कार्यों और बजट घोषणाओं की समीक्षा की

भरतपुर,23 फरवरी (एजेंसियां)। जिला प्रभारी मंत्री सुरेश रावत एक दिवसीय दौरे पर भरतपुर पहुंचे।जहां उन्होंने जिला कलक्ट्रेट सभागार में जिले में संचालित योजनाओं, विकास कार्यक्रमों, राज्य बजट 2025-26 की घोषणाओं के क्रियान्वयन तथा अब तक अर्जित प्रगति की समीक्षा की बैठक ली।बैठक से पहले उन्होंने आरयूआईडीपी द्वारा किये जा रहे विकास कार्यों का अवलोकन किया साथ ही सेवर कुंडा और बृजेन्द्र बिहारी कुंडा के जीर्णोद्धार के कामों को देखा।

जिला प्रभारी मंत्री सुरेश सिंह रावत ने बताया कि निर्देश राज्य सरकार द्वारा 2025-26 के बजट में की घोषणाओं को शीघ्र मूर्त रूप दिया जाएगा। ताकि आमजन को लाभ मिल सके। अधिकारी टीम भावना से कार्य करते हुए मुख्यमंत्री शर्मा की मंशानुरूप योजनाओं और कार्यक्रमों का आमजन तक ज्यादा से ज्यादा लाभ दिलवाना सुनिश्चित किया है।विभागीय अधिकारी बेहतर तालमेल के साथ योजनाओं का लाभ आमजन तक पहुंचाया जाएगा।

उन्होंने कहा कि भरतपुर में पर्यटन के प्रमुख केंद्र है जिनके विकास और जिर्णोद्वार कराने का काम किया जाएगा।भरतपुर में जल जीवन मिशन के अंतर्गत जो कार्य अधूरा है उसे अधिकारियों को पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं।

अवैध हथियार के साथ युवक गिरफ्तार

जयपुर,23 फरवरी (एजेंसियां)। जयपुर (पूर्व) की पुलिस उपायुक्त तेजस्विनी गौतम (भा.पु.से.) ने बताया कि पुलिस आयुक्त बिजु जॉर्ज जोसेफ के निर्देश पर जयपुर शहर में अवैध हथियारों की धरपकड़ के लिए ऑपरेशन बजपवद हंपदेज शुरू किया गया है। इस अभियान के तहत अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के लिए सभी थानाधिकारियों को विशेष निर्देश दिए गए थे।

इसी कड़ी में अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त आषाराम चौधरी और सहायक पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सुथार के निर्देशन में थानाधिकारी अरुण चौधरी और उप निरीक्षक मदरूप राम के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित की गई। टीम ने मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए शिवराज सिंह चौहान (उम्र 20 वर्ष), निवासी गांव रामपुरा, थाना सेवर, जिला भरतपुर को गिरफ्तार किया।पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 2 अवैध जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट की धारा 3/25(1ख)(ए) के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है।

बजट में हर वर्ग का रखा ध्यान, सर्वजन हिताय और सर्वजन सुखाय वाला बजट : बेढ़म

धौलपुर,23 फरवरी (एजेंसियां)। राज्य मंत्री गृह, गौपालन, पशुपालन, डेयरी एवं मत्स्य विभाग तथा जिला प्रभारी मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने रविवार को राज्य के बजट वर्ष 2025-26 की घोषणाओं के त्वरित और समयबद्ध क्रियान्वयन एवं पिछले बजट घोषणाओं की प्रगति की समीक्षा हेतु विभागीय अधिकारियों की बैठक ली। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में प्रभारी मंत्री बेढम ने विभिन्न विभागों की बजट घोषणाओं और योजनाओं पर विभागवार चर्चा की।

प्रभारी मंत्री बेढम ने सार्वजनिक निर्माण विभाग से शुरू करते हुए एक-एक कर सभी विभागों के जिला स्तरीय अधिकारियों से योजनाओं के पूर्ण होने के लिए समयसीमा की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि बजट घोषणाओं में प्रत्येक विधानसभा में नॉन पेचेबल सड़कों के कार्य में व्यवहार्यता एवं सुगमता का ध्यान रखा जाये। राष्ट्रीय राजमार्ग 123 से राष्ट्रीय राजमार्ग 11 बी धौलपुर एवं राष्ट्रीय राजमार्ग 44 से राज्य राजमार्ग 2 ए पर बायपास के संबंध में प्रगति पर जानकारी ली। उन्होंने राजाखेड़ा में कृषि मण्डी और जारह में ग्रिड सब स्टेशन हेतु भूमि आवंटन की प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण कराये जाने हेतु निर्देशित किया। प्रभारी मंत्री ने कहा कि सभी विभाग राज्य सरकार की मंशा अनुरूप बजट घोषणाओं 2025-26 के त्वरित क्रियान्वयन हेतु अग्रसक्रिय ढंग से कार्य करें।

पंचकूला-शिमला हाईवे पर दर्दनाक हादसा

खड़े ट्रक से टकराई कार, चार युवकों की मौके पर मौत

पंचकूला,23 फरवरी (एजेंसियां)। पंचकूला शिमला हाईवे पर बिटना के नजदीक हाइवे पर एक वरना कार नंबर क्ठ 26एघ 0057, जिसमें 4 नौजवान सवार थे एक खड़े ट्रक से टकरा गई।जिसमें चारों युवकों की मौके पर मौत हो गई।स्थानीय पुलिस ने चारों के शवों को पंचकूला के सेक्टर 6 स्थित नागरिक अस्पताल के शवगृह में रखवा दिया है और आगामी करवाई अमल में लाई जा रही है।

मिली जानकारी के अनुसार चारों युवक शिमला से पंचकूला आ रहे थे। मृतकों की पहचान वैभव यादव पुत्र विपन पाल उम्र 16 वर्ष वासी स्वस्तिक विहार मनसा देवी कॉम्प्लेक्स सेक्टर 6 पंचकूला, अध्यान बंसल पुत्र राजीव बंसल उम्र 17 साल वासी जीएच 53 सेक्टर 20 पंचकूला, मोहमद अड़ीद पुत्र अशरफ अंसारी उम्र 18 साल वासी टाऊन मोहाली अजीत नगर और चिराग मालिक उम्र 17 साल वासी सेक्टर 16 हिसार के तौर पर हुई है।

रोजाना एक घंटा मैदान में रहने वाला हमेशा रहता है स्वस्थ : बंडारू

चंडीगढ़,23 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि जो व्यक्ति रोजाना एक घंटा मैदान में रहता है, उसे कभी बीमारी नहीं आती है। प्रदेश के हर स्कूल में भी एक घंटा खेल होना चाहिए। इससे स्वास्थ्य बना रहेगा। स्वास्थ्य बना रहने के साथ आत्म विश्वास में भी वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि आज की इस प्रतियोगिता में जो जीते हैं और जो हारे हैं। सभी ने बहुत बढ़िया प्रदर्शन किया। हार के बाद एक नया जोश उत्पन्न होता है, जो भविष्य की जीत को तय करता है।

राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय आज सेक्टर -3 स्थित ताऊ देवीलाल खेल स्टेडियम में यूटी क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा आयोजित शहीद चंद्रशेखर आजाद मेमोरियल टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट के दूसरे संस्करण के समापन समारोह में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे।

शहीद चंद्रशेखर आजाद मेमोरियल ढ20 क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले में हिम्स हॉक्स टीम ने वाइल्डवुड वॉरियर्स को हराकर

टाइटल जीता। विजेता टीम को राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने ट्राफी देखकर सम्मानित किया। इस प्रतियोगिता में मैन ऑफ द टूर्नामेंट का खिताब खिलाड़ी शिवम बामरी को मिला। फाइनल मुकाबले के बेस्ट खिलाड़ी और बेस्ट गेंदबाज राहुल सिंह रहे और देवांश कौशिक को बेस्ट बल्लेबाज का खिताब मिला।

बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि इस प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने भाग लेकर अपनी दक्षता, शारीरिक क्षमता और मानसिक दृढ़ता का परिचय दिया है। मेरी कामना रहेगी कि आप सभी जीवन में ऊंची उपलब्धियां हासिल करें। उच्च मनोबल व दृढ निश्चय द्वारा ही सभी कठिनाईयों का सामना कर लक्ष्य की प्राप्ती की जा सकती है। उन्होंने कहा कि आज महर्षि दयानन्द सरस्वती जी की जयंती है। उन्होंने बाल विवाह और सती प्रथा जैसी कुरीतियों को समाज से दूर करने में अपना योगदान दिया। मैं उन्हें नमन करता हूं और आप सभी से उनके द्वारा दिए गए संदेशों को जीवन में अपनाने का आग्रह करता हूं।

राज्यपाल ने बताया कि जुलाई 2019 में बीसीसीआई से मान्यता प्राप्त करने के बाद व 35 वर्षों के अथक प्रयासों के बाद, यूटी क्रिकेट एसोसिएशन ने उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल की हैं। यूटीसीए के 500 से अधिक खिलाड़ियों ने बीसीसीआई टूर्नामेंटों में चंडीगढ़ का प्रतिनिधित्व किया है।

हरियाणा निकाय चुनाव

कांग्रेस ने जारी किया घोषणा पत्र, मतदाताओं से मांगा पूर्ण बहुमत

चंडीगढ़,23 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा में निकाय चुनाव को लेकर रविवार को कांग्रेस की ओर से हरियाणा का घोषणा पत्र जारी किया गया। गुरुग्राम के कांग्रेस भवन में पत्रकार वार्ता में घोषणा पत्र जारी करते हुए वरिष्ठ नेताओं ने प्रदेश के मतदाताओं से निकाय चुनावों में कांग्रेस को पूर्ण बहुमत देते हुए विजय बनाने की अपील की।

गुरुग्राम के कांग्रेस भवन में घोषणा पत्र जारी करने के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा, प्रदेश अध्यक्ष उदयभान, पूर्व मंत्री कप्तान अजय सिंह यादव, प्रभारी करण दलाल, पूर्व मंत्री गीता भुक्कल, पूर्व मंत्री सुखबीर सिंह कटारिया, कार्यकारी अध्यक्ष जितेंद्र भारद्वाज, वर्धन यादव, मोहित ग्रोवर, पर्ल चौधरी, मीडिया कॉर्डिनेटर एवं शहरी कॉर्डिनेटर पंकज डावर, ग्रामीण कॉर्डिनेटर विरेंद्र यादव, पंकज भारद्वाज, सहप्रभारी ठाकुर राजाराम समेत कई नेता मौजूद रहे। पत्रकार वार्ता में हरियाणा के चुनावी घोषणा पत्र पर पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा व प्रदेश अध्यक्ष उदयभान ने विस्तार से चर्चा की। प्रदेश अध्यक्ष उदयभान ने हरियाणा निकाय चुनाव का घोषणा पत्र पढ़ा। गुरुग्राम का घोषणा कांग्रेस की मेयर पत्र सीमा पाहुजा ने पढ़ा।

इस अवसर पर पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि जनता कांग्रेस का मेयर व अधिक से पार्षद चुनकर सदन में भेजे। गुरुग्राम के विकास में कोई कमी नहीं रहने दी जाएगी। उन्होंने घोषणा पत्र सांझा करते हुए कहा कि नगर निगम, गुरुग्राम चुनाव-2025 के कांग्रेस का यह घोषणा पत्र स्थानीय मुद्दों, समस्याओं पर आधारित है। 10 साल से भाजपा की सरकार के शासन में गुरुग्राम में वे मूलभूत सुविधाएं नहीं मिल पाई, जिनके वायदे करके भाजपा सत्ता में आई है।

नगर निगम पर भी भाजपा काबिज रही, लेकिन तस्वीर नहीं बदली। कांग्रेस पार्टी अपने घोषणा पत्र के माध्यम से गुरुग्राम की जनता से यह वायदा करती है कि गुरुग्राम की तस्वीर और तकदीर बदलने का काम किया जाएगा। हर समस्या का तय समय में समाधान, हर सुविधा विश्वस्तरीय दी जाएगी।

प्रदेश अध्यक्ष उदयभान ने कहा कि भाजपा सरकार अपने पहले 100 दिन में ही विफल हो गई है। वैसे तो सरकार 10 साल से ही विफल रही है, लेकिन सीएम नायब सिंह सैनी सिर्फ घोषणाओं तक सीमित रहे गए हैं।

लोगों के जीवन स्तर को ऊंचा उठाने के लिए प्रदेश सरकार निरंतर कार्यरत : नायब सिंह

चंडीगढ़,23 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि पूरे हरियाणा में विकास की विचारधारा के साथ कार्य करवाएं जा रहे हैं। समाज के अंतिम व्यक्ति को सरकारी योजनाओं का सीधा लाभ मिले, इसके लिए योजनाबद्ध तरीके से सरकार सार्थक कदम बढ़ा रही है। आमजन के हितों की अनदेखी न हो इस पर सरकार का पूरा फोकस है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी रविवार को फरीदाबाद में अपने दौरे के दौरान आमजन से सीधा संवाद कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने अपने दौरे के दौरान महान विभूतियों की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर वीर सपूतों को नमन भी किया। उन्होंने लोगों से संवाद करते हुए कहा कि रेल, सड़क के साथ ही मेट्रो कनेक्टिविटी के साथ आने वाले दिनों में बल्लभगढ़ से पलवल तक मेट्रो का विस्तार करके क्षेत्र को सौगात देने का कार्य भी वर्तमान सरकार द्वारा किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जनसेवा की भावना से सरकार कार्य कर रही है और लोगों को उनके घर द्वार पर सरकारी सेवाओं का लाभ पहुंचाते हुए लाभान्वित किया जा रहा है। बिना

किसी भेदभाव के समान विकास कराने का लक्ष्य लेकर केंद्र व प्रदेश सरकार आगे बढ़ रही है। उन्होंने बताया कि जन सुविधा के लिए सरकार ने उपमंडल से लेकर जिला स्तर के कार्यालयों में समाधान शिविरो का आयोजन कर हर वर्ग से जुड़ी समस्याओं का निदान प्रत्येक कार्य दिवस पर सुनिश्चित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की सरकार लोगों के जीवन स्तर को ऊंचा उठाने के लिए कार्य कर रही है। आज लोगों को अपने कामों के लिए दफ्तरों के चक्कर न काटने पड़े, इसके लिए सभी जरूरी सेवाएं ऑनलाइन की जा रही है। इससे पूरी पारदर्शिता के साथ कम समय में आमजन के कार्य हो रहे हैं। पूरे हरियाणा में आवागमन सुविधा को बेहतर बनाया गया है और मजबूत सडक़ सुरक्षा तंत्र के साथ सडक़ों का जाल बिछाकर परिवहन को सुगम बनाया गया है। वहीं गरीब और जरूरतमंदों के लिए परिवहन विभाग की हैप्पी कार्ड योजना काफी लाभकारी सिद्ध हो रही है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश सरकार लोगों के स्वास्थ्य को लेकर भी काफी सजग है। प्रदेश सरकार चिरायु योजना के तहत जरूरतमंद लोगों के आयुष्मान कार्ड बनाकर उनके परिवारों को 5 लाख रुपए तक सालाना मुफ्त इलाज की सुविधा मुहैया करवा रही है। इसमें जिन परिवारों की वार्षिक आय 1 लाख 80 हजार रुपए तक है उनके मुफ्त में आयुष्मान कार्ड बनाए जा रहे हैं। वहीं तीन लाख तक की सालाना आय वाले परिवार के लिए 1500 रुपए के शुल्क पर इस सुविधा का लाभ प्रदान किया जा रहा है। सरकार ने 70 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों को भी आयुष्मान कार्ड योजना का लाभ निशुल्क देने का निर्णय लिया है।

तालाब में उतरकर केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज ने ली मखाना खेती की जानकारी

किसानों ने जताई यह उम्मीद

दरभंगा(एजेंसियां)।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने रविवार को दरभंगा स्थित मखाना अनुसंधान केंद्र का दौरा किया। जहां बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, मंत्री हरि सहनी और सांसद गोपाल जी ठाकुर ने उनका भव्य स्वागत किया। अनुसंधान केंद्र में निरीक्षण के दौरान मंत्री ने स्वयं तालाब में उतरकर मखाना किसानों से खेती की बारीकियों की जानकारी ली।

कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान जब खुद तालाब में उतरे और मखाने की खेती की प्रक्रिया को समझने लगे, तो किसान बेहद खुश नजर आए। उन्होंने किसानों से मखाना उत्पादन, सालाना पैदावार और खेती में आने वाली चुनौतियों के बारे में विस्तार से चर्चा की। मंत्री ने यह भी पूछा कि प्रति वर्ष तालाब के हिसाब से औसत उत्पादन कितना होता है और किन-किन सरकारी योजनाओं का किसानों को लाभ मिल रहा है।

केंद्रीय कृषि मंत्री के साथ बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, अतिपिछड़ा कल्याण मंत्री हरि सहनी और विधायक जीवेश मिश्रा भी मौजूद रहे। उन्होंने मखाना किसानों को प्रोत्साहित करते हुए सरकार द्वारा दी जा रही सहायता और योजनाओं की जानकारी साझा की। इस दौरान मखाना उद्योग को राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ावा देने और किसानों को बेहतर तकनीक व सुविधाएं उपलब्ध कराने पर भी चर्चा हुई।

मंत्री के खुद तालाब में उतरकर खेती को समझने के इस प्रयास से किसान बेहद उत्साहित दिखे। उन्होंने उम्मीद जताई कि सरकार से उन्हें और अधिक सहयोग मिलेगा, जिससे उनकी आय में वृद्धि होगी और मखाना उद्योग को नया आयाम मिलेगा। वहीं, केंद्रीय कृषि मंत्री ने किसानों को आश्वस्त किया कि मखाना उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए सरकार हर संभव सहायता देगी, जिससे यह उद्योग और अधिक सशक्त बन सके।

थानाध्यक्ष समेत पांच दारोगा निलंबित, पुलिस विभाग में हड़कंप

मोतिहारी (एजेंसियां)।

मोतिहारी जिले में एक साथ थानाध्यक्ष समेत पांच दारोगाओं के निलंबन से पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया है। यह कार्रवाई चंपारण रेंज के डीआईजी हरिकिशोर राय द्वारा विभिन्न थानों के निरीक्षण के दौरान सामने आई गंभीर लापरवाही के कारण की गई। निरीक्षण के दौरान गड़हिया ओपी के थानाध्यक्ष राजीव रंजन कुमार को निलंबित कर दिया गया। उनके ऊपर आरोप था कि हरैया थाना से एक साल पहले ट्रांसफर होने के बावजूद भी करीब 40 केसों का प्रभार नहीं सौंपा गया था, जिससे मामलों की जांच प्रभावित हो रही थी। इस गंभीर लापरवाही के चलते डीआईजी ने उनके निलंबन का आदेश जारी किया। इसके साथ ही चार अन्य दारोगाओं को भी निलंबित किया गया। इनमें छोड़ादानो थाना के शिवजी सिंह, पचपकड़ी थाना के ब्रजभूषण सिंह, जय बजरंग थाना के संजय कुमार सिंह और रक्सौल थाना के संजय कुमार सिंह शामिल हैं। इन सभी अधिकारियों पर अपने पुराने थानों के मामलों का प्रभार नहीं देने का आरोप था, जिससे जांच में देरी हो रही थी।

मोतिहारी एसपी स्वर्ण प्रभात के पदभार संभालने के बाद पॉकेट डिस्पोजल (पेंडिंग केसों को बिना उचित प्रक्रिया के समाप्त करना) को लेकर कड़ा रुख अपनाया गया था।

जिले में लगभग 22,000 पॉकेट डिस्पोजल का मामला सामने आया था। एसपी ने इसे रोकने के लिए सख्त कदम उठाए और सभी अधिकारियों को पुराने मामलों का प्रभार सौंपने का निर्देश दिया। हालांकि कुछ अधिकारी अभी भी इन आदेशों का पालन नहीं कर रहे थे, जिसके कारण अब उन पर गाज गिरनी शुरू हो गई है।

इस कार्रवाई के बाद जिले के अन्य पुलिस अधिकारियों में भी हड़कंप मच गया है। यह माना जा रहा है कि जिन अधिकारियों ने अब तक पुराने मामलों की जिम्मेदारी पूरी तरह से नहीं सौंपी है, उन पर भी जल्द ही सख्त कार्रवाई हो सकती है। डीआईजी ने स्पष्ट किया कि लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा, ताकि जिले की कानून-व्यवस्था को प्रभावी बनाया जा सके और लंबित मामलों का शीघ्र निपटारा हो सके।

भीषण सड़क हादसे में तीन की मौत

पटना (एजेंसियां)।

बिहार के कैमूर जिले में भीषण सड़क हादसे में महिला समेत तीन लोगों की मौत हो गई। वहीं चार लोगों की हालत गंभीर है। सभी लोग कुंभ स्नान कर प्रयागराज से लौट रहे थे। रविवार सुबह कुदरा थाना क्षेत्र के चिलबिली के पास एनएच 19 पर खड़े कंटेनर ट्रक में इनकी स्कार्पियो ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि तीन लोगों की मौके पर ही मौके पर ही मौत हो गई। वहीं चार लोगों की हालत गंभीर है। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। इधर, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई।

पुलिस और एनएचएआई की टीम सभी घायलों को उपचार कराने के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कुदरा पहुंचाया जहां से सभी को सदर अस्पताल भभुआ रेफर कर दिया गया। कैमूर पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि दिल्ली से कोलकाता जोड़ने वाली एनएच दो पर सड़क हादसे में तीन की मौत जबकि चार घायल हुए हैं। वहीं सभी शव पोस्टमार्टम के लिए भभुआ भेज दिया गया घायल व्यक्ति को सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया।

मरने वालों में एक की पहचान लखीसराय जिले के एटा गांव निवासी नारायण मंडल की पत्नी मीरा देवी (50) के रूप में हुई। दो अन्य मृतकों की पहचान अभी नहीं हो पाई है। घायलों में धनबाद के सीकरी गांव निवासी सुभाष कुमार की पत्नी सूची देवी (55), स्कॉर्पियो चालक जमुई निवासी मोहम्मद कौशल (52), धनबाद के सीकरी गांव के रंजीत पासवान की पत्नी सुधा देवी (35) और लखीसराय के एटा गांव निवासी नारायण मंडल की बेटी सोनी कुमारी (22) शामिल है। घटना के बाद पुलिस ने मरने वाले के परिजनों को सूचना दे दी है। आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

यौन उत्पीड़न के आरोप में दारोगा गिरफ्तार

वैशाली (एजेंसियां)।

वैशाली जिले के बिदुपुर थाना में तैनात दारोगा राहुल कुमार को पुलिस ने यौन उत्पीड़न के आर-ोप में गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद उसे सदर अस्पताल में मेडिकल जांच के लिए ले जाया गया और फिर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। गिरफ्तार दरोगा की पहचान जमुई जिले के महेश प्रसाद सिंह के पुत्र राहुल कुमार के रूप में हुई है। राहुल कुमार पर बेगूसराय की रहने वाली एक लड़की ने वैशाली जिले के महिला थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। शिकायत में लड़की ने आरोप लगाया कि दारोगा ने शादी का झांसा देकर उसके साथ यौन शोषण किया। लेकिन बाद में दूसरी लड़की से शादी करने की तैयारी करने लगा।

जानकारी के अनुसार, राहुल कुमार ने करीब छह महीने पहले किसी विभागीय लड़की से कोर्ट मैरिज कर ली थी। इसके बावजूद वह तीन मार्च को वैशाली जिले के भगवानपुर की एक लड़की से शादी करने जा रहा था। जब इसकी खबर पहली लड़की को मिली, तो उसने हाजीपुर के महिला थाना में एफआईआर दर्ज करा दी। रिपोर्ट दर्ज होते ही पुलिस ने राहुल कुमार को उसके तैनाती वाले जिले में ही गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के समय वह शादी की तैयारियों में जुटा था, लेकिन पुलिस ने ऐन मौके पर उसे हिरासत में ले लिया।

जानकारी के मुताबिक, राहुल कुमार जब पटना में रहकर दारोगा की परीक्षा की तैयारी कर रहा था। तभी उसकी मुलाकात बेगूसराय की रहने वाली लड़की से हुई थी। दोनों के बीच प्रेम संबंध बना और लड़की ने उसके साथ शादी की उम्मीद लगा ली। लेकिन दारोगा बनने के बाद राहुल कुमार ने पहले किसी और से कोर्ट मैरिज की और फिर तीसरी लड़की से शादी करने की योजना बना ली।

इस पूरे मामले को लेकर पुलिस अधिकारी कुछ भी कहने से बच रहे हैं। हालांकि गिरफ्तारी की पुष्टि करते हुए पुलिस ने दारोगा को न्यायिक हिरासत में भेजने की जानकारी दी है। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस पूरी सतर्कता बरत रही है।

गिरफ्तारी का सबसे दिलचस्प पहलू यह रहा कि जिस जिले में दारोगा की शादी होने वाली थी, उसी जिले की पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। शादी की तैयारियों में जुटे दारोगा को अचानक गिरफ्तार कर लिए जाने से उसके परिवार में हड़कंप मच गया।

सीएम नीतीश से ज्यादा फिट हैं लालू प्रसाद : तेजस्वी यादव

पटना (एजेंसियां)।

बिहार में विधानसभा चुनाव को लेकर तैयारी शुरू हो चुकी है। सभी राजनीतिक दल किसी तरह की कोई कसर नहीं रखना चाहती है। पक्ष और विपक्ष एक-एक चीज को मुद्दा बना रहा है। अब नया मुद्दा 'फिटनेस' है। विपक्ष मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के फिटनेस पर सवाल उठा रहा है। उन्हें बीमार बता रहा है। विपक्षी नेताओं का कहना है कि सीएम नीतीश कुमार पूरी तरह फिट नहीं हैं। इसलिए 2025 के विधानसभा चुनाव से पहले उन्हें सेवानिवृत हो जाना चाहिए। वहीं सीएम नीतश कुमार के बेटे निशांत कुमार ने स्पष्ट कह दिया है कि उनके पिता यानी सीएम नीतीश कुमार पूरी तरह फिट है। सौ प्रतिशत वह ठीक है। आगामी चुनाव में जनता उन्हें वोट करें। इन सब के बीच नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने बड़ा बयान दिया है। तेजस्वी ने निशांत नसीहत भी दे दी और अपने पिता लालू यादव को सीएम नीतीश कुमार से ज्यादा फिट भी बता दिया।

तेजस्वी यादव ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि नीतीश कुमार के स्वास्थ्य पर जदयू को गठबंधन के नेताओं की पिछली टिप्पणियों के बारे में 'चिंता' करनी चाहिए, यह देखते हुए कि चिराग पासवान ने उन्हें अतीत में 'मानसिक रूप से स्थिर नहीं हैं' कहा था। उन्होंने कहा कि निशांत कुमार को सोचना होगा कि सम्राट चौधरी, विजय सिन्हा, चिराग पासवान, जीतन राम मांझी, पीएम मोदी जैसे लोग जो नीतीश कुमार के साथ हैं। चिराग पासवान कहते थे कि वह मानसिक रूप से स्थिर नहीं हैं, जीतन राम मांझी कहते थे कि वह स्वस्थ नहीं हैं।

आगे तेजस्वी यादव ने कहा कि उनके पिता से ज्यादा बिहार के लिए और किसी ने भी काम नहीं किया है। लालू प्रसाद ने सामाजिक न्याय किया। केंद्र से बिहार के लिए एक लाख 65 हजार करोड़ रुपये का पैकेज लिया। लालू प्रसाद यादव ने बिहार के लिए जो किया, वह किसी ने नहीं किया। उनके पिता, लालू यादव, बिहार के सीएम से 'फिट' हैं।

सेल्फी के चक्कर में नाव हादसा डूबने से दो लड़कों की मौत

वैशाली (एजेंसियां)।

वैशाली में दो लड़कों की पोखर में डूबने से मौत हो गई। दोनों अपने चार अन्य दोस्तों के साथ पोखर में नाव पर खड़े होकर सेल्फी ले रहे थे। इसी दौरान दोनों पोखर में गिर गए। बाकी चार लड़के तो किसी तरह पोखर से बाहर आ गए लेकिन यह दोनों डूब गए। दोनों ने अपनी जान बचाने के लिए काफी मशक्कत की। आसपास के लोगों ने भी इन्हें बचाने की की कोशिश की लेकिन तब तक काफी देर हो चुका था। दोनों लड़कों ने दम तोड़ दिया। परिवार वालों ने दोनों को आननफानन में सदर अस्पताल लाया। डॉक्टर ने हाजीपुर सदर अस्पताल में जांच के बाद मृत घोषित कर दिया।

घटना भगवानपुर थाना क्षेत्र में ललपुरा की है। दो लड़कों की मौत के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। इधर, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई। पुलिस का कहना है कि दो लड़कों की पोखर में डूबने से मौत हो गई। दोनों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है। कुछ लोगों से पूछताछ की जा रही है। मामले में आगे की कार्रवाई चल रही है। मरने वालों की पहचान सरवन शाह के 17 वर्षीय पुत्र विकास कुमार और गोपाल साह के 15 वर्षीय पुत्र प्रियांशु कुमार के रूप में हुई।

घटना के बाद दोनों के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

साइंस कॉलेज के सामने खड़ी दो बसों में अचानक लगी आग

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।

मुजफ्फरपुर में अचानक दो बसों में आग लग गई। आग लगते ही घटनास्थल पर अफरातफरी की स्थिति हो गई। मामला सदर थाना क्षेत्र के मझौलिया साइंस कॉलेज छक 28 फोर लेन के पास की है। अचानक दो बस में आग लगने से आसपास के इलाके में दहशत का माहौल हो गया। आग लगने के क्या कारण हैं, फिलहाल स्पष्ट नहीं हो पाया है। आग लगने वाले बस महादेव रथ की है जिसका कार्यालय पास में ही है।

घटना के संबंध में स्थानीय लोगों ने बताया कि आग लगते ही घटना की जानकारी स्थानीय पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही सदर थाना की पुलिस और अग्निशमन विभाग की तीन गाड़ियां घटनास्थल पर पहुंची और फिर एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग लगने के दौरान सड़क का एक लेन प्रभावित हो गया और दूसरे लेन में जाम की स्थिति बन गई। घटना में किसी के हताहत होने की जानकारी नहीं है। घटना के कारण करीब एक घंटे से अधिक आवागमन प्रभावित रहा।

कामेश्वर चौपाल के घर में लाखों की चोरी

पटना (एजेंसियां)।

अयोध्या में श्रीराम मंदिर के निर्माण की पहली ईट रखने वाले दिवंगत कामेश्वर चौपाल के पटना वाले घर में भीषण चोरी हुई है। चोरों ने घर से कैश और जेवर समेत करीब 50 लाख की संपत्ति चुरा ली। चौंकाने वाली बात यह है कि चोर सोने का एक मुकुट भी अपने साथ ले गए। वारदात के वक्त घर में कोई नहीं था। परिवार के सदस्य कामेश्वर चौपाल के श्राद्धकर्म में सुपौल में थे। परिवार वाले जब पटना लौटे तो दंग रह गए। देखा कि मेन गेट समेत सभी कमरों का ताला टूटा हुआ है। कैश, सोने चांदी के जेवर समेत कई कीमती सामान चोर अपने साथ ले गए।

घटना बेउर इलाके के न्यू महावीर कॉलोनी की है। रविवार सुबह जब मामले का खुलासा हुआ तो सब लोग दंग रह गए। कामेश्वर चौपाल की पुत्रवधू मीनाक्षी कुमारी ने बताया कि परिवार के सभी सदस्य श्राद्ध कर्म में शामिल होने के लिए गांव गए थे। यहां पर कोई नहीं था। पिछले कई दिनों से घर बंद था। देर रात हम लोग सुपौल से पटना लौटे। तब चोरी का पता चला। सभी कमरों ताले टूटे हुए थे। पूरा सामान घर में बिखरा था। अलमारी से जेवरात और कैश गायब थे।

अयोध्या के श्रीराम मंदिर के शिलान्यास में पहली ईट रखने वाले कामेश्वर चौपाल का छह फरवरी की मध्य रात्रि को दिल्ली में निधन हो गया था। राम जन्मभूमि निर्माण के ट्रस्टी और बिहार के पूर्व विधान परिषदब सदस्य कामेश्वर चौपाल ने 68 वर्ष की उम्र में अंतिम सांस ली। परिजनों ने बताया था कि सर गंगा राम अस्पताल में उन्होंने दम तोड़ दिया। वह अगस्त में किडनी ट्रांसप्लांट के बाद से संभल नहीं पा रहे थे। उनके निधन से राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ, भारतीय जनता पार्टी, विश्व हिन्दू परिषद समेत पूरे विचार परिवार में शोक की लहर दौर पड़ी है। संघ ने उन्हें प्रथम कार सेवक का दर्जा दिया था।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com